शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन भी तेजी निफ्टी सेंसेक्स ऊपर चढ़े - 12

युद्ध से आपूर्ति संकट... देश में एलपीजी की खपत में हुई 17 प्रतिशत की गिरावट - 12

टीएमसी बंगाल में 291 सीटों पर लड़ेंगी चुनाव - 13

पत्नी के सीधे सरल सवाल ने बदल दिया सूर्यकुमार यादव का करियर- 14

आज का मौसम
27.0° अधिकतम तापमान
17.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.19
सूर्यास्त 06.22

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| हल्द्वानी |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

चैत्र कृष्ण पक्ष चतुर्दशी 08:25 उपरांत अमावस्या विक्रम संवत 2083

बुधवार, 18 मार्च 2026, वर्ष 6, अंक 21, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

हमले में ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी अली लारीजानी और टॉप कमांडर सुलेमानी मारे गए

इजराइल के रक्षा मंत्री ने की पुष्टि, खामेनेई के मारे जाने के बाद लारीजानी ने संभाली थी कमान

चीन की बड़ी पहल

- ईरान, लेबनान व पड़ोसी देशों को इमरजेंसी मानवीय मदद की घोषणा
- इजराइली सेना ने ईरान के कई शहरों पर किए हमले

यरूशलम/दुबई/बीजिंग, एजेंसी

संयुक्त अरब अमीरात में ड्रोन के ईंधन के टैंक से टकराने के बाद उठता धुएं का गुबार। इनसेट में मारे गए लारीजानी व सुलेमान।

इजराइल के रक्षा मंत्री काट्ज ने मंगलवार को दावा किया कि उनकी सेना ने रात भर किए गए हमले में ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी अली लारीजानी और रिवोल्यूशनरी गार्ड के स्वयंसेवी बल बासिज के प्रमुख गुलामरजा सुलेमानी को मार गिराया है। इस बल को ईरान में प्रदर्शनों को दबाने के लिए एक अहम बल माना जाता है। बहरहाल, ईरान ने अभी तक सुलेमानी की मौत की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

इजराइली सेना ने कहा, बासिज बल ईरानी आतंकी शासन की सशस्त्र व्यवस्था का हिस्सा है। उसने कहा, ईरान में आंतरिक विरोध प्रदर्शनों के दौरान, खासकर हाल के समय में जब प्रदर्शन तेज हुए तो सुलेमानी के नेतृत्व में बासिज बलों ने दमन की मुख्य कार्रवाई की, जिसमें भीषण हिंसा, व्यापक गिरफ्तारियां और असैन्य प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बल प्रयोग शामिल था। इजराइली सेना ने ईरान के कई शहरों में हमले किए। इजराइली ने दावा किया है कि हमले में बसीज फोर्स के 300 सैनिकों की मारे गए हैं। इस बीच ईरान के सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि पहले अमेरिका और इजराइल से हिसाब लिया जाएगा, उसके बाद ही शांति की बात की जाएगी। वहीं, चीन ने भीषण संघर्ष के बीच मानवीय संकट को कम करने के लिए ईरान, जॉर्डन, लेबनान और इराक को आपातकालीन मानवीय सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने इसकी आधिकारिक घोषणा की। प्रवक्ता ने कहा कि युद्ध ने ईरान तथा इस क्षेत्र के अन्य देशों के नागरिकों के लिए असहनीय मानवीय आपदा पैदा कर दी है।

ईयू नहीं देगा अमेरिका का साथ, कहा- ये हमारी लड़ाई नहीं, ट्रंप नाराज

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने सहयोगी देशों की आलोचना करते हुए कहा है कि हॉर्मुज स्ट्रेट मार्ग को सुरक्षित करने के लिए उन्होंने जिस गठबंधन का प्रस्ताव रखा है, उसके प्रति सहयोगियों में उत्साह की कमी है। ट्रंप ने सोमवार देर रात ओवल ऑफिस में कहा कि ईरान के साथ संघर्ष जल्द ही खत्म हो सकता है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि इस हफ्ते किसी समाधान की संभावना कम है। उन्होंने इस सैन्य अभियान का बचाव करते हुए कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए यह जरूरी था। ट्रंप ने कहा, यह अभियान जल्द ही खत्म हो जाएगा। हमारी दुनिया कहीं ज्यादा सुरक्षित होगी। यूरोपीय यूनियन की विदेश नीति प्रमुख काजा कालास ने कहा कि यूरोप के देशों में होर्मुज स्ट्रेट में युद्धपोत भेजने को तैयार नहीं हैं। कोई भी अपनी जनता को खतरे में डालना नहीं चाहता।

शीर्ष अमेरिकी अधिकारी केंट का इस्तीफा, कहा- मेरा दिल ईरान युद्ध का समर्थन करने की गवाही नहीं देता

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रीय आतंकवाद रोधी केंद्र के निदेशक जो केंट ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया और कहा कि उनका दिल इस बात की गवाही नहीं देता कि वह ट्रंप प्रशासन के ईरान युद्ध का समर्थन करें। केंट ने सोशल मीडिया पर कहा कि ईरान से हमारे देश को कोई तात्कालिक खतरा नहीं था, और यह स्पष्ट है कि हमने इस युद्ध की शुरुआत इजराइल तथा उसकी शक्तिशाली अमेरिकी लॉबी के दबाव के कारण की। गत जुलाई में 44 के मुकाबले 52 मतों से केंट को उनके पद पर नियुक्त किया गया था।

देहरादून-पिथौरागढ़ के लिए आरसीएस उड़ान सेवा जल्द : धामी

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

- प्रदेश में पीएमजीएसवाई सड़कों की समय सीमा भी बढ़ी

अमृत विचार: हवाई क्षेत्र में उत्तराखंड के लिए अच्छी खबर है। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राममोहन नायडू किंजरापु ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को पत्र लिखकर बताया है कि देहरादून से पिथौरागढ़ के बीच आरसीएस उड़ान सेवा जल्द शुरु हो सकती हैं।

मुख्यमंत्री धामी ने बीते दिनों केंद्रीय मंत्री को देहरादून से पिथौरागढ़ के बीच उड़ान सेवाएं मजबूत करने के लिए पत्र लिखा था। इसी क्रम में केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री को बताया कि देहरादून से पिथौरागढ़ के बीच क्षेत्रीय सम्पर्क योजना के तहत उड़ान सेवा के लिए जरूरी औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद एविएशन कंपनी द्वारा इस मार्ग पर आरसीएस उडानों का संचालन किया जाएगा। कहा कि केंद्र सरकार देहरादून से पिथौरागढ के बीच नियमित विमान सेवाओं के लिए अन्य विमानन कंपनियों को भी पत्र लिख रही है।

वहीं, केंद्र सरकार ने उत्तराखंड में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना-प्रथम चरण के अवशेष भुगतान के साथ ही दूसरे और तीसरे चरण के कार्यों को पूरा करने की समय सीमा भी मार्च 2027 तक विस्तारित कर दी है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मुख्यमंत्री धामी को पत्र लिखकर इसकी जानकारी दी है। इस संबंध में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में केंद्र सरकार लगातार उत्तराखंड को सहयोग कर रही है।

केंद्र सरकार के सहयोग से राज्य में हवाई सेवाओं को मजबूत किया जा रहा है। सरकार पिथौरागढ़-देहरादून के बीच नियमित हवाई सेवा शुरु करने के लिए प्रयासरत है। इससे सीमांत के लोगों का देहरादून से सीधे सम्पर्क स्थापित हो सकेगा।

ब्रीफ न्यूज

एयर इंडिया के बोइंग 777-300 ईआर विमान ने 6 साल बाद भरी उड़ान

नई दिल्ली। एयर इंडिया के पुराने बोइंग 777-300ईआर विमान ने छह साल से अधिक समय तक सेवा से बाहर रहने के बाद फिर से उड़ान भरना शुरू कर दिया है। एयरलाइन ने मंगलवार को बताया कि विमान वीटी-एएलएल को फिर से उड़ान के लायक बनाने के लिए 3,000 से अधिक नए प्रमुख पुर्जे लगाए गए और 4,000 से ज्यादा मरम्मत कार्य पूरे किए गए। ये सभी काम एयर इंडिया इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड (एआईईएसएल) के नागपुर स्थित मरम्मत एवं रखरखाव (एमआरओ) केंद्र में हुए। एयरलाइन ने कहा कि यह विमान फरवरी, 2020 में कई तकनीकी खामियों और पुराने हो चुके पुर्जों के कारण सेवा से हटा दिया गया था।

सारा अली खान हलफनामा देंगी तो कराएंगे दर्शन

देहरादून। बदरीनाथ और केदारनाथ मंदिर परिसरों में गैर सनातनियों के प्रवेश पर रोक लगाने संबंधी प्रस्ताव को सर्वसम्मति से मंजूरी देने वाली बीकेटीसी के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने मंगलवार को कहा कि, फिल्म अभिनेत्री सारा अली खान या अन्य कोई गैर हिंदू अगर सनातन के प्रति अपनी आस्था के बारे में हलफनामा देता है तो उसे मंदिरों में दर्शन कराए जाएंगे। उत्तराखंड चारधाम यात्रा इस साल 19 अप्रैल से शुरू होने जा रही है।

(विस्तृत पेज-2)

अब 24 घंटे के अंदर मिलेगा पीएनजी का नया कनेक्शन

- पाइपलाइन बिछाने के लिए तमाम मंजूरियों की जरूरत नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर सरकार ने पाइप के माध्यम से रसोई गैस का पीएनजी कनेक्शन लेने वालों के लिए प्रोत्साहन योजना शुरू करने के साथ- साथ नए आवेदनों को 24 घंटे में मंजूरी देने का निर्णय लिया है।

उपभोक्ताओं को रसोई गैस सिलेंडर आसानी से उपलब्ध कराने के लिए सरकार जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ व्यापक अभियान चला रही है । इसके तहत पिछले कुछ दिनों में देश भर में लगभग 12,000 छापे मारे गए हैं और लगभग 15,000 सिलेंडर जब्त किए गए हैं। उत्तर प्रदेश में दस लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा घरेलू एलपीजी का उत्पादन भी 38 प्रतिशत बढ़ गया है।

पेट्रोलियम मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने मंगलवार को बताया कि केन्द्र सरकार वाणिज्यिक एलपीजी उपभोक्ताओं को पीएनजी में स्थानांतरित करने की कोशिश कर रही है। केंद्र ने राज्य सरकारों को पत्र लिखकर उनसे अनुरोध किया है कि पीएनजी की नई पाइपलाइन बिछाने के लिए सभी अनुमतियां स्वीकृति मानी जाएं और स्थानीय प्राधिकरण द्वारा लगाए जाने वाले सड़क पुनर्स्थापन और अनुमति शुल्क को माफ किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस दिशा में जीएएल अथॉरिटी ऑफ इंडिया पहले ही सभी सीजीडी कंपनियों के साथ बैठक कर चुकी है। इसके अलावा, पीएनजी आरबीआई ने भी एक परामर्श जारी किया है। शर्मा ने कहा, हमारी सीजीडी कंपनियां जैसे आईजीएल, एमजीएल, जीएएल इंडिया और बीपीसीएल ने उन कंपनियों के लिए विभिन्न प्रोत्साहन घोषित किए हैं जो पीएनजी कनेक्शन लेना चाहती हैं।

युद्ध क्षेत्र से दूसरा एलपीजी टैंकर भारत पहुंचा, 22 अन्य जहाजों को लाने के प्रयास जारी

नई दिल्ली। भारतीय ध्वज वाला दूसरा एलपीजी टैंकर युद्धग्रस्त होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित निकलने के बाद मंगलवार तड़के स्वदेश पहुंच गया। युद्ध क्षेत्र में फंसे अन्य 22 भारतीय जहाजों को सुरक्षित लाने के प्रयास जारी हैं। बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि एलपीजी टैंकर नंदा देवी, मंगलवार तड़के लगभग 2 :30 बजे गुजरात के कांडला बंदरगाह पर पहुंचा। सोमवार को पहला जहाज, शिवालिक गुजरात के मुंदड़ा बंदरगाह पर पहुंचा था। दोनों जहाज पर लगभग 92,712 टन एलपीजी हैं। यह देश में एक दिन की खाना पकाने की गैस की आवश्यकता के बराबर है।

बदायूं गोलीकांड: हत्यारे की 11 दुकानों पर गरजे बुलडोजर

संवाददाता, दातागंज/म्याऊं/ बदायूं

- प्रशासन की देखरेख में की गई दुकानों को ध्वस्त करने की कार्रवाई भारी फोर्स रही मौजूद

अमृत विचार : एचपीसीएल प्लांट में सरेआम दो अफसरों की हत्या के आरोपी अजय प्रताप सिंह और उसके परिवार की अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर एक्शन शुरू हो गया है। मंगलवार को प्रशासनिक टीमों ने सैंजनी गांव स्थित 11 दुकानें पुलिस-पीएसी की सुरक्षा के बीच जमींदोज करा दीं।

सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर बनाई गईं 52 और दुकानें भी खाली करा दी गई हैं, जिन पर कभी भी बुलडोजर गरज सकता है। वहीं, पुलिस ने प्लांट के गैस किट ऑपरेटर मुनेन्द्र विक्रम सिंह व गाड़ी ड्राइवर धर्मेन्द्र यादव को भी गिरफ्तार कर लिया है। यह दोनों भी हमलावर अजय प्रताप सिंह के साथ गोलीकांड की साजिश में शामिल पाए गए हैं। बदायूं में थाना मूसाझाग क्षेत्र के गांव सैंजनी में स्थित प्लांट में हिन्दुस्तान पेट्रोलियम के उप महाप्रबंधक सुधीर गुप्ता और सहायक प्रबंधक हर्षित मिश्रा की हत्या को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ ने बेहद कड़ा रुख अपनाया है। एसएसपी, सीओ का तबादला और थाना प्रभारी व हल्का इंचार्ज का निलंबन पहले ही किया चुका है।

रामनगर में हादसे में काशीपुर के दो नवयुवकों की गई जान

संवाददाता, रामनगर

- कार की टक्कर से टेंपो से भिड़ गई थी बाइक, परिजनों में कोहराम

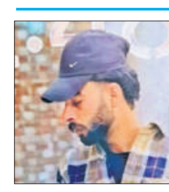

रोशन प्रीत, जश्नदीप की फाइल फोटो

अमृत विचार: ग्राम छोई के पास सड़क हादसे में काशीपुर निवासी दो युवकों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, ग्राम खरमासा, कुंडेश्वरी (काशीपुर) निवासी रोशन प्रीत सिंह (19) और जश्नदीप सिंह (19) कुंडेश्वरी में स्कूल वैन चलाते थे। दोनों मंगलवार दोपहर वाहन पार्ट्स लेने के लिए बाइक से काशीपुर से हल्द्वानी जा रहे थे। छोई क्षेत्र के पास तेज रफ्तार कार ने बाइक में टक्कर मार दी जिसके बाद बाइक सामने से आ रहे टेंपो से जा भिड़ी।

इस हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं, टेंपो चालक, गूलरघट्टी रामनगर निवासी असलम भी घायल हो गया। घायलों को रामनगर के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों ने रोशन और जश्नदीप को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंचे परिजनों में शव देखकर कोहराम मच गया। परिजनों ने आरोपी कार चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने कहा चालक को जल्द गिरफ्तार करेंगे।

हरदीप पुरी की बेटी को एप्स्टीन से जोड़ने वाली सोशल मीडिया सामग्री 24 घंटे के भीतर हटाने के निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी की बेटी को दोषी अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एप्स्टीन से जोड़ने वाली सोशल मीडिया सामग्री को 24 घंटे के भीतर हटाने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति मिनी पुष्कर्णा ने उपयोगकर्ताओं को सोशल मीडिया मंचों पर किसी भी तरह से ऐसी सामग्री प्रकाशित या प्रसारित करने से भी रोका। हिमायनी पुरी द्वारा दायर एक मुकदमे की सुनवाई कर रहीं न्यायाधीश ने स्पष्ट किया कि यदि सोशल मीडिया उपयोगकर्ता पोस्ट नहीं हटाते हैं, तो मंच ऐसी सामग्री को हटा देंगे या उस (सामग्री) तक पहुंच को अवरुद्ध कर देंगे। कहा कि हिमायनी पुरी के पक्ष में प्रथम दृष्टया मामला बनता है और यदि अंतरिम राहत नहीं दी गई तो उन्हें अपूरणीय क्षति होगी।

सितारगंज जेल में कैदी की संदिग्ध हालात में मौत

संवाददाता सितारगंज

- शरीर पर लाल निशान, परिजनों ने उठाए सवाल

अमृत विचार: सेंट्रल जेल सितारगंज में करीब छह माह से सजा काट रहे सोनीपत (हरियाणा) निवासी आनंद सिंह (50) की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। परिजनों ने मौत के कारणों पर सवाल उठाते हुए जांच की मांग की है।

जानकारी के अनुसार, आनंद को 11 सितंबर 2025 को एनडीपीएस एक्ट में चार साल की सजा सुनाई गई थी। आनंद को सोमवार दोपहर लो ब्लड प्रेशर व एसिडिटी की शिकायत पर जेल में फार्मासिस्ट अंकुर ने प्राथमिक उपचार दिया था। हालत बिगड़ने पर उप जिला अस्पताल सितारगंज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर परिजन अस्पताल पहुंचे। यहां तहसीलदार हिमांशु जोशी की मौजूदगी में पंचनामा भरा गया। परिजनों के अनुसार, आनंद से सोमवार को ही आखिरी बात हुई थी। उसे कोई गंभीर बीमारी नहीं थी और न इलाज चल रहा था। परिजनों ने शरीर पर लाल निशान देख संदिग्धता जताई। सीएमएस डॉ. कुलदीप के अनुसार, कैदी को सोमवार रात 11:30 बजे मृत अवस्था में अस्पताल लाया गया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चलेगा।

ऊर्जा निगम का जेई 80 हजार रिश्वत लेते पकड़ा

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- बिजली कनेक्शन जारी करने और लोड बढ़ाने की एवज में मांगे थी रकम

अमृत विचार: विजिलेंस देहरादून सेक्टर की टीम ने मंगलवार को ऊर्जा विभाग के अवर अभियंता को 80 हजार रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

विजिलेंस देहरादून के अधिकारियों ने बताया कि, एक व्यक्ति ने विजिलेंस कार्यालय में शिकायत दर्ज करायी थी कि पथरी बाग उप बिजली घर पर तैनात जेई अतुल कुमार उसकी पत्नी के नाम पर देहराखास में खरीदे गए 11 फ्लैटों के अपार्टमेंट में बिजली कनेक्शन जारी करने और लोड बढ़ाने की एवज में 80 हजार रुपए की अवैध मांग कर रहा है। शिकायत की जांच में प्रथम दृष्टया पुष्टि होने के बाद ट्रैप टीम का गठन किया गया। मंगलवार को टीम ने आरोपी जेई को शिकायतकर्ता से 80 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया।

विजिलेंस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है। आरोपी के घर की भी तलाशी ली जा रही है। वहीं, इस मामले में अन्य कोई कर्मचारी या अधिकारी संलिप्त तो नहीं है, इसकी भी जांच की जा रही है।

लोस के आठ विपक्षी सदस्यों का निलंबन तत्काल प्रभाव से रद्द

नई दिल्ली। लोकसभा ने मंगलवार को उन आठ विपक्षी सदस्यों का निलंबन तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया जिन्हें संसद के वर्तमान बजट सत्र के पहले चरण में सदन की अवमानना के मामले में निलंबित किया गया था। इसके साथ ही, सदन में इस बात पर जोर दिया गया कि सदन के सुचारू रूप से संचालन के लिए सदस्यों के लिए लक्ष्मण रेखा होना जरूरी है।

सदन में कांग्रेस के मुख्य सचेतक कोडिकुनिल सुरेश ने आसन से निलंबन रद्द करने का अनुरोध किया और विपक्षी सदस्यों के आचरण पर खेद भी जताया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने निलंबन खत्म करने का प्रस्ताव सदन में रखा जिसे सदन ने ध्वनिमत से मंजूरी दी।

ऐतिहासिक फैसला | सुप्रीम कोर्ट ने मातृत्व लाभ की आयु सीमा खत्म की

तीन माह से बड़े बच्चों को गोद लेने पर भी मिलेगी मैटरनिटी लीव

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020'' के उस प्रावधान को रद्द कर दिया, जो केवल तीन महीने से कम उम्र के बच्चे को गोद लेने वाली माताओं को ही मातृत्व लाभ देने की अनुमति देता था। अदालत ने इस प्रतिबंध को मनमाना और संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) का उल्लंघन करार दिया है। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने इस मामले की सुनवाई की।

पीठ ने माना कि बच्चा तीन महीने से कम का हो या अधिक का, गोद लेने वाली मां की भूमिका और जिम्मेदारियां एक समान होती हैं। गोद लिए गए बच्चे की जरूरतें जैविक बच्चे से अलग नहीं होतीं। न्यायालय ने कहा कि केवल बच्चे की उम्र के आधार पर माताओं के बीच भेदभाव करना कृत्रिम है और इसका कोई ठोस आधार नहीं है। न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि देश में कानूनी रूप से गोद लेने की प्रक्रिया पूरी होने तक बच्चा अक्सर तीन महीने की उम्र पार कर चुका होता है। ऐसे में पुराना नियम अधिकतर माताओं को इस लाभ से वंचित कर रहा था। न्यायालय के इस फैसले का परिणाम यह होगा कि बच्चा गोद लेने वाली सभी माताएं और कमीशनिंग मदर्स (सरोगेसी के मामले में) बच्चे के सुपुर्दगी की तारीख से 12 सप्ताह के मातृत्व लाभ की हकदार होंगी। दूसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि बच्चे की उम्र अब मातृत्व लाभ के लिए बाधा नहीं बनेगी। न्यायालय ने माना कि गोद लेने के बाद बच्चे और माता-पिता के बीच भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक तालमेल बिठाने के लिए शुरुआती समय और सरकारी सहायता अनिवार्य है।

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को पितृत्व अवकाश पर भी विचार करने का दिया सुझाव

उच्चतम न्यायालय ने इस फैसले के साथ एक कदम आगे बढ़ते हुए केंद्र सरकार को पितृत्व अवकाश को सामाजिक सुरक्षा लाभ के रूप में मान्यता देने पर विचार करने का सुझाव दिया। न्यायालय ने कहा कि देखभाल की जिम्मेदारी केवल माता की नहीं होती, इसलिए पिता के लिए भी अवकाश का प्रावधान होना चाहिए जो बच्चे और माता-पिता दोनों की जरूरतों के अनुरूप हो। यह फैसला 'मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961' और बाद में सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020' में शामिल हुए पुराने प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिका पर आया है।

स्टेट ब्रीफ

राज्यपाल से भेंट, अहम मुद्दों पर सीएम की वार्ता

देहरादून: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को लोक भवन में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राज्य के विभिन्न विकास कार्यों एवं जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर राज्यपाल को अवगत कराया तथा प्रदेश के समग्र विकास, सुशासन एवं जनकल्याण से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की।

दूरदर्शी नेता थे पूर्व सीएम एचएन बहुगुणा

देहरादून: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय हेमवती नंदन बहुगुणा की पुण्य तिथि पर शासकीय आवास में उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय बहुगुणा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण करते हुए कहा कि वे एक दूरदर्शी नेता एवं कुशल प्रशासक थे। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में सदैव जनहित को सर्वोपरि रखा और समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य किया।

सरकार के लिए महिला सुरक्षा सर्वोपरि: सीएम

'द केरला स्टोरी 2' का शो देखने के बाद बोले मुख्यमंत्री धामी

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को मॉल ऑफ देहरादून में बहुचर्चित फिल्म 'द केरला स्टोरी 2' का विशेष शो देखा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह फिल्म समाज में घटित हो रही संवेदनशील घटनाओं को उजागर करते हुए जागरूकता का एक सशक्त माध्यम है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं की सुरक्षा, सामाजिक समरसता और जनसंख्या संतुलन को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उत्तराखंड देश का पहला राज्य बना है जिसने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू कर एक ऐतिहासिक पहल की है, जो समाज में समानता और न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में सख्त धर्मांतरण

फिल्म 'द केरला स्टोरी 2' देखने पहुंचे मुख्यमंत्री धामी का अभिनंदन करते लोग।

विरोधी कानून लागू किया गया है, जिससे अवैध और जबरन धर्मांतरण की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस प्रकार के कानून समाज में पारदर्शिता, सुरक्षा और विश्वास को मजबूत करने का कार्य करते हैं।

साथ ही कहा कि सरकार का उद्देश्य किसी विशेष वर्ग के खिलाफ नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे जागरूक रहें और समाज में सकारात्मक बदलाव के लिए अपनी भूमिका निभाएं। इस प्रकार की फिल्में समाज को सोचने और समझने का अवसर देती हैं, और सरकार ऐसे हर प्रयास का समर्थन करती है। इस अवसर पर मेयर सौरभ थपलियाल, विधायक उमेश शर्मा काऊ, दुर्गेश्वर लाल, पूर्व विधायक राजेश शुक्ला मौजूद रहे।

सीएम ने दी 75 करोड़ की धनराशि

देहरादून: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विभिन्न कार्यों हेतु 75 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की है। मुख्यमंत्री ने देहरादून में साइबर उत्कृष्टता केन्द्र साइबर सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस के निर्माण को 31.63 करोड, किच्छा में एनएच 109 में पं. राम सुमेर शुक्ला राजकीय मेडिकल कॉलेज से अटरिया माता मंदिर मोड़ सिडकुल एवं आनन्दपुर होते हुए एसएच 44 तक सड़क पुनर्निर्माण हेतु 22.72 करोड़ के साथ राज्य योजना के अन्तर्गत जनपद ऊधमसिंह नगर के विधानसभा क्षेत्र किच्छा के शिमला पिस्तौर कुरैया मोटर मार्ग का पुनर्निर्माण एवं सुधार कार्य हेतु 19.40 करोड़ की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है। सीएम ने एआरटीओ रुड़की के निर्माणाधीन भवन हेतु एप्रोच मार्ग निर्माण कार्य के लिये 1.30 करोड़, राजकीय अनुसूचित जाति बालिका छात्रावास मसूरी, देहरादून के भवन अनुरक्षण कार्य हेतु 67.42 लाख तथा ऊधमसिंह नगर के राजकीय जनजाति छात्रावास खटीमा में ट्यूबवेल एवं मास्ट लाईट के कार्य हेतु 18.06 लाख की स्वीकृति का अनुमोदन दिया है।

समयानुकूल बने मीडिया शिक्षा: सिंह

- राज्यपाल गुरमीत सिंह ने की मीडिया एवं जनसंचार के विभाग अध्यक्षों के साथ बैठक

वरिष्ठ संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने मंगलवार को लोक भवन में प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के मीडिया एवं जनसंचार विभागों के विभागाध्यक्षों एवं डीन के साथ बैठक में 'एआई युग और डिजिटल सूचना पारिस्थितिकी तंत्र में मीडिया शिक्षाः चुनौतियां, नैतिकता और अवसर' विषय पर विचार-विमर्श किया।

राज्यपाल ने कहा कि आज के समय में एआई और डिजिटल मीडिया ने सूचना देने और पाने के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है, इसलिए मीडिया शिक्षा को भी समय के अनुसार बदलना जरूरी है। उन्होंने कहा कि मीडिया केवल खबर देने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह समाज की सोच और धारणा को प्रभावित करता है इसलिए मीडिया शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ अच्छे पत्रकार बनाना नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिक तैयार करना भी होना

मीडिया व जनसंचार विभागों के विभागाध्यक्षों के साथ बैठक करते राज्यपाल गुरमीत सिंह।

चाहिए। कहा कि आज के समय में फेक न्यूज और गलत जानकारी बड़ी चुनौती बन गई है। इससे निपटने के लिए छात्रों को सही प्रशिक्षण देना जरूरी है। उन्होंने विश्वविद्यालयों से कहा कि अपने पाठ्यक्रम में एआई, डेटा एनालिटिक्स, डिजिटल सुरक्षा और फैक्ट-चेकिंग जैसे विषय शामिल करें। वे पत्रकारों के हितों को ध्यान में रखते हुए उनकी आर्थिक स्वतंत्रता को मजबूत बनाने के उपायों पर भी विचार करें।

राज्यपाल ने कहा कि पत्रकारों के लिए स्टार्टअप और नवाचार को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, जिससे उनकी आत्मनिर्भरता बढ़े और मीडिया क्षेत्र में नए अवसर सृजित हो सकें। विश्वविद्यालयों और मीडिया संस्थानों को इस दिशा में मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और सहयोग प्रदान करने की दिशा में कार्य करना चाहिए, ताकि पत्रकारों को बदलते समय के अनुरूप और अधिक सशक्त बनाया जा सके। दून विवि के सहयोग से आयोजित इस बैठक में विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए डीन एवं विभागाध्यक्षों ने वर्तमान समय में एआई के बढ़ते प्रभाव के बारे अपने-अपने विचार रखे। इस दौरान, अपर सचिव राज्यपाल रीना जोशी, संयुक्त निदेशक सूचना डॉ. नितिन उपाध्याय, एचओडी मीडिया एंड मास कम्युनिकेशन दून विवि प्रो. राजेश कुमार सहित विश्वविद्यालयों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

खेल से स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना

- सीएम ने किया 'प्रयास बेहतर कल के लिए' का विमोचन

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को सचिवालय में उत्तराखंड सचिवालय बैडमिंटन क्लब द्वारा प्रकाशित स्मारिका 'प्रयास बेहतर कल के लिए' का विमोचन किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्मारिका के प्रकाशन हेतु क्लब के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार की पहलें न केवल खेल गतिविधियों को प्रोत्साहित करती हैं, बल्कि सकारात्मक कार्य संस्कृति के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कहा कि खेल मानव जीवन में अनुशासन, टीम भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने सचिवालय कर्मियों से नियमित

सचिवालय में स्मारिका का विमोचन करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

रूप से खेल गतिविधियों में भाग लेने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य सुदृढ़ होता है, जिसका सकारात्मक प्रभाव कार्यकुशलता पर भी पड़ता है।

मुख्यमंत्री ने स्मारिका में प्रकाशित लेखों, उपलब्धियों एवं गतिविधियों की सराहना करते हुए आशा व्यक्त की कि यह प्रकाशन आने वाले समय में और अधिक लोगों को खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरित करेगा। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर. के सुधांशु, सचिव विनय शंकर पांडेय, उत्तराखंड सचिवालय बैडमिंटन क्लब के अध्यक्ष हीरा सिंह बसेड़ा, प्रधान संपादक भूपेंद्र सिंह बसेड़ा, महासचिव प्रमोद कुमार, कोषाध्यक्ष चंदन बिष्ट, संयुक्त सचिव पुष्कर सिंह नेगी, सदस्य चंद्रशेखर, रंजीत सिंह, दीपक बिष्ट, विमला आर्या, दीपा बोहरा और संदीप कुमार मौजूद रहे।

मिलावट खोरी के खिलाफ अभियान

देहरादून: प्रदेश में खाद्य पदार्थों में मिलावटखोरी रोकने के लिये सरकार प्रदेशभर में विशेष अभियान चलाएगी जिसके तहत खाद्य पदार्थों के नमूनों के साथ ही जनजागरूकता पर भी फोकस रहेगा। चारधाम यात्रा के मद्देनजर मुख्य यात्रा पड़ावों पर स्थानीय व्यापार संघों के साथ जन जागरूकता गोष्ठियों का भी आयोजन किया जाएगा।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने मंगलवार को वर्चुअल माध्यम से स्वास्थ्य विभाग तथा खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने खाद्य पदार्थों में मिलावटखोरी रोकने के लिये प्रदेश भर में 15 दिन का विशेष अभियान चलाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। अभियान के तहत खाद्य पदार्थों के सैम्पल लेने के साथ ही जन जागरूकता अभियान भी चलाने को कहा।

जून से पहले शुरू हो भवाली-रातीघाट बाइपास

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: मुख्य सचिव (सीएस) आनंद बर्द्धन ने मंगलवार को नवनिर्मित भवाली बाइपास, भवाली-रातीघाट बाइपास, कैंचीधाम मंदिर में निर्माणाधीन विभिन्न निर्माण कार्यों सहित नैनीताल में माल रोड पर भूधंसाव की रोकथाम के लिए कराए जा रहे सुरक्षात्मक कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया।

कैंची धाम क्षेत्र में लगने वाले जाम की समस्या के स्थायी समाधान के लिए जिले की प्रमुख परियोजना में शामिल कैंचीधाम बाइपास (सेनेटोरियम-रातीघाट) सड़क मार्ग का सीएस ने निरीक्षण करते हुए अधिकारियों से निर्माण कार्यों की जानकारी ली। सीएस ने पीडब्ल्यूडी के मुख्य अभियंता को निर्देश दिए कि भवाली-रातीघाट बाइपास में कार्य तेजी से करते हुए इस मार्ग में पर्यटन सीजन से

स्थलीय निरीक्षण के दौरान योजनाओं के बारे में जानकारी लेते सीएस आनंद बर्द्धन।

पूर्व यातायात सुचारू किया जाए। जब तक स्थायी मोटर पुल का निर्माण नहीं हो जाता है, तब तक इसी सीजन में वैली ब्रिज बनाकर यातायात सुचारू कराया जाए। सीएस ने कहा कि, स्थानीय जनता और पर्यटकों को आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराना प्रशासन की प्राथमिकता के साथ ही जिम्मेदारी है। इस दौरान आयुक्त कुमाऊं व सचिव मुख्यमंत्री दीपक रावत, डीएम ललित मोहन रयाल, एसएसपी मंजूनाथ टीसी, सीडीओ अरविंद कुमार पांडे, मुख्य अभियंता सिंचाई संजय शुक्ला, अधीक्षण अभियंता लोनिवि मनोहर सिंह धर्मशक्तू, एसडीएम नवाजिश खलीक, मोनिका मौजूद रहे।

पीडब्ल्यूडी के मुख्य अभियंता पीएस बृजवाल ने बताया कि, भवाली सेनेटोरियम से रातीघाट तक 18.15 किमी बाइपास में से 8 किमी मार्ग का निर्माण पूरा हो गया है। शेष पर सुरक्षात्मक कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। इस बाइपास को भवाली-अल्मोड़ा एनएच से जोड़ने के लिए मोटर पुल का निर्माण कार्य प्रगति पर है। सीएस ने नैनीताल स्थित लोअर माल रोड पर सुरक्षात्मक एवं सुधारीकरण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया।

राज्य में एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता

नैनीताल: मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने कहा कि प्रदेश में एलपीजी सिलेंडर की किसी भी प्रकार की कमी नहीं है। अफवाहों पर ध्यान न दें, एलपीजी गैस की पर्याप्त उपलब्धता है। उन्होंने कहा कि, घरेलू के साथ ही छोटे रेस्टोरेंट व ढाबों में भी व्यावसायिक सिलेंडर की नियमित आपूर्ति की जा रही है। उपभोक्ताओं को उनकी मांग के अनुरूप समय पर और पर्याप्त गैस की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने जनता से भी अपील की कि वह किसी भी प्रकार से तनाव में न आएं और अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्हें नियमित रूप से एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति की जाएगी।

बुदियाल को यूपीसीएल एमडी का अतिरिक्त चार्ज

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: प्रमुख सचिव आर. मीनाक्षी सुदंरम की तरफ से मंगलवार को जारी आदेशों में तीन अधिकारियों को पदमुक्त कर दिया गया।

जारी आदेश पत्र में यूपीसीएल के प्रबंध निदेशक अनिल कुमार को तत्काल प्रभाव से प्रबंध निदेशक यूपीसीएल के पद से पदमुक्त किया गया है। इसी तरह से अजय कुमार अग्रवाल को तत्काल प्रभाव से निदेशक परियोजना उत्तराखंड पावर कारपोरेशन लिमिटेड के पद से पदमुक्त किया गया है। इसके साथ ही, संदीप सिंघल को प्रबंध निदेशक यूजेवीएनएल के पद से पदमुक्त किया गया है। इसके अलावा प्रमुख सचिव ने उत्तराखंड जल विद्युत निगम लिमिटेड के जीएम यमुना वैली प्रथम (डाकपत्थर) व निदेशक (परिचालन) पिटकुल गजेंद्र सिंह बुदियाल को एमडी यूपीसीएल का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। साथ ही, अजय कुमार सिंह महाप्रबंधक (भागीरथी वैली) उत्तराखंड जल विद्युत निगम लिमिटेड को उत्तराखंड जल विद्युत निगम लिमिटेड में रिक्त निदेशक (परिचालन) पद का अग्रिम आदेशों तक अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है।

हाईकोर्ट ने सरकार से जवाब, दीपक से हिसाब मांगा

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: उत्तराखंड हाईकोर्ट ने कोटद्वार प्रकरण में स्वयं को 'मोहम्मद दीपक' बताने वाले जिम संचालक दीपक कुमार से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को जनवरी में हुई घटना से संबंधित सभी प्राथमिकी की जांच पर स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की एकलपीठ ने दीपक को भी अपने बैंक खाते में प्राप्त कुल धनराशि का विस्तृत शपथपत्र प्रस्तुत करने को कहा।

दीपक का कहना है कि 26 जनवरी की घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद उन्हें 100 से 500 रुपये तक के छोटे-छोटे दान मिल रहे हैं। मामले के अनुसार, विगत 26 जनवरी को कोटद्वार में बजरंग दल के कार्यकर्ता एक मुस्लिम दुकानदार वकील अहमद द्वारा दुकान का नाम 'बाबा' रखने पर आपत्ति जता रहे थे। इस दौरान दीपक ने आगे आकर अहमद का समर्थन किया था। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दीपक ने नाम बदलने की मांग पर सवाल उठाते हुए कहा कि दुकान 30 साल से अधिक पुरानी है। जब भीड़ ने उनकी पहचान पूछी, तो उन्होंने कहा, 'मेरा नाम मोहम्मद दीपक है।' इस घटना के बाद कमल प्रसाद की शिकायत पर 28 जनवरी को दीपक और उनके सहयोगी विजय रावत के खिलाफ दुर्व्यवहार, मोबाइल फोन छीनने और आपराधिक धमकी देने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई। दीपक ने प्राथमिकी निरस्त करने, परिवार की सुरक्षा और संबंधित पुलिस अधिकारियों के खिलाफ विभागीय जांच की मांग को लेकर उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है। सुनवाई के दौरान अदालत ने सुरक्षा और विभागीय जांच की मांग पर आपत्ति जताते हुए कहा कि जांच कानून के अनुसार ही की जानी चाहिए। अदालत ने राज्य सरकार को जांच की वर्तमान स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। इस मामले की अगली सुनवाई 19 मार्च को होगी।

एलयूसीसी घोटाले में रिपोर्ट तलब

नैनीताल: उत्तराखंड की सबसे बड़ी वित्तीय ठगी में से एक लोनी अर्बन मल्टी स्टेट क्रेडिट एंड थेफ्ट को-ऑपरेटिव सोसायटी (एलयूसीसी) चिटफंड घोटाले की जांच केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से कराने के मामले उत्तराखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश रविन्द्र मैठाणी और न्यायमूर्ति सिद्धार्थ साह की खंडपीठ ने अगली सुनवाई हेतु 18 मार्च की तिथि नियत की है। साथ ही खंडपीठ ने अब तक की गयी जांच की रिपोर्ट्स 18 मार्च तक कोर्ट मे पेश करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई कोर्ट ने 18 मार्च की तिथि नियत की है।

किच्छा पालिका चुनाव मामले में सुनवाई जारी

नैनीताल: हाईकोर्ट में किच्छा नगर पालिका चुनाव को लेकर आज बुधवार को भी सुनवाई होगी। किच्छा निवासी नईमुलसान खान व अन्य की ओर से दायर जनहित याचिका पर न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की एकलपीठ में मंगलवार को सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता पक्ष से कहा गया कि किच्छा नगर पालिका में पिछले डेढ़ साल से प्रशासक के जरिए ही कामकाज संचालित हो रहा है, जबकि प्रदेश की अन्य नगर पालिकाओं में चुनाव संपन्न हो चुके हैं। इसके बावजूद किच्छा में अब तक चुनाव नहीं कराए गए हैं। सरकार ने 14 दिसंबर, 2024 को प्रदेश की 43 नगर पालिका अध्यक्ष पदों के आरक्षण के लिए जारी की अधिसूचना में किच्छा पालिका को वंचित कर दिया था। पूर्व में सरकार ने पालिका के कुछ वार्डों को बाहर कर दिया था जिस पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी थी। बाद में इन क्षेत्रों को पुनः नगर पालिका में शामिल किया गया, लेकिन अब चुनाव कराने में देरी की जा रही है।

सरकार को नोटिस

नैनीताल: हाईकोर्ट ने राजकीय आश्रम पद्धति उच्च माध्यमिक विद्यालय बेतालघाट में दैनिक वेतन पर कार्यरत सहायक अध्यापकों की सेवाएं बिना पूर्व सूचना के समाप्त करने के आदेश को चुनौती देती याचिकाओं की सुनवाई करते हुए सरकार को नोटिस जारी कर जवाब देने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, विद्यालय में पद होने पर इन शिक्षकों की सेवाएं जारी रखने के निर्देश दिए हैं। विद्यालय में दैनिक वेतन के रूप में कार्यरत सहायक अध्यापक गणित रवि कुमार व रचना गोस्वामी सहित अन्य ने विद्यालय के प्रधानाचार्य की ओर से सेवा समाप्ति सम्बन्धी नोटिस को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी की एकलपीठ ने इन याचिकाओं की सुनवाई के बाद सरकार व अन्य को नोटिस जारी किया है और पद होने पर इन शिक्षकों की सेवाएं जारी रखने के निर्देश दिए हैं।

श्रीलंका के अधिकारियों ने जानी कार्यप्रणाली

देहरादून: राष्ट्रीय सुशासन केन्द्र के तत्वावधान में श्रीलंका के 40 सिविल सेवा के अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (यूएसडीएमए) का भ्रमण किया और राज्य में आपदा प्रबंधन से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों, व्यवस्थाओं एवं नवाचारों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी (क्रियान्वयन) एवं डीआईजी राजकुमार नेगी ने प्रतिनिधि मंडल को यूएसडीएमए द्वारा किए जा रहे कार्यों से अवगत कराया। बताया कि आपदा की स्थिति में किस प्रकार त्वरित राहत एवं बचाव कार्य धरातल पर संचालित किए जाते हैं। साथ ही, परिचालन केंद्र की भूमिका, चेतावनी प्रसारण प्रणाली, अलर्ट जारी करने की प्रक्रिया तथा तकनीक के प्रभावी उपयोग के बारे में भी जानकारी दी गई।

नई व्यवस्था | बीकेटीसी अध्यक्ष बोले-आस्था का हलफनामा देने वाले गैर हिंदुओं को ही चारधाम के दर्शन

सारा अली खान हलफनामा देंगी तो कराएंगे दर्शन

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: बदरीनाथ और केदारनाथ मंदिर परिसरों में गैर सनातनियों के प्रवेश पर रोक लगाने संबंधी प्रस्ताव को सर्वसम्मति से मंजूरी देने वाली बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने मंगलवार को बड़ा बयान दिया है।

उन्होंने कहा कि, फिल्म अभिनेत्री सारा अली खान या अन्य कोई गैर हिंदू अगर सनातन के प्रति अपनी आस्था के बारे में हलफनामा देता है तो उसे मंदिरों में दर्शन कराए जाएंगे। द्विवेदी ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि, सनातन धर्म के प्रति आस्था रखने वाले सभी सनातनी हैं और अगर वे

देहरादून में प्रेस वार्ता करते बीकेटीसी के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी।

इस बारे में हलफनामा देते हैं तो उन सबका बदरीनाथ और केदारनाथ में स्वागत है। उन्होंने कहा, जिन गैर हिंदुओं की सनातन धर्म के प्रति आस्था होगी और जो लिखेगा कि मैं सनातनी हूं, मैं हिंदुत्व को मानता हूं, उन सबका स्वागत है। 'केदारनाथ' फिल्म की अभिनेत्री के बारे में पूछे जाने पर बीकेटीसी अध्यक्ष ने कहा कि, सारा अली खान अगर कहेंगी कि उनकी सनातन के प्रति आस्था है, भाव है और वह हलफनामा देंगी तो उन्हें दर्शन कराए जाएंगे। उन्होंने बताया कि हलफनामे के लिए मंदिर समिति ने प्रारूप तैयार कर लिया है।

द्विवेदी ने कहा कि, मंदिर समिति बोर्ड की बीती 10 मार्च को हुई बैठक में बदरीनाथ और केदारनाथ मंदिर परिसरों और गर्भगृहों में गैर सनातनियों के प्रवेश पर रोक लगाने संबंधी प्रस्ताव को सर्वसम्मति से मंजूरी दी गयी थी। यह प्रस्ताव राज्य सरकार को भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि 19 अप्रैल से शुरू हो रही उत्तराखंड चारधाम यात्रा के लिए 6 मार्च से शुरू हुई ऑनलाइन पंजीकरण सुविधा में 16 मार्च तक छह लाख से अधिक श्रद्धालु चारों धामों के लिए अपना पंजीकरण करवा चुके हैं। यात्रा के दौरान धामों में निर्धारित दूरी तक मोबाइल फोन प्रतिबंधित करने के साथ ही रील बनाने, फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी पर भी रोक जारी रहेगी।

सदर्न सुपर ने आरआर पंजाब को हराया

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) 2026 के सातवें मुकाबले में सदर्न सुपर स्टार्स ने रॉयल राइडर्स पंजाब को 40 रनों से हराकर शानदार जीत दर्ज की। पहले बल्लेबाजी करते हुए सदर्न सुपर स्टार्स ने 20 ओवर में 179/7 का मजबूत स्कोर खड़ा किया।

टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और कप्तान हैमिल्टन मसाकाद्ज़ा (19) तथा पुनीत बिष्ट (13) के रूप में शुरुआती झटके लगे। इसके बाद दिलशान मुनावीरा ने 37 गेंदों में 53 रन की शानदार पारी खेलते हुए टीम को संभाला। उनकी पारी में आठ चौके और एक छक्का शामिल रहा। उन्हें पुनीत मेहरा का बेहतरीन साथ

गौलापार स्टेडियम में मुकाबले के दौरान शॉट लगाता खिलाड़ी। ● अमृत विचार

मिला, जिन्होंने 35 गेंदों में 63 रन की आक्रामक पारी खेली। मेहरा ने अपनी पारी में आठ चौके और दो छक्के जड़े।

दोनों के बीच हुई अहम साझेदारी ने टीम को 150 के पार पहुंचाया। अंत में रवि जांगिड़ (8 रन, 3 गेंद) और वकारुल्लाह इशाक (7 रन, 3 गेंद) ने तेजी से रन जोड़कर स्कोर 179 तक पहुंचाया। सदर्न रॉयल राइडर्स पंजाब की ओर से अनुरीत सिंह ने 2/33 के साथ सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी की, जबकि चतुरंगा डी सिल्वा, ऋषि धवन और थिसारा परेरा ने एक-एक विकेट हासिल किया। 180 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब की टीम की शुरुआत ठीक रही। मोहम्मद शहजाद ने 42 गेंदों में 44 रन बनाकर पारी को संभाला, जबकि फिल मस्टर्ड ने 19 रन की तेज पारी खेली। हालांकि, नियमित अंतराल पर विकेट गिरने से टीम दबाव में आ गई।

दनुष्का गुनातिलका और कप्तान असगर अफगान अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल सके। थिसारा परेरा ने 23 गेंदों में 28 रन बनाकर संघर्ष किया, जबकि ऋषि धवन ने 17 रन जोड़े, लेकिन बढ़ते रन रेट के कारण टीम लक्ष्य से दूर रह गई। सुपर स्टार्स की ओर से दिवेश पठानिया ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट लिए, जबकि रवि जांगिड़ ने 2 विकेट लेकर जीत में अहम भूमिका निभाई। अब टूर्नामेंट के अगले मुकाबले में बुधवार को इंडिया कैप्टन्स और इंडिया टाइगर्स की टीमें आमने-सामने होंगी।

सिटी ब्रीफ

सट्टा लगाते पकड़ा गया सटोरिया, नगद बरामद

हल्द्वानी : बनभूलपुरा थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक सटोरिये को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक बीते दिवस कांस्टेबल महबूब अली व शिवम कुमार ने गौला बाईपास रोड पर स्लाटर हाउस के पास पहुंची, तो वहां कुछ लोग भीड़ लगाकर खड़े दिखे। पुलिस ने पीछा कर एक व्यक्ति को पकड़ लिया। पूछताछ में पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम नसीम पुत्र नजाकत अली निवासी लाइन नंबर 16, आजाद नगर बनभूलपुरा बताया। तलाशी के दौरान उसके पास से सट्टा पर्ची, पेन, गत्ता तथा कुल 1410 रुपये नगद बरामद हुए।

काठगोदाम में पकड़ी बिजली चोरी

हल्द्वानी : विद्युत विभाग की सतर्कता टीम ने काठगोदाम क्षेत्र में चेकिंग अभियान के दौरान बिजली चोरी का मामला पकड़ा। 17 फरवरी को विद्युत वितरण उपखण्ड सुभाषनगर के उपखण्ड अधिकारी उज्जवल भास्कर के नेतृत्व में टीम ने क्षेत्र में औचक निरीक्षण किया। टीम ने कॉलटैक्स क्षेत्र में शमशाद अली पुत्र अशगर अली के परिसर पर पहुंची। मौके पर जांच करने पर पाया गया कि परिसर में अवैध रूप से बिजली की आपूर्ति ली जा रही थी। परिसर पर लगभग 2.932 किलोवाट का विद्युत भार पाया गया, जो अपराध की श्रेणी में आता है। टीम में सहायक अभियंता अमित चन्द्र आर्या, सुरेश चन्द्र बहुगुणा, नवीन चन्द्र पंत, लाइनमैन विक्की और सुपरवाइजर खजान बिष्ट सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। काठगोदाम पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

अंत्योदय परिवारों को अब मिलेगी चीनी

हल्द्वानी : अत्योदय राशन कार्ड धारकों के लिए राहत की खबर है। विगत डेढ़ साल से चीनी का वितरण सरकारी सस्ता गल्ला की दुकानों पर नहीं हो रहा था। अब पूरे डेढ़ साल की चीनी का वितरण किया जाएगा। विभाग के अनुसार प्रत्येक गुलाबी राशन कार्ड (अंत्योदय परिवार) पर प्रति कार्ड के हिसाब से एक किलो चीनी दी जाएगी। कुल 18 माह की रुकी हुई चीनी मिलेगी। एक परिवार को 18 किलो तक चीनी मिलेगी। इसका मूल्य 13.50 रुपये प्रति किलो रखा गया है जबकि बाजार में चीनी का मूल्य 45 से 50 रुपये तक चल रहा है। पूर्ति निरीक्षक राहुल डांगी ने कहा कि सभी पात्र दुकानों पर जाकर चीनी ले सकते हैं।

13 साल से कोमा में जी रहे और अब मौत की दहलीज पर खड़े हरीश राणा प्रकरण को लेकर हल्द्वानी के बुद्धिजीवियों ने रखे तर्क

निर्णय सर्वमान्य लेकिन नजीर न बने, एसओपी बन जाए तो बेहतर

हरीश राणा प्रकरण को लेकर देशभर में इच्छा मृत्यु पर बहस तेज हो गई है। 13 साल से कोमा जैसी हालत में जी रहे हरीश राणा को पैसिव यूथेनेशिया की अनुमति मिलने के बाद यह मामला सभी की जुबां पर है। घटना पर नजर रखने वाले संवेदनशील लोग भावुक हैं। हालांकि, जहां तक मेडिकल प्रावधानों का सवाल है तो नियम के तहत जब कोई मरीज पूरी तरह से मृत घोषित नहीं कर दिया जाता तब तक उसका उपचार किया जाएगा। इसलिए किसी अस्पताल के पास वेंटीलेटर पर लेटे हुए मरीज को हटाने का अधिकार नहीं है। इस मामले में केवल न्यायालय ही निर्णय दे सकता है। इस संवेदनशील और ऐतिहासिक प्रकरण को लेकर अमृत विचार ने बुद्धिजीवियों की राय समझी-

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी।

अमृत विचारः एसटीएच के एमएस डॉ. अरुण जोशी के मुताबिक, कोई मरीज वेंटीलेटर पर आ गया है और उसकी स्थिति सुधार नहीं हो रहा है। जब तक वह वेंटीलेटर पर है तभी तक वह जीवित है। अगर वेंटीलेटर से हटाया तो उसकी मौत हो जाएगी। ऐसी अवस्था में परिवार वालों के लिए बहुत ही पीड़ादायक होती है। इसमें एक पहलू आर्थिक बोझ का है।

उन्होंने बताया कि, वेंटीलेटर पर मरीज को कई दिनों तक रखना बहुत ही खर्चे वाला होता है। साथ ही परिवार वालों के लिए यह निर्णय लेना भी मुश्किल होता है कि वह अपने प्रियजन को वेंटीलेटर से हटा दें। अस्पताल की जहां तक बात है कि वह मरीज को वेंटीलेटर से नहीं हटा सकता है। डॉ. जोशी कहते हैं कि, इसी तरह कई मरीज ऐसे होते हैं जिनके लंग्स और ब्रेन ने काम रखना जारी रखा है लेकिन बाकी वह बेहोशी की अवस्था में है और यह प्रक्रिया कई दिनों तक चलती है। कहा कि किसी मरीज को इच्छा मृत्यु देने का अधिकार केवल न्यायालय के पास ही है।

जो व्यक्ति वेंटिलेटर जैसे जीवन रक्षक उपकरणों पर निर्भर हैं, उन्हें निष्क्रिय इच्छामृत्यु का विकल्प दिया जा सकता है। हालांकि, यह प्रक्रिया सख्त नियमों और चिकित्सकीय सलाह के तहत ही अपनाई जानी चाहिए। इस संबंध में संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत जीवन का अधिकार केवल जीवित रहने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें सम्मान के साथ मृत्यु का अधिकार भी शामिल है। न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि कोई भी व्यक्ति पहले से एक लिविंग विल लिख सकता है, जिसमें वह यह निर्देश दे सकता है कि यदि वह भविष्य में अत्यधिक गंभीर स्थिति में पहुंच जाए और उसके ठीक होने की कोई संभावना न हो, तो उसे कृत्रिम जीवन रक्षक उपकरणों के सहारे जीवित न रखा जाए। **–नवीन चंद्र जोशी**, पूर्व जिला शासकीय अधिवक्ता

स्वाभाविक रूप से बुजुर्ग होने पर मृत्यु होती है। किसी भी व्यक्ति की मृत्यु बाध्यता और अभाव में नहीं होनी चाहिए। दूसरा पहलू देखें तो समाज ने कोशिश की है कि प्रत्येक व्यक्ति की मृत्यु गरिमापूर्ण हो। इच्छामृत्यु मामले में यह स्थिति परीजनों के लिए बहुत पीड़ादायक है। हरीश राणा के मामले में सुप्रीम कोर्ट का निर्णय सर्वमान्य है। लेकिन यह नजीर नहीं बनना चाहिए। एसओपी बनाई जानी चाहिए कि व्यक्ति किन मामलों में इच्छामृत्यु की मांग कर सकता है।
– डॉ. आशीष अंशु, प्रोफेसर, समाजशास्त्र विभाग, गौलापार डिग्री कॉलेज, हल्द्वानी

चांद का दीदार तय करेगा ईद की तारीख

हल्द्वानीः रमजान का पवित्र महीना अपने अंतिम पड़ाव पर है और अब हर तरफ ईद-उल-फितर की तैयारियां जोरों पर हैं। इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार इस बार ईद का त्योहार 20 तारीख को मनाए जाने की संभावना है। हालांकि, त्योहार की सटीक तारीख पूरी तरह से चांद के दीदार पर निर्भर करेगी।

मजहबी जानकारों के अनुसार यदि 19 तारीख की शाम को शव्वाल (ईद) का चांद नजर आ जाता है, तो अगले दिन यानी 20 तारीख को पूरे अकीदत के साथ ईद मनाई जाएगी। यदि चांद नजर नहीं आता है, तो रमजान के 30 रोजे पूरे किए जाएंगे और उसके अगले दिन ईद मनाई जाएगी। ईद की आहट के साथ ही शहर के मुख्य बाजारों में खासी भीड़ देखी जा रही है।

सायरन बजा और सड़कों पर दौड़ने लगीं दमकल व एम्बुलेंस

भूस्खलन, नाव पलटने, बाघ के हमले, कैंची धाम में भगदड़ तथा कलसिया नाले में बाढ़ जैसी सूचनाओं पर हुआ राहत और बचाव कार्य का अभ्यास

मॉकड्रिल

संवाददाता, नैनीताल/हल्द्वानी

अमृत विचारः सुबह आठ से नौ बजे का वक्त रहा होगा। दुकाने शनैः शनैः खुल रहीं थीं और लोग घरों से अपने गंतव्य को निकले ही थे। अभी सड़कों पर शोरगुल ज्यादा नहीं था कि इसी बीच सायरन की आवाज सुनकर लोग चौंक जाते हैं। यह आपदा का सायरन था। अभी लोग कुछ समझ पाते कि पुलिस, आईटीबीपी, सीआरपीएफ सहित प्रशासन की गाड़ियां सड़कों पर दौड़ती दिखीं। इनमें दमकल और एम्बुलेंस भी शामिल रहीं।

दरअसल, विभागों के बीच आपसी समन्वय स्थापित रखने और आपदा के समय त्वरित एवं प्रभावी ढंग से राहत एवं बचाव कार्यों को अंजाम देने के मकसद से मंगलवार को जिले में मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। यानी आपातकालीन स्थिति से निपटने के पूर्वाभ्यास के तहत ऐसा दृश्य देखा गया। सबसे पहले मल्लीताल स्थित चार्टन लॉज क्षेत्र में भूस्खलन की सूचना मिलते ही ग्राउंड जीरो पर संयुक्त टीमें पहुंचीं। घायलों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और मलबा हटाने का अभ्यास किया गया। वहीं, मल्लीताल के बोट हाउस क्लब क्षेत्र में नाव पलटने की सूचना पर बचाव दल ने पानी में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने का अभ्यास किया। कालाढूंगी रेंज ऑफिस के पास बाघ द्वारा युवक को घायल करने की सूचना पर पुलिस और वन विभाग के साथ ही स्वास्थ्य विभाग की टीम भी एंबुलेंस के साथ मौके पर पहुंची और प्राथमिक उपचार किया।

नैनीताल में मॉकड्रिल के दौरान घायल का रेस्क्यू करते पुलिस व आपदा बचाव टीम के सदस्य। ● अमृत विचार

इस तरह की मॉकड्रिल इसलिए की जाती हैं ताकि अचानक आपदा आने पर सभी विभाग आपस में समन्वय बना सकें और एक दूसरे के साथ मिलकर बचाव एवं राहत कार्य करें। प्रत्येक मॉकड्रिल के बाद एक ब्रीफिंग होती है जिसमें कमियों व खूबियों पर भी मंथन किया जाता है ताकि भविष्य में कमियों को दूर किया जा सके। **–योगेश उनियाल**, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी

मलबे में फंसे लोगों को सुरक्षित निकाला!

नैनीताल : नैनीताल के मल्लीताल क्षेत्र में मंगलवार को मॉकड्रिल के दौरान चार्टन लॉज क्षेत्र में भूस्खलन की काल्पनिक स्थिति बनाई गई, जिसमें मलबे में फंसे लोगों को एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और दमकल विभाग की टीमों ने रेस्क्यू उपकरणों की मदद से सुरक्षित बाहर निकाला। वहीं नैनीताल झील में डूब रहे लोगों को भी रेस्क्यू टीमों ने समय रहते बाहर निकालकर प्राथमिक उपचार दिया। अभ्यास के दौरान घायलों को एंबुलेंस के माध्यम से तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने उनका उपचार किया।

कैंची धाम मंदिर परिसर में भगदड़!

विश्व प्रसिद्ध कैंची धाम मंदिर परिसर में भगदड़ की स्थिति और ओखलकांडा तथा करायल के बीच बस के खाई में गिरने की सूचना पर सक्रिय हुई सरकारी टीमों ने घायलों को निकालने, प्राथमिक उपचार देने और अस्पताल तक पहुंचाने के राहत बचाव कार्य को सफलता पूर्वक अंजाम दिया।

ऐसे अभ्यासों से वास्तविक आपदा के समय जनहानि को कम करने में मदद मिलती है। आम जनता से अपील है कि आपदा के समय प्रशासन के निर्देशों का पालन करें और घबराने के बजाय सतर्कता बरतें। **–अक्षय भट्ट**, तहसीलदार

कलसिया नाला क्षेत्र में आयी बाढ़!

हल्द्वानी के कलसिया नाला क्षेत्र में त्वरित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए स्थानीय लोगों को अलर्ट जारी किया गया और सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की कार्रवाई का अभ्यास किया गया। कालाढूंगी, भीमताल फतेहपुर क्षेत्र में आपदा प्रबंधन की तैयारियों को परखा गया।

नैनीताल में मॉकड्रिल के दौरान घायल का रेस्क्यू करते बचाव कर्मी। ● अमृत विचार

कार की टक्कर से महिला पर्यटक समेत तीन घायल

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचारः रामनगर-काशीपुर मार्ग पर मंगलवार सुबह एक सड़क दुर्घटना में महिला पर्यटक समेत तीन लोग घायल हो गए। यह घटना रामनगर से लगभग दो किलोमीटर दूर रिलायंस पेट्रोल पंप के समीप हुई, जहां तेज गति से आ रही एक अनियंत्रित कार ने जिप्सी को टक्कर मार दी।

पुलिस के अनुसार महिला पर्यटक शेफाली चावला अपने परिवार के साथ जिप्सी में फाटो पर्यटन जोन से लौट रही थीं। इसी दौरान एक तेज रफ्तार कार ने जिप्सी को टक्कर मार दी। बताया जा रहा है कि टक्कर से पहले कार ने 2-3 बाइक को भी टक्कर मारी थी। इनमें से एक बाइक पर सवार विकास और प्रताप सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद घायलों को रामनगर स्थित निजी अस्पताल बृजेश हॉस्पिटल ले जाया गया। अस्पताल के चिकित्सक डॉ. अभिषेक अग्रवाल के अनुसार महिला पर्यटक शेफाली चावला और विकास का उपचार जारी है, जबकि प्रताप सिंह की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया है। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि जिप्सी चालक राकेश शर्मा के वाहन को कार ने टक्कर मारी थी। पुलिस कार चालक की पहचान कर उसे पकड़ने की तैयारी कर रही है।

जिप्सी से टक्कर में क्षतिग्रस्त कार।

बनभूलपुरा में डोर-टू-डोर बंटने लगे पीएम आवास योजना के फार्म

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : बनभूलपुरा रेलवे भूमि अतिक्रमण प्रकरण में प्रभावितों को प्रधानमंत्री आवास योजना का फायदा पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन व नगर निगम ने पीएम आवास योजना के आवेदन फार्म बांटना शुरू कर दिया है। 17 से 19 मार्च तक छह टीमें घर-घर जाकर आवेदन फार्म बांटेंगी। 20 से 21 मार्च तक वार्ड वार लगने वाले कैंपों में ये फार्म जमा किए जाएंगे। पहले दिन .... फार्म वितरित हुए।

मंगलवार को नगर आयुक्त परितोष वर्मा व सिटी मजिस्ट्रेट एपी बाजपेयी के नेतृत्व में टीमों ने इंदिरा नगर निकट शनि बाजार से डोर टू डोर पीएम आवास योजना के फार्म बांटना शुरू किए। अतिक्रमण प्रकरण में लगभग 5236 परिवार प्रभावित हो रहे हैं। टीमें डोर टू डोर जाकर पीएम आवास योजना का फार्म बांटने के साथ ही उन्हें इस योजना की विस्तृत जानकारी, जरूरी दस्तावेज आदि की जानकारी दे रही हैं। साथ ही आवेदन फार्म लेने वाले का नाम, आधार नंबर व पता वगैरह रजिस्टर में लिखा जा रहा है।

इस पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई जा रही है। टीमें मंगलवार से गुरुवार तक घर-घर जाकर आवेदन फार्म वितरित करेंगी फिर 20 मार्च से कैंप लगाए जाएंगे। जहां इन फार्म को जमा किया जाएगा। टीमों के साथ पैरा लीगल वॉलंटियर्स भी थे जिन्होंने भी लोगों को पीएम आवास योजना के प्रति जागरूक किया।

इंदिरा नगर में प्रभावितों को पीएम आवास योजना का फार्म वितरित करते कर्मी। ● अमृत विचार

बनभूलपुरा रेलवे भूमि अतिक्रमण प्रकरण में प्रभावितों को पीएम आवास योजना के फार्म बांटना शुरू कर दिए हैं। 17 से 19 मार्च तक फार्म वितरण होगा। फार्म वितरण में 10-10 कर्मियों की छह टीमें लगाए गए हैं। साथ ही पैरावॉलंटियर्स भी मौजूद हैं। यह अभियान शनिबाजार से शुरू हुआ जो वार्ड दर वार्ड होता हुगा गफूर बस्ती पर समाप्त होगा। इस दौरान टीमें प्रभावितों को पीएम आवास योजना से जुड़ी सभी जानकारियां दे रही हैं। जो भी छूटे हुए प्रभावित लोग हैं, वे भी इस योजना के तहत आवेदन कर सकते हैं। **–परितोष वर्मा**, नगर आयुक्त नगर निगम हल्द्वानी

वितरण से पूर्व दिया गया प्रशिक्षण-कैसे बांटने हैं फार्म, क्या-क्या जुटानी है जानकारी

बनभूलपुरा में आवेदन फार्म वितरण से पूर्व कर्मियों को नगर निगम सभागार में प्रशिक्षण दिया गया। इसमें नगर आयुक्त परितोष वर्मा, सिटी मजिस्ट्रेट एपी बाजपेयी व एसडीएम प्रमोद कुमार ने सभी कर्मियों को फार्म वितरण का तरीका, बरती जाने वाली त्रुटियां, जुटाने वाली जरूरी जानकारियां आदि के टिप्स भी दिए। टीमों में राजस्व, जल संस्थान, जल निगम, ऊर्जा निगम, पैरालीगल वॉलंटियर्स रहे। वहीं, राज्य व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारी वर्चुअली जुड़े।

हर वार्ड के लिए अलग-अलग शिविर लगेंगे

हल्द्वानी : नगर आयुक्त वर्मा ने बताया कि प्रत्येक वार्ड के लिए अलग-अलग स्थानों पर कैंप लगाए गए हैं। जो भी जिस वार्ड का प्रभावित होगा, अपने निर्धारित कैंप में जाकर पीएम आवास योजना के फार्म जमा कर सकता है। यदि आवेदन से संबंधित कोई समस्या होती है तो उसका भी समाधान किया जाएगा।

शिविरों की वार्ड वार सूची

वार्ड संख्या	कैंप का निर्धारित स्थल
वार्ड-24	रेलवे स्टेशन हल्द्वानी
वार्ड -16	अंजुमन इस्लामिया बालिका पूर्व माध्यमिक विद्यालय किदवई नगर
वार्ड-25	राजकीय प्राथमिक विद्यालय बनभूलपुरा
वार्ड-26	राजकीय कन्या इंटर कॉलेज बनभूलपुरा
वार्ड-30, 31	राजकीय इंटर कॉलेज बनभूलपुरा
वार्ड-32, 33	मदरसा नैनीताल पब्लिक स्कूल बनभूलपुरा

रानीखेत एक्सप्रेस का मार्ग बदला

हल्द्वानीः दिल्ली-शाहदरा के बीच नये यमुना पुल के निर्माण कार्य के चलते रेलवे ने रानीखेत एक्सप्रेस के संचालन में बदलाव किया है।

इज्जतनगर मंडल के जनसंपर्क अधिकारी संजीव शर्मा ने बताया कि 28 मार्च को काठगोदाम से चलने वाली रानीखेत एक्सप्रेस अपने निर्धारित मार्ग के बजाय परिवर्तित मार्ग से संचालित होगी। उन्होंने बताया कि यह ट्रेन अब शकूर बस्ती, तिलक ब्रिज, नई दिल्ली और दिल्ली सराय रोहिल्ला से होकर गुजरेगी। इस दिन ट्रेन का ठहराव पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर नहीं होगा। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा से पहले अपने ट्रेन के रूट और समय की जानकारी अवश्य जांच लें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

महिला अस्पताल में कोयले पर बनेगा खाना!

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः राजकीय महिला अस्पताल में सिलेंडर से खाना बनाना अब मुश्किल हो जाएगा। यहां पर केवल बुधवार तक के लिए ही गैस ईंधन बचा है। इधर बेस अस्पताल में भी कोयला भट्टी का इंतजाम कर लिया गया है। गनीमत है कि एसटीएच में सिलेंडर पहुंच गए हैं।

कमर्शियल गैस सिलेंडर की किल्लत की वजह से अस्पतालों में चलने वाली किचन पर मार पड़ी है। जब दिक्कत शुरू हुई तो प्रशासन ने कहा था कि अस्पतालों के लिए गैस सिलेंडर उपलब्ध करवा दिए जाएंगे लेकिन दावों के उलट हकीकत कुछ और ही है। एसटीएच में रोजाना करीब 400 से 500 मरीजों का चाय, नाश्ता और खाना बनता है। यहां भी सिलेंडर खत्म होने वाले थे। अस्पताल प्रबंधन की कोशिश के बाद यहां पर सिलेंडर आ गए। एमएस डॉ. अरुण जोशी ने बताया कि हम संबंधित विभाग के लगातार संपर्क में हैं।

उम्मीद है कि जल्द ही स्थिति में और भी सुधार आएगा। इधर महिला अस्पताल में दिक्कत शुरू हो गई है। यहां पर नवजात शिशु को जन्म देने वाली महिलाओं का भोजन बनता है। प्रतिदिन 40 से 50 महिलाओं को भोजन दिया जाता है। यहां पर केवल बुधवार तक के लिए ही सिलेंडर बचा है। साथ ही प्रशासन और पूर्ति विभाग को सूचित किए जाने के बाद भी सिलेंडर उपलब्ध नहीं हो पाया है। सीएमएस डॉ. उषा जंगपांगी ने बताया कि सिलेंडर उपलब्ध कराए जाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

सोबन सिंह जीना अस्पताल में भी सिलेंडर खत्म हो ही गया है। यहां पर प्रतिदिन 100 से 150 मरीजों का भोजन बनता है। साथ ही मेन्यू के आधार पर भोजन दिया जाता है।

बेस अस्पताल प्रबंधन की सलाह पर किचन संचालक ने कोयला भट्टी का इंतजाम कर लिया है। पीएमएस डॉ. केएस दत्ताल ने बताया कि प्रशासन को अवगत कराया गया था और किचन संचालक गैस एजेंसी भी गया लेकिन सिलेंडर नहीं मिल पाया है।

मेडिकल कॉलेज की मेस को मिले सिलेंडर

हल्द्वानी : राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी में मेस संचालित होती हैं। यहां पर एमबीबीएस और पीजी छात्र-छात्राओं के अलावा नर्सिंग विद्यार्थियों के लिए मेस चलती हैं। कुल चार मेस में भोजन बनाया जाता है। यहां पर सिलेंडर खत्म होने की वजह से कई दिन पहले से ही भट्टी पर भोजन बनना शुरू हो गया था। राहत की बात है कि यहां पर सिलेंडर उपलब्ध करवा दिए गए हैं। सिलेंडर नहीं होने की वजह से मेस में रोटी बनना भी बंद हो गई थी। पांचो मेस में करीब 1000 से 1200 छात्र-छात्राओं को भोजन बनाया जाता है।

एडीजी ने की कानून व्यवस्था की समीक्षा

संवाददाता, हल्द्वानी/देहरादून

अमृत विचारः अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) लॉ एंड ऑर्डर डॉ. वी. मुरूगेशन ने मंगलवार को वर्चुअल रूप से राज्य में अपराध नियंत्रण एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा की।

डॉ. मुरूगेशन ने पुलिस द्वारा किए जा रहे सत्यापन अभियान की सभी जनपदों से जानकारी ली। इस दौरान बताया गया कि 15 फरवरी से शुरू सघन सत्यापन अभियान में राज्य में 1,22,411 सत्यापन किए गए। कुछ जनपदों ने इन अभियान के दौरान संदिग्ध अपराधियों को भी पकडा है। उन्होंने निर्देश दिए कि सत्यापन के उद्देश्यों को भली-भांति समझ लिया जाना आवश्यक है। इस कार्यवाही में मुख्यतः यह भी देखा जाए कि कोई कुख्यात अपराधी बाहरी राज्यों से भागकर राज्य में निवास तो नहीं कर रहा है। कहा कि इस संबंध में आपराधिक इतिहास ज्ञात करने के लिए प्रचलित विभिन्न पोर्टलों का सहयोग लिया जाये। एडीजी ने भूमि संबंधी धोखाधड़ी के प्रकरणों की समीक्षा करते कहा कि ऐसे मामलों में राजपत्रित अधिकारी की जांच के उपरान्त ही नियमानुसार अभियोग पंजीकृत कर साक्ष्यों के आधार पर विधिक निस्तारण करें। उन्होंने गढ़वाल और कुमाऊं दोनों रेंज के आईजी को ऐसे मामलों में कड़ी निगरानी रखने के निर्देश भी दिए।

फांसी पर झूला जसपुर भोगपुर डैम का युवक

रामनगरः जसपुर क्षेत्र के भोगपुर डैम निवासी एक युवक ने जंगल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मौत के असल कारणों के पीछे प्रेम-प्रसंग बताया जाता है।

युवक मौत की खबर से परिजनों में कोहराम मचा है। मृतक की पहचान बिन्दर सिंह पुत्र रमेश सिंह उम्र 22 निवासी भोगपुर डैम जसपुर जिला ऊधमसिंह नगर के रूप में हुई है। उसने तुमडिया डैम के जंगल में पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक सोमवार दोपहर से लापता बताया जा रहा था। चर्चा है कि मृतक किसी युवती से प्रेम करता था और उस युवती का रिश्ता कहीं और हो जाने पर उसने जान दे दी। उपनिरीक्षक दीपक बिष्ट ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

ROHILKHAND CANCER INSTITUTE
200 बेड का आधुनिक कैंसर हॉस्पिटल पिछले 5 साल से आप के बीच में
कैंसर की सम्पूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे
बरेली का एकमात्र PET CT
पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए
हमारी सेवाएं
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
डे केयर थेरेपी
इम्यूनोथेरेपी
कैंसर आईसीयू
फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री
मैमोग्राफी
कैंसर के रोकथाम की ओपीडी
इण्टरवेंशनल रेडियोलॉजी
प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त
Call to find out more
9582831744, 9258116087
8679315050, 8679415050
www.rohilkhandcancerinstitute.com
रोहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस
सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

36 घंटे से अंधेरे में नैनीताल, बिजली-पानी ठप, लोगों में आक्रोश

व्यापारियों ने ऊर्जा निगम कार्यालय का किया घेराव, समस्या के जल्द समाधान की मांग

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: नैनीताल में बीते रविवार रात आए तेज आंधी-तूफान के बाद शहर की बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। करीब 36 घंटे से अधिक समय से बिजली आपूर्ति बाधित रहने के कारण पेयजल आपूर्ति भी ठप हो गई है। इससे स्थानीय लोगों के साथ-साथ शहर में ठहरे पर्यटकों और व्यापारियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

बिजली गुल होने से जहां घरों में अंधेरा छाया हुआ है, वहीं पानी की सप्लाई बंद होने से लोगों की दिनचर्या भी प्रभावित हो गई है। कई इलाकों में लोग पानी के लिए इधर-उधर भटकते नजर आए। होटल, रेस्टोरेंट और अन्य पर्यटन कारोबार से जुड़े प्रतिष्ठानों में भी कामकाज प्रभावित हो गया है। समस्या से नाराज व्यापारियों ने मंगलवार को ऊर्जा निगम कार्यालय का घेराव कर धरना-प्रदर्शन किया और जल्द बिजली आपूर्ति बहाल करने की मांग की। इस दौरान व्यापारियों ने विभाग के खिलाफ जमकर नाराजगी जताई।व्यापार मंडल अध्यक्ष किशन सिंह नेगी ने कहा कि नैनीताल जैसे पर्यटन और वीआईपी शहर में इतनी लंबी अवधि तक बिजली बाधित रहना विभागीय लापरवाही को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि शहर ने पहले भी कई प्राकृतिक आपदाएं देखी हैं, लेकिन इतनी लंबी बिजली कटौती पहले कभी नहीं हुई। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं किया गया तो कल ऊर्जा निगम कार्यालय में तालाबंदी की जाएगी। बिजली-पानी की समस्या से पर्यटक भी परेशान हैं। कानपुर से नैनीताल घूमने आए पर्यटक तारीक अनवर ने बताया कि शहर में बिजली नहीं होने से उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। फोन की बैटरी खत्म हो चुकी है, जिसके कारण न तो घर पर संपर्क हो पा रहा है और न ही अन्य जरूरी काम हो पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नैनीताल जैसे प्रसिद्ध पर्यटन शहर में बिजली और पानी की आपूर्ति ठप होना अफसोसजनक है। वहीं विद्युत विभाग के एई राम सिंह बिष्ट ने बताया कि आंधी-तूफान के कारण बिजली लाइनों में तकनीकी खराबी आ गई थी, जिसके चलते आपूर्ति बाधित हुई है। विभाग की टीमें लगातार मरम्मत कार्य में जुटी हुई हैं और जल्द ही बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

समस्या को लेकर नैनीताल में प्रदर्शन करते व्यापारी। ● अमृत विचार

बारिश रुकी तो पारा भी चढ़ा

हल्द्वानी : मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून के अनुसार हल्द्वानी में तापमान में उछाल आया है। यहां पारा 31.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है जो सामान्य से 1.2 डिग्री ज्यादा है। साथ ही न्यूनतम तापमान 12.8 डिग्री रहा। हल्द्वानी में बादल भी छाए रहे लेकिन दोपहर के समय धूप तेज रही। मुक्तेश्वर में दिन के समय पारा 17 डिग्री दर्ज किया गया है। यहां रात के समय कड़ाके की ठंड पड़ रही है।

आज से फिर से सक्रिय होगा राज्य में पश्चिमी विक्षोभ

हल्द्वानी : उत्तराखंड में बुधवार से फिर से पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है जो अगले तीन से चार दिनों तक सक्रिय रहेगा। इस दौरान पहाड़ों में बारिश से लेकर बर्फबारी तक के आसार हैं। साथ ही मैदानी इलाकों में भी मौसम बदलेगा। राज्य मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून के अनुसार बुधवार को उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़ और बागेश्वर में बारिश और बर्फबारी का यलो अलर्ट जारी किया है। गुरुवार को पूरे राज्य में ही मौसम खराब होगा। मैदानी जिलों जैसे की हरिद्वार, देहरादून, ऊधमसिंह नगर, नैनीताल आदि में भारी बारिश हो सकती है और साथ ही ओलावृष्टि होने के भी असार हैं। इन जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है तो वहीं शुक्रवार को पर्वतीय जिलों में 3000 मीटर से ज्यादा ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी की संभावना है। 21 मार्च को भी 3000 मीटर से ज्यादा ऊंचाई वाले इलाकों में इसी तरह का मौसम बना रहेगा। माना जा रहा है कि राज्य में आने वाले दिनों में तापमान में गिरावट आएगी। मार्च माह में चढ़ रहे पारे में काफी ब्रेक लगेगा। वनाग्नि के लिहाज से बारिश और बर्फबारी काफी लाभदायक रहेगी लेकिन अगर ओलावृष्टि हुई और साथ ही तेज हवा भी चली तो गेहूं की फसल को नुकसान हो सकता है।

सरोवर नगरी में तूफान लाया तबाही

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: नैनीताल जिले में रविवार आधी रात आए तूफान से जमीन से उखड़े पेड़ों और उनकी टूटी टहनियों की चपेट में आकर बिजली की कई तारें नीचे आ गयीं जिससे शहर के एक बड़े हिस्से में 24 से 36 घंटे तक बिजली गुल रही।

बिजली गुल होने से पूरे क्षेत्र में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया, जिससे निवासियों, पर्यटन पर निर्भर व्यवसायों और यहां तक कि अदालती कार्यवाही भी प्रभावित हुई। पद्मपुरी, ओखलकांडा, सूखाताल और पाइंस सहित नैनीताल और आसपास के क्षेत्रों की करीब 80 हजार की जनसंख्या इससे सर्वाधिक प्रभावित हुई। अधिकारियों ने बताया कि उत्तराखंड पावर कारपोरेशन (यूपीसीएल) को इतने बड़े पैमाने पर हुई तबाही से अनुमानित 50-60 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। यूपीसीएल की टीम चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना करते हुए बिजली बहाल करने के लिए लगातार काम में जुटी हैं। यूपीसीएल के कुमाऊं जोन के मुख्य अभियंता राजेंद्र गुंज्याल ने कहा कि बिजली आपूर्ति बहाल करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है जबकि तूफान से हुए अन्य नुकसानों का विस्तृत आकलन बाद में किया जाएगा। बिजली गुल होने से स्थानीय व्यवसायियों, विशेषकर पर्यटन पर निर्भर व्यवसायियों की मुश्किलें और बढ़ गईं, जो पहले से ही एलपीजी की कमी से जूझ रहे थे। कई व्यवसायियों को इस दौरान अपना कामकाज बंद करना पड़ा।

36 घंटे तक बिजली आपूर्ति ठप रही | **80** हजार की जनसंख्या हुई प्रभावित लगभग | **60** लाख रुपए का यूपीसीएल को नुकसान

आंधी-तूफान से बिजली विभाग को 15 लाख रुपये से अधिक के नुकसान का अनुमान

रामनगर : रामनगर और कालाढूंगी विधानसभा क्षेत्र में देर रात आए तेज आंधी-तूफान ने भारी तबाही मचाई। इस प्राकृतिक आपदा के कारण जहां किसानों की खड़ी गेहूं की फसल को नुकसान पहुंचा, वहीं कई स्थानों पर पेड़ गिरने से वाहनों को भी क्षति हुई। तूफान का असर बिजली व्यवस्था पर भी पड़ा, जिससे बिजली विभाग को लगभग 15 लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। तेज हवाओं के चलते कई स्थानों पर बड़े पेड़ टूटकर बिजली की लाइनों और पोलों पर गिर गए, जिससे बिजली आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई। रामनगर और आसपास के कई इलाकों में देर रात से ही बिजली गुल हो गई थी, जिसके कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। बताया जा रहा है कि इस तूफान के कारण क्षेत्र में कई स्थानों पर बिजली के पोल क्षतिग्रस्त हो गए और विद्युत लाइनें भी टूट गईं। इससे विद्युत आपूर्ति ठप हो गई और विभाग को व्यवस्था बहाल करने के लिए रात से ही कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। बिजली विभाग के ईई गोविंद सिंह कार्की ने बताया कि तेज तूफान के कारण रामनगर और कालाढूंगी क्षेत्र में विभाग को भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि इस आंधी-तूफान में कुल 18 बिजली के पोल क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि करीब 3 किमी लंबी विद्युत लाइन भी प्रभावित हुई। उन्होंने बताया कि इस नुकसान का अनुमान लगभग 15 लाख रुपये से अधिक लगाया गया है। तूफान के कारण कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई थी, जिसके बाद विभाग के कर्मचारी और तकनीकी स्टाफ तुरंत मरम्मत कार्य में जुट गए। ईई ने बताया कि विभाग की टीम ने रात से ही प्रभावित क्षेत्रों में काम शुरू कर दिया था। सुबह तक अधिकांश स्थानों पर व्यवस्था को सुचारू कर दी गई।

रसोई गैस को लेकर कांग्रेसियों का प्रदर्शन

लालकुआं: घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति प्रभावित होने और बढ़ती कीमतों के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। नगर कांग्रेस अध्यक्ष भुवन पांडे के नेतृत्व में केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के पुराने नाली से गैस वाले बयान पर तंज कसते हुए नाली में पाइप डालकर गैस चूल्हा जलाने का प्रतीकात्मक प्रयास किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने सिर पर खाली गैस सिलेंडर उठाकर तहसील तक मार्च निकाला। उन्होंने एसडीएम रेखा कोली को महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपकर गैस आपूर्ति सुचारु करने और बढ़ती कीमतों पर रोक लगाने की मांग की। नगर अध्यक्ष भुवन पांडे, हेमवती नंदन दुर्गापाल, नितिन पंत, बीना जोशी, राजेंद्र खनवाल, ब्लॉक अध्यक्ष पुष्कर दानू, कैलाश दुमका, डॉ. बालम बिष्ट, उमेश कबड़वाल रहे।

सिलेंडर से लदी पिकअप पकड़ी

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: मंगोली क्षेत्र में पुलिस ने व्यवसायिक गैस सिलेंडर से भरे पिकअप वाहन को पकड़ लिया, लेकिन चालक फरार हो गया। घटना से पुलिस की कार्रवाई और नियमों के पालन पर सवाल उठने लगे हैं, वहीं चालक के परिजनों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

पुलिस के अनुसार, सोमवार रात करीब आठ बजे चेकिंग के दौरान यूके 04 सीसी 1896 नंबर की पिकअप को रोका गया। जांच में वाहन से 24 व्यवसायिक गैस सिलेंडर बरामद हुए, लेकिन चालक वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सका। इसी दौरान वह पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। सूचना मिलने के बाद मंगलवार को कोतवाली पुलिस और खाद्य पूर्ति विभाग की टीम मौके पर पहुंची। कोतवाल ने बताया कि पिकअप को सीज कर दिया गया है और 25 सिलिंडर खाद्य पूर्ति विभाग को सौंप दिए गए हैं। वहीं चालक के परिजन जितेंद्र ने पुलिस पर उत्पीड़न और अवैध वसूली के गंभीर आरोप लगाए हैं।

नैनीताल में गैस सिलेंडर से भरा पिकअप पकड़ा।

> उक्त पिकअप नेहा इंडेन गैस एजेंसी की बताई जा रही है, जो पहले भी ऐसे मामले में पकड़ी जा चुकी है। अवैध सिलेंडर को जब्त कर लिया गया है और आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। – **सुरेंद्र बिष्ट**, क्षेत्रीय खाद्यपूर्ति अधिकारी, नैनीताल

पकड़े गए पिकअप में भरे गैस सिलेंडर।

अवैध शराब के साथ एक दबोचा

लालकुआं: लालकुआं, बिंदुखत्ता और हल्दूचौड़ में पुलिस ने सघन छापेमारी कर तीन शातिर शराब तस्करों को गिरफ्तार किया। जांच में 251 कच्ची शराब के पाउच और 188 टेट्रा पैक देसी शराब जब्त किए गए। बिंदुखत्ता में जसवंत सिंह को 126 पाउच, वीआईपी गेट में राजकुमार को 125 पाउच और बेरीपड़ाव में त्रिभुवन आर्या को 188 टेट्रा पैक शराब के साथ पकड़ा गया। सभी के खिलाफ कोतवाली लालकुआं में आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमे दर्ज किए गए। पुलिस टीम में एएसआई डीके सती, कांस्टेबल आनंदपुरी, कुबेर राणा, गणेश गिरी और कमल बिष्ट शामिल थे। प्रभारी निरीक्षक ब्रजमोहन राणा ने बताया कि अवैध शराब के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

ईरान युद्ध रोकने के लिए भारत से हस्तक्षेप की मांग

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: संयुक्त संघर्ष समिति से जुड़े विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर थोपे गए युद्ध के कारण उत्पन्न वैश्विक संकट, गैस एवं क्रूड ऑयल की कमी के समाधान के लिए केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग की। भारत से अनुरोध किया कि वह अपनी तटस्थ नीति बनाए रखते हुए संबंधित पक्षों से वार्ता कर युद्ध रोकने में प्रभावी भूमिका निभाए।

उपपा के प्रधान महासचिव एवं राज्य आंदोलनकारी प्रभात ध्यानी की अध्यक्षता और कैसर राणा के संचालन में हुई बैठक में वक्ताओं ने अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष के कारण निर्दोष लोगों की हत्याओं और वैश्विक संकट के लिए अमेरिका की साम्राज्यवादी नीतियों तथा संप्रभु देशों की संप्रभुता में हो रही दखलअंदाजी पर चिंता व्यक्त की। वक्ताओं ने ग्रामीण क्षेत्रों में गैस बुकिंग का समय बढ़ाकर 45 दिन किए जाने पर आक्रोश व्यक्त किया और इसे 25 दिन करने की मांग की। बैठक में मुनीश कुमार, भुवन, तुलसी छिम्बाल, सरस्वती जोशी, कौशल्या, किशन, लालता प्रसाद श्रीवास्तव, मनमोहन अग्रवाल, गिरीश आर्य, लालमणि, रवि, आसिफ, सुनील पर्नवाल, दिनेश पांडे, मोहम्मद ताहिर, जुल्फिकार रहे।

कांग्रेस ने बूथ कमेटियों के गठन पर दिया जोर

रामनगर: विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस ने संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत बनाने के लिए बूथ कमेटी का गठन शुरू किया। बैठक में पूर्व विधायक रणजीत रावत ने कहा कि भाजपा की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ कांग्रेस बूथ कमेटी के माध्यम से घर-घर जाकर जनता को जागरूक करेगी। बूथ कमेटी के अध्यक्ष पर अनूप सिंह अधिकारी, उपाध्यक्ष पर बालम सिंह बिष्ट नियुक्त किए गए। राजेंद्र सिंह बिष्ट, रघुवीर सिंह बिष्ट, राघवेंद्र सिंह रावत, पंकज नेगी, देवेंद्र सिंह मंडल, भूपेंद्र भरा, गंगाराम, सुरेंद्र सिंह रावत और अशोक सिंह रावत को जिम्मेदारी दी गई। बैठक में ब्लॉक अध्यक्ष रामनगर देशबंधु रावत, वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजेंद्र बिष्ट, भुवन चंद पांडेय रहे।

परीक्षा कार्यक्रम में बदलाव की मांग की

रामनगर: उत्तराखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ ने वार्षिक गृह परीक्षा कार्यक्रम में 20 मार्च को निर्धारित अंग्रेजी विषय की परीक्षा की तिथि में बदलाव की मांग की है। संगठन का कहना है कि 19, 21 एवं 23 मार्च को विभागीय अवकाश घोषित है। ऐसे में यदि 20 मार्च की परीक्षा को आगे शिफ्ट कर दिया जाता है, तो दूरस्थ क्षेत्रों में कार्यरत शिक्षकों को चार दिन का अवकाश मिल सकेगा। प्रांतीय पदाधिकारी मनोज तिवारी ने महानिदेशक, विद्यालयी शिक्षा एवं प्राथमिक शिक्षा निदेशालय को पत्र भेजकर तिथि परिवर्तन की मांग की है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक शिक्षा निदेशक कंचन देवरानी वअपर निदेशक नागेंद्र बर्थवाल से दूरभाष पर वार्ता भी की गई है।

रोजगार मेले में 84 युवाओं का चयन

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार : ओखलकाड़ा विकासखंड के पतलोट क्षेत्र में युवाओं के उज्ज्वल भविष्य को संवारने की दिशा में ब्लॉक प्रमुख केडी रुवाली के तत्वावधान में रोजगार मेले का आयोजन किया गया। सेवायोजन कार्यालय, नैनीताल के सहयोग से आयोजित इस मेले में क्वियच क्रोप लिमिटेड के साथ-साथ टाटा मोटर्स की टीम ने युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए।

मेले में 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग के बड़ी संख्या में युवक-युवतियों ने भाग लिया। मेले के दौरान कंपनियों द्वारा अभ्यर्थियों का पंजीकरण और साक्षात्कार प्रक्रिया संपन्न कराई गई, जिसमें कुल 34 युवक और 50 युवतियों का चयन हुआ। इससे अनेक युवाओं को रोजगार प्राप्ति के महत्वपूर्ण अवसर प्राप्त हुए।

इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख केडी रुवाली ने अपने संबोधन में कहा कि क्षेत्र के युवाओं को रोजगार से जोड़ना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल युवाओं को आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा देते हैं, बल्कि क्षेत्र के समग्र विकास को भी गति प्रदान करते हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि भविष्य में भी इस प्रकार के जनहितकारी प्रयास निरंतर जारी रहेंगे। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और क्षेत्रवासियों ने इस पहल की सराहना की।

पतलोट में आयोजित रोजगार मेले पहुंचे कंपनी के प्रतिनिधि व युवा। ● अमृत विचार

सिटी डायरी

तीन दिवसीय विज्ञान संचेतना कार्यक्रम का शुरुआत।

बच्चों को विज्ञान की बारीकियों से कराया जाएगा अवगत

भीमताल : जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, भीमताल (नैनीताल) के तत्वावधान में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, सालियाकोट (धारी) में तीन दिवसीय विज्ञान संचेतना कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम प्रभारी डॉ. पूरन सिंह बुंगला द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों में वैज्ञानिक सोच एवं दृष्टिकोण का विकास करना है। तीन दिवसीय इस कार्यक्रम के दौरान विज्ञान से संबंधित लगभग 15 प्रयोग कराए जाएंगे। इसी क्रम में विद्यालय के प्रधानाध्यापक वर्मा ने छात्रों को विज्ञान की बारीकियों से अवगत कराया। संदर्भदाता के रूप में सुनील कुमार सिंह एवं राजेंद्र सिंह राठौड़ उपस्थित रहे। इसके अलावा विद्यालय की शिक्षिका वर्मा मैडम तथा 58 विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। यह कार्यशाला 18 मार्च 2026 तक आयोजित की जाएगी, जिसमें विद्यार्थियों को विज्ञान से संबंधित विभिन्न प्रयोग कराए जाएंगे।

रामनगर में कहानी लिखने का अभ्यास करते बच्चे।

हिंदी भाषा कार्यशाला में बच्चों ने सीखा कहानी लिखना

रामनगर : सांवल्दे में रचनात्मक शिक्षक मंडल की पहल पर चल रही तीन दिवसीय हिंदी भाषा कार्यशाला के दूसरे दिन बच्चों ने कहानी लिखने का अभ्यास किया। विषय विशेषज्ञ एससीईआरटी से सेवानिवृत्त वरिष्ठ प्रवक्ता मदन पांडे के मार्गदर्शन में तीसरी से नौवीं कक्षा के बच्चों ने अपने जीवन अनुभवों को सुनाने और लिखने का अभ्यास किया। विद्यार्थियों ने खेत, रैली, रसोईघर और स्कूल के दिलचस्प अनुभव साझा किए। बच्चों को पहले मौखिक रूप से अनुभव साझा करने और फिर स्वतंत्र रूप से लिखने का अभ्यास कराया गया। उन्होंने बाज और अजगर कहानी को सुनकर अपने शब्दों में लिखा। शिक्षकों को बच्चों के लेखन का मूल्यांकन कर गलत शब्दों की सूची बनाकर आगे अभ्यास कराने की सलाह दी गई। सायंकालीन सत्र में बच्चों को प्राचीन भाषाई कौशल गप्प का अभ्यास कराया गया। इस दौरान नवेंदु मठपाल, सुमित कुमार, रिंकी आर्य, पिंकी, वंदना, अनूप वर्मा, प्रेमा बेलवाल सहित कई शिक्षक उपस्थित रहे।

पांडेगांव में जलागम की बैठक में कार्यकर्ता।

पांडेगांव में जलागम की बैठक में समितियों का गठन

भीमताल : ग्राम सभा पांडेगांव में जलागम विभाग की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जलागम विभाग के अधिकारियों ने जानकारी दी कि पांडेगांव ग्राम सभा के लिए 1 करोड़ 7 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत हुई है, जिससे विभिन्न विकास कार्य कराए जाएंगे। इस दौरान कई समितियों का गठन भी किया गया। बैठक में सामाजिक कार्यकर्ता नितेश बिष्ट, ग्राम प्रधान नवीन चंद्र, पूर्व प्रधान जीवन पलरिया, पूरन लाल, विनोद पांडेय, कृष्णा चंद्र, कन्नू पोखरिया, यशपाल आर्य, सरपंच लक्ष्मण बिष्ट रहे।

गंगा की स्वच्छता के लिए रामनगर में चलाया हस्ताक्षर अभियान

रामनगर : डिग्री कॉलेज में नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत गंगा स्वच्छता पखवाड़ा के तहत हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। अभियान का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. एमसी पांडे ने अपने हस्ताक्षर कर किया। बताया गया कि यह अभियान गंगा नदी की स्वच्छता, निर्मलता एवं संरक्षण के उद्देश्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में गंगा नदी के महत्व, उसकी पवित्रता, स्वच्छता और संरक्षण के प्रति जन–जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में विद्यार्थियों द्वारा जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने गंगा को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. नीमा राणा ने सभी उपस्थित विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को गंगा स्वच्छता एवं जल संरक्षण का संकल्प दिलाते हुए हस्ताक्षर कराए। अभियान में मुख्य अतिथि मितेश्वर आनंद (असिस्टेंट कमिश्नर), विशिष्ट अतिथि अजय जोशी, चीफ प्रॉक्टर डॉ. एसएस. मौर्य, डॉ. सुमन कुमार, डॉ. प्रमोद जोशी, डॉ. नरेश कुमार, डॉ. सुरेश चंद्र, डॉ. रीमा प्रियदर्शी, डॉ. जेपी. त्यागी, डॉ. सिराज अहमद रहे।

प्राचार्य प्रो. एमसी पांडे।

भीमताल में श्रीमद् देवी भागवत कथा ज्ञान यज्ञ 20 मार्च से

भीमताल : केंचुली देवी मंदिर, भीमताल में श्रीमद् देवी भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन 20 मार्च 2026 (शुक्रवार) से 28 मार्च 2026 (शनिवार) तक किया जाएगा। आयोजक मां केंचुली देवी मंदिर सेवा समिति से प्राप्त जानकारी के अनुसार कथा व्यास आचार्य मनोज कांडपाल रहेंगे। 20 मार्च को गणेश पूजन, मंगल कलश यात्रा, स्थापना एवं पंचांगिक कार्यक्रमों के साथ कथा का शुभारंभ होगा। कार्यक्रम के समापन दिवस 28 मार्च 2026 को प्रात :कालीन पूजन, व्यास पूजन, यज्ञ पूर्णाहुति एवं आरती संपन्न होगी। इसके उपरांत दोपहर 2 :00 बजे से विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

वन अग्नि सुरक्षा को लेकर हरीनगर में जागरूकता गोष्ठी आयोजित

धानाचूली : उत्तरी गौला रेंज के अंतर्गत थली बीट के हरीनगर ग्राम सभा में वन अग्नि सुरक्षा एवं बचाव विषय पर जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों को जंगलों में लगने वाली आग से होने वाले नुकसान तथा उससे बचाव के प्रति जागरूक करना था। गोष्ठी में ग्रामवासियों को वन अग्नि से होने वाले दुष्परिणाम, आग लगने के प्रमुख कारणों तथा उससे बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही आग लगने की स्थिति में अपनाई जाने वाली आवश्यक सावधानियों के बारे में भी बताया। कार्यक्रम में वन आरक्षी सुनील प्रसाद, बीट वाचर गौरव बर्गली सहित महिला समूहों और ग्रामवासियों ने भाग लिया तथा सक्रिय सहभागिता निभाई। इस अवसर पर हरीनगर के ग्राम प्रधान ने वन विभाग को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।

सिटी ब्रीफ

चारधाम क्षेत्र में 34 घंटे बाद बहाल हुई बिजली आपूर्ति

हल्द्वानी : चारधाम क्षेत्र में रविवार शाम आए तेज तूफान ने बिजली व्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। तेज हवाओं के चलते कई स्थानों पर बिजली के पोल टूट गए, जिससे आपूर्ति बाधित हो गई। ऊर्जा निगम के ईई एसके गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि मंगलवार सुबह उपभोक्ताओं से सूचना मिली कि चारधाम क्षेत्र में बिजली लाइनों को नुकसान पहुंचा है। सूचना मिलते ही ऊर्जा निगम की टीम ने सुबह 8 बजे से मरम्मत कार्य शुरू किया। करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद सुबह 11 बजे तक लगभग 34 घंटे बाद क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बहाल हो सकी।

मियावाकी परियोजना में इनरव्हील क्लब का सहयोग

हल्द्वानी : इनरव्हील क्लब राइजिंग स्टार हल्द्वानी ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में पहल करते हुए उत्तराखंड बायोडायवर्सिटी पार्क में मियावाकी फॉरेस्ट परियोजना के लिए सहयोग दिया किया। क्लब पदाधिकारियों ने बताया कि मियावाकी तकनीक के माध्यम से छोटे क्षेत्रों में घने और तेजी से विकसित होने वाले वन तैयार किए जाते हैं, जो पर्यावरण संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह तकनीक वायु गुणवत्ता सुधारने, ध्वनि प्रदूषण कम करने, कार्बन अवशोषण बढ़ाने और भूजल स्तर के पुनर्भरण में सहायक है। क्लब ने इस पहल को जनभागीदारी से सफल बनाने के लिए नागरिकों से जुड़ने की अपील की है।

पिता का अंतिम संस्कार, अधूरा रहा बेटे का जनेऊ संस्कार

नोएडा की कंपनी में सीनियर अकाउंटेंट थे सुंदर, रानीबाग में बेटे ने दी पिता को मुखाग्नि

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : परिवार खुश था, क्योंकि घर में एक बड़ा कार्यक्रम होने वाला था। कार्यक्रम मूढ़ापांडे मुरादाबाद में हुए सड़क हादसे में मारे गए सुंदर सिंह मेहर के बेटे गर्वित का जनेऊ संस्कार था। सुंदर भी खुश थे और उन्होंने अपने नाते-रिश्तेदारों से लेकर दोस्तों तक को निमंत्रण बांट दिया था, लेकिन होनी को कुछ और ही मंजूर था। पिता जिस बेटे के जनेऊ संस्कार की तैयारियों में लगे हुए थे, मंगलवार को उसी बेटे को पिता सुंदर की चिता को मुखाग्नि देनी पड़ी। एक हादसे से पल भर में पूरी तस्वीर बदल दी और खुशियों के घर में पल भर में मातम पसर गया।

मूल रूप से टकनपुर के तयाली खेड़ा निवासी सुंदर सिंह मेहर ने कुछ साल पहले ही लालपुर नायक के आनंदपुरम में अपना घर बनाया था। यहां वह पूरे परिवार के साथ रहते थे। वह खुद नोएडा की एक कंपनी में सीनियर अकाउंटेंट थे। जबकि पत्नी घर के पास ही रेडीमेड गारमेंट शॉप चलाती हैं। उनका बेटा गर्वित 9वीं का छात्र है। सोमवार की देर रात सुंदर का शव उनके घर पहुंचा। मंगलवार को देरी से शव को रानीबाग ले जाया गया। परिजनों के मुताबिक, सुंदर के भाई हिमाचल प्रदेश में रहते थे और उनके इंतजार के कारण अंतिम यात्रा देरी से घाट के लिए रवाना हुई।

रानीबाग में बेटे गर्वित ने पिता के शव को मुखाग्नि दी। परिजनों और इलाकाई लोगों ने बताया, बीते कुछ दिनों से सुंदर अपने बेटे के जनेऊ संस्कार को लेकर काफी खुश थे। जनेऊ संस्कार 26-27 मार्च को होने वाला था, लेकिन सुंदर की असमय मौत के बाद अब यह कार्यक्रम टल चुका है। सुंदर जहां रहते हैं, मंगलवार को वहां मातमी सन्नाटा पसरा था। गली सूनसान थी और सुंदर के घर के बाहर पड़ी कुर्सियां खाली पड़ी थीं।

सुंदर का आनंदपुरम स्थित घर। ● अमृत विचार

इस बार कुछ घंटों में ही लौट आए, लेकिन बेजान

हल्द्वानी : अपने परिवार को बेहतर जिंदगी और बेटे के भविष्य को उज्जल बनाने के लिए सुंदर परिवार को टनकपुर लेकर हल्द्वानी पहुंचे थे। वह खुद नोएडा में नौकरी करते थे, परिवार से पांच दिन दूर रहते थे। इस बार वह शुक्रवार को ही नोएडा से घर आ गए थे। शुक्रवार की रात, शनिवार और रविवार का पूरा दिन परिवार के साथ गुजरने के बाद सोमवार तड़के 4 बजे नोएडा के लिए निकले थे और इस बार वह कुछ घंटे बाद ही लौट आए, लेकिन बेजान।

26-27 फरवरी को होना था सुंदर सिंह महर के बेटे गर्वित मेहर का जनेऊ संस्कार, नाते-रिश्तेदारों में बंट चुका था निमंत्रण

सुंदर सिंह का फाइल फोटो।

हर किसी की जुबां पर थी गर्वित की तारीफ

हल्द्वानी : सुंदर के बेटे गर्वित की तारीफ हर किसी की जुबां पर थी। लोगों का कहना है कि सुंदर भले ही वीकेंड पर परिवार के पास आते हों, लेकिन इस बात का गर्वित की परवरिश पर असर नहीं पड़ा। इलाकाई लोगों का कहना है कि गर्वित आम बच्चों की तरह चंचल, खेलने-कूदने वाला नहीं था। वह पढ़ने में अच्छा और आज्ञाकारी था। उसे देख कर इलाकाई लोगों को लगता है कि गर्वित एक दिन बेहतर और बड़ा आदमी बनेगा। हालांकि पिता की असमय मृत्यु ने उसे मौन कर दिया है।

परिवार की जिम्मेदारी लेकर आए शहर, चार कंधों पर पहुंचे सोमेश्वर

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः परिवार की जिम्मेदारी ने भुवन भंडारी से गांव छुड़वा दिया। बच्चे की अच्छी पढ़ाई के लिए उन्होंने सोमेश्वर स्थित भौड़ी गांव बना में अपना घर छोड़ा और पत्नी पूजा व 5 साल के बेटे मानस के साथ दयाल विहार फेज टू स्थित ससुराल में रहने लगे। किसी को पता नहीं था कि भुवन, जो परिवार लेकर सोमेश्वर से हल्द्वानी आया, उसे ही समय से पहले चार कंधों की जरूरत पड़ेगी।

परिजनों के मुताबिक, भुवन के लिए अपने घर को छोड़ने का फैसला बेहद कठिन था, लेकिन अपने 5 साल के बेटे मानस के लिए उन्होंने यह भी स्वीकार किया। वह पत्नी पूजा के साथ आकर ससुराल में इसलिए रहने लगे ताकि बेटे को बेहतर समाज और अच्छी पढ़ाई मिल सके। हालांकि सोमवार तड़के हुए सड़क हादसे में उनकी मौत के साथ उम्मीदों ने भी दम तोड़ दिया। मौत की खबर मिलने पर सोमेश्वर से परिजन गूढ़ापांडे पहुंच गए। पोस्टमार्टम के बाद सोमवार को शव को परिजन गूढ़ापांडे से हल्द्वानी नहीं लाए। बल्कि सीधे सोमेश्वर ले गए। सोमेश्वर में मंगलवार को भुवन का अंतिम संस्कार किया गया। अब बेटे मानस की परवरिश का जिम्मा भुवन की पत्नी पूजा पर आ गया है।

अंत में हुआ अनिल का पोस्टमार्टम, देर शाम पहुंचा शव

हल्द्वानी : कार और ट्रैक्टर-ट्रॉली के बीच हुई भिड़ंत में अनिल नेगी की भी मौके पर जान चली गई थी। बताया जाता है सभी मृतक एक-दूसरे को जानते थे और सभी सोमवार की सुबह 4 बजे योगा टीचर यशदीप पांडे के साथ हल्द्वानी से निकले थे। कार यशदीप की थी और वही कार को चला रहा था। घर से निकलने के करीब सवा दो घंटे बाद ही यानी सवा छह बजे कार मूढ़ापांडे में ईंट से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली के पीछे घुस गई। यशदीप को छोड़कर सभी की मौत हो गई। सबसे पहले नोएडा स्थित नैनीताल बैंक के रीजनल मैनेजर दयाल सिंह रावत का पोस्टमार्टम हुआ। अंत में मंगलवार को अनिल नेगी के शव का पोस्टमार्टम हुआ। मंगलवार की देर शाम परिजन अनिल के शव को लेकर घर पहुंचे।

बच्चों की श्रवण क्षमता पर असर डाल रहा ईयर फोन

हल्द्वानीः मोबाइल फोन और ईयर फोन से सुनने की वजह से बच्चों के सुनने की क्षमता पर गलत असर पड़ रहा है। राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी के कम्यूनिटी मेडिसन विभाग की जांच में यह सामने आया है।

कम्यूनिटी मेडिसन विभाग और राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय तुलसीनगर के संयुक्त प्रयास से विद्यालय के छात्रों की सुनन की क्षमता की सामान्य जांचें की गईं। मशीनों से जांच की तो पता चला कि कुछ छात्रों की सुनने की क्षमता में कमी है। पता चला कि ईयर फोन और मोबाइल फोन के इस्तेमाल से ऐसा हो रहा है। उम्र और स्वास्थ्य के लिहाज से यह सही नहीं है। सहायक प्रोफेसर डॉ. रुद्रकेश ने बच्चों को ईयर फोन का इस्तेमाल नहीं करने की सलाह दी और साथ ही बताया कि किस तरह से कान को स्वच्छ रखना चाहिए।

उन्होंने बताया कि मोबाइल फोन और ईयर फोन का इस्तेमाल बच्चों के ऊपर गलत असर डाल रहा है। मेडिकल वेलफेयर अधिकारी विजय वर्मा ने बताया कि बच्चों को स्वास्थ्य विकास के माध्यम समझाए। इस दौरान प्राध्यापिका बबीता रानी, डॉ. श्रुति, डॉ. उमेर मोहम्मद, डॉ. अदिति, पार्वती जोशी, भावना कांडपाल, फिरोज बानो आदि रहे।

24 अप्रैल से घर-घर होगी जनगणना

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : लंबे इंतजार के बाद आखिरकार छह साल की देरी से जनगणना शुरू होने जा रही है। इसकी शुरुआत 24 अप्रैल से होगी। पिछली जनगणना 2011 में हुई थी और 2021 में प्रस्तावित जनगणना कोविड-19 के कारण टलती रही। जनगणना को लेकर नगर निगम स्तर पर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। निगम सभागार में मंगलवार से फील्ड ट्रेनर्स का प्रशिक्षण शुरू हुआ। पहले चरण के बाद ये ट्रेनर्स प्रगणक और सुपरवाइजर को प्रशिक्षण देंगे।

नगर निगम क्षेत्र में निगम और ग्रामीण क्षेत्रों में राजस्व विभाग की ओर से जनगणना का कार्य कराया जाएगा। इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से होगी। 10 अप्रैल से 24 अप्रैल तक मोबाइल ऐप के जरिए डेटा दर्ज किया जाएगा। 24 अप्रैल से घर-घर जाकर जनगणना की जाएगी। प्रगणक घर-घर जाकर स्मार्टफोन या टैबलेट के माध्यम से रियल टाइम डेटा अपलोड करेंगे। ऐप ऑफलाइन भी काम करेगा, जिससे नेटवर्क न होने पर भी जानकारी सुरक्षित की जा सकेगी।

जनगणना में लगे कर्मचारी सीएमएमएस पोर्टल पर पहले से पंजीकृत होते हैं और केवल वे ही ऐप में लॉगिन कर सकते हैं। इसके अलावा स्व-गणना की सुविधा भी दी गई है, जिसमें व्यक्ति वेब पोर्टल पर स्वयं जानकारी भरकर यूनिक आईडी ले सकेंगे। जिसे बाद में प्रगणक के साथ शेयर किया जा सकता है। भवनों की जियो-टैगिंग, जीपीएस लोकेशन, मकान का प्रकार और उपयोग की जानकारी भी दर्ज होगी। नगर आयुक्त परितोष वर्मा ने बताया कि डिजिटल प्रणाली से जनगणना प्रक्रिया अधिक तेज, सटीक और पारदर्शी होगी।

नगर निगम सभागार में आयोजित बैठक में उपस्थित लोग। ● अमृत विचार

एमपी में जुजित्सु प्रतियोगिता के लिए विवि की टीम चयनित

संवाददाता, हल्द्वानी

- अप्रैल में एमपी के भोपाल में आयोजित होगी प्रतियोगिता
- कुमाऊं विश्वविद्यालय की अंतर महाविद्यालयी क्रीड़ा प्रतियोगिता

अमृत विचारः कुमाऊं विश्वविद्यालय की अंतर महाविद्यालयी क्रीड़ा प्रतियोगिता के अंतर्गत एमबीपीजी कॉलेज हल्द्वानी की ओर से मंगलवार को मिनी स्टेडियम में जुजित्सु प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन आगामी अप्रैल में भोपाल में आयोजित होने वाली विश्वविद्यालय स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया।

महिला वर्ग में रुद्रपुर की शिवानी, लवली और कटाशा के साथ ही हल्द्वानी की पन्ना जोशी, पायल मेहता, मीनाक्षी पंत और साक्षी जोशी को टीम में शामिल किया गया है।

वहीं पुरुष वर्ग में हल्द्वानी के शशांक बोरा, रुद्रपुर के क्षितिज सिंह और नैनीताल के सुमित मेहरा का चयन ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता के लिए कुमाऊं विश्वविद्यालय की टीम में हुआ है।

इस दौरान राष्ट्रीय रेफरी विनय जोशी, कोच राहुल सिंह, ऋषिपाल, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. राजेश कुमार, डॉ. सुनीता बिष्ट, डॉ. जगत सिंह, हितेन मेहता, देवेंद्र सिंह रौतेला और जीवन भट्ट सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पेमेंट न मिलने पर बाउंसरों का हंगामा

- खिलाड़ियों की बसों को रोका

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम गौलापार में मैच समाप्त होने के बाद सोमवार को उस समय हंगामे की स्थिति बन गई, जब स्टेडियम में तैनात बाउंसरों ने अपनी पेमेंट न मिलने का आरोप लगाते हुए मुख्य गेट बंद कर दिया। इस दौरान खिलाड़ियों की बसें भी स्टेडियम परिसर के अंदर ही फंस गईं और कुछ समय तक किसी को भी बाहर नहीं जाने दिया गया।

बाउंसरों का कहना था कि उन्हें ड्यूटी के बदले अभी तक भुगतान नहीं किया गया है। इसी को लेकर उन्होंने स्टेडियम के मुख्य गेट के सामने धरना दे दिया और कहा कि जब तक उनकी पेमेंट नहीं की जाएगी, तब तक गेट नहीं खोला जाएगा और न ही कोई खिलाड़ी या वाहन बाहर जा सकेगा। इधर मैच समाप्त होने के बाद टीमों के खिलाड़ी होटल लौटने के लिए बसों में बैठ चुके थे, लेकिन गेट बंद होने के कारण उनकी बसें स्टेडियम के अंदर ही खड़ी रहीं। कुछ समय तक खिलाड़ियों और आयोजन से जुड़े अधिकारियों को भी इंतजार करना पड़ा। घटना की जानकारी मिलने के बाद आयोजन से जुड़े अधिकारी और प्रबंधन के लोग मौके पर पहुंचे और बाउंसरों से बातचीत की। काफी देर तक चली बातचीत के बाद मामला शांत कराया गया। आयोजन समिति की ओर से आश्वासन मिलने के बाद बाउंसरों ने स्टेडियम का गेट खोल दिया और खिलाड़ियों की बसों को बाहर जाने की अनुमति दे दी। अचानक हुए इस घटनाक्रम से कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी चर्चा होती रही।

भुगतान न होने पर आक्रोशित बाउंसर। ● अमृत विचार

भाजपा ने सांगठनिक कार्यक्रमों को लेकर किया विचार-विमर्श

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : भाजपा की आगामी सांगठनिक कार्यक्रमों को लेकर जगदंबा नगर रोड स्थित निजी बैंक्वेट हॉल में बैठक हुई। इसका शुभारंभ राष्ट्रीय महामंत्री व प्रदेश प्रभारी दुष्यंत गौतम, प्रदेश महामंत्री संगठन अजेय कुमार, प्रदेश महामंत्री तरूण बंसल, जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट व जिला प्रभारी खिलेन्द्र चौधरी ने किया।

राष्ट्रीय महामंत्री व प्रदेश प्रभारी गौतम ने कहा कि सभी पदाधिकारी आगामी सांगठनिक कार्यक्रमों में पूर्ण मनोयोग से जुटें एवं इन कार्यक्रमो को सफलता पूर्वक क्रियान्वित करें। उन्होंने राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव के निमित्त अभी से कमर कस कर बूथ स्तर पर अधिक गतिशील होकर संगठन को सशक्त बनाने के निर्देश दिए। प्रदेश महामंत्री संगठन अजेय कुमार ने पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत जिले में हो रहे मंडल प्रशिक्षण वर्गों की भी समीक्षा की। प्रदेश महामंत्री तरूण बंसल ने 21 मार्च को राज्य सरकार के 4 वर्ष पूर्ण होने पर हल्द्वानी में होने जा रहे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के कार्यक्रम की विधानसभावार योजना रचना पर चर्चा की। विधायक बंशीधर भगत, सरिता आर्य, डॉ. मोहन सिंह बिष्ट, राम सिंह कैड़ा, जिपं अध्यक्ष दीपा दरम्वाल, राजेन्द्र बिष्ट, जोगेन्द्र पाल सिंह रौतेला, दर्जा मंत्री सुरेश भट्ट, दिनेश आर्य, दीपक मेहरा, नवीन वर्मा, शान्ति मेहरा, शंकर कोरंगा, रेनू अधिकारी, अनिल कपूर डब्बू रहे।

स्वच्छता व विकास पर राष्ट्रीय संगोष्ठी शुरू

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में समाज, स्वच्छता व सतत विकास लक्ष्य : एक समाजशास्त्रीय चिंतन" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ मंगलवार को हुआ। संगोष्ठी में देशभर से आए विद्वान, शोधार्थी और विद्यार्थी प्रतिभाग कर रहे हैं।

संयोजक प्रो. रेनू प्रकाश ने बताया कि संगोष्ठी का उद्देश्य स्वच्छता और सतत विकास से जुड़े सामाजिक आयामों पर अकादमिक विमर्श को बढ़ावा देना है। विशिष्ट वक्ता प्रो. इन्दु पाठक ने स्वच्छता को सामाजिक संरचना और सामुदायिक सहभागिता से जोड़ा, जबकि प्रो. अराधना शुक्ला ने इसके मनोवैज्ञानिक पहलुओं पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि प्रो. जेपी पचौरी ने स्वच्छता और सतत विकास को वैश्विक महत्व का विषय बताया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ करते कुलपति डॉ. नवीन चंद्र लोहनी व अन्य अतिथि।

मुख्य वक्ता प्रो. जेके पुंडीर ने कहा कि स्वच्छता केवल भौतिक नहीं, बल्कि सामाजिक, मानसिक और सांस्कृतिक स्तर पर भी आवश्यक है। कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने इसे सामूहिक जिम्मेदारी और सामाजिक चेतना से जोड़ा। कार्यक्रम में संगोष्ठी स्मारिका का विमोचन भी किया गया। पहले दिन चार तकनीकी सत्रों में 34 से अधिक शोधपत्र प्रस्तुत हुए। इस मौके पर डॉ. नागेंद्र गंगोला, प्रो. डिगर सिंह फर्सवाण, डॉ. भावना डोभाल, डॉ. गोपाल सिंह गौनिया, शैलजा, डॉ. किशोर कुमार, डॉ. सीता, प्रो. मंजरी अग्रवाल, डॉ. घनश्याम जोशी, डॉ. शशांक शुक्ल, प्रो. सोमेश कुमार, प्रो. आशुतोष भट्ट, डॉ. नीरजा सिंह, डॉ. नीरज जोशी, डॉ. लता जोशी, हिमांशु पुनेठा, डॉ. द्विजेश उपाध्याय, डॉ. रंजू जोशी पांडे, ऋतंभरा नैनवाल, डॉ. आशीष टम्टा, डॉ. शालिनी चौधरी आदि उपस्थित रहे।

अनुराग को मिला एआई शिक्षण निगरानी का पेटेंट

हल्द्वानी : यूओयू हल्द्वानी के कंप्यूटर आईटी विभाग में सहायक निदेशक अनुराग भट्ट को एआई आधारित शिक्षण निगरानी प्रणाली के लिए भारत सरकार की ओर से डिजाइन पेटेंट दिया गया है। यह पेटेंट डिजाइन्स एक्ट, 2000 के तहत पंजीकृत है, जिसका सर्टिफिकेशन बीते 1 जनवरी को हुआ। यह नवाचार एआई तकनीक के माध्यम से शिक्षण प्रक्रिया की निगरानी, विश्लेषण और गुणवत्ता सुधार में सहायक होगा और डिजिटल शिक्षा व स्मार्ट क्लासरूम के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देगा। टीम में अनुराग भट्ट के साथ पवनीत कौर, जगप्रीत सिंह, डॉ. मनीष पांडे, डॉ. केके गौतम, डॉ. प्रशांत कुमार और डॉ. कपिल देव रहे। कुलपति प्रो. एनसी लोहनी ने बधाई दी है।

सड़क मरम्मत में देरी पर दिया धरना, आंदोलन की चेतावनी

संवाददाता, हल्द्वानी

- ग्रामीणों ने लोनिवि के ईई को दिया ज्ञापन, मिला आश्वासन
- अखिल भारतीय किसान महासभा के नेतृत्व में जताया विरोध

अमृत विचार : गौलापार के बागजाला क्षेत्र में सड़क मरम्मत और डामरीकरण में हो रही देरी से ग्रामीण भड़क उठे हैं। उन्होंने डामरीकरण में हो रही देरी के विरोध में ग्रामीणों ने अखिल भारतीय किसान महासभा के नेतृत्व में लोनिवि (लोक निर्माण विभाग) कार्यालय में धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद अधिशासी अभियंता प्रत्यूष कुमार को ज्ञापन सौंपा गया।

ग्रामीणों ने बताया कि 24 नवंबर को एसडीएम की मौजूदगी में हुए समझौते में सड़क मरम्मत, डामरीकरण, जल जीवन मिशन की पुनः शुरुआत समेत कई कार्यों पर सहमति बनी थी। इसके बावजूद विभाग ने आंशिक कार्य ही किया और शेष काम अब तक शुरू नहीं हुआ। ग्रामीणों का कहना है कि जर्जर सड़क के कारण आवागमन में भारी परेशानी हो रही है, जिससे बच्चों और बुजुर्गों को अधिक दिक्कत हो रही है।

भाकपा माले के जिला सचिव डॉ. कैलाश पांडे ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्य शुरू नहीं हुआ तो अनिश्चितकालीन आंदोलन किया जाएगा। ईई ने शीघ्र कार्य शुरू कराने का आश्वासन दिया।

सख्ती

नवरात्र को लेकर खाद्य विभाग ने व्यापारियों को दिए स्वच्छता के निर्देश

मिलावट की तो खैर नहीं, मानकों के साथ करें व्यापार

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः आगामी चैत्र नवरात्रि के दृष्टिगत जनपद नैनीताल में आमजन को सुरक्षित एवं शुद्ध खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन कार्यालय ने मंगलवार को खाद्य व्यापारियों के साथ बैठक की। बैठक में उपस्थित व्यापारियों को नवरात्र के दौरान विशेष रूप से फलाहार सामग्री जैसे कुट्टू आटा, सिंघाड़े का आटा, मखाना, साबूदाना, मूंगफली दाना, मिष्ठान, दूध एवं दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता सही रखने के निर्देश दिए।

सहायक आयुक्त एएस रावत ने कहा कि खाद्य पदार्थों में किसी भी प्रकार की मिलावट न की जाए। पैक्ड खाद्य पदार्थों पर निर्माण तिथि, समाप्ति तिथि व बैच नंबर स्पष्ट अंकित हों। प्रतिष्ठानों में रेट लिस्ट अनिवार्य रूप से प्रदर्शित की जाए। दुकानों पर एफएसएसएआई लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र प्रदर्शित किया जाए। खाद्य सामग्री को उचित तापमान पर सुरक्षित रखा जाए। वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने स्पष्ट किया कि शिकायत या अनियमितता पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में व्यापारी नेता विपिन गुप्ता, हितेंद्र भसीन, मनोज जायसवाल, राजकुमार आनंद, संजय गुप्ता, अमित शर्मा, बलदेव राज नारंग, सुनील आदि उपस्थित रहे।

दुकान में छापेमारी करते वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी अभय कुमार सिंह।

बाजार से लिए गए नमूने

बैठक के उपरांत वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी अभय कुमार सिंह ने हल्द्वानी बाजार क्षेत्र से कुट्टू आटे के दो नमूने, एक मखाना, एक लौंग और एक चावल का नमूना संग्रहित कर विश्लेषण हेतु राजकीय खाद्य प्रयोगशाला रुद्रपुर भेजा है। बताया कि नवरात्रि के दौरान विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाकर विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया जाएगा।

108 कुण्डीय महायज्ञ का भव्य आयोजन होगा

हल्द्वानी : राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की ओर से हिंदू नववर्ष के अवसर पर आज वाटिका बैंक्वेट हॉल में सुबह सात बजे 108 कुण्डीय महायज्ञ होगा। इसकी तैयारियों को लेकर एक बैठक हुई।

आयोजकों ने कहा कि इस आयोजन में सैकड़ों की संख्या में समाज की सज्जन शक्ति महायज्ञ के साक्षी बनेंगे। 108 कुण्डीय महायज्ञ में महामंडलेश्वर स्वामी सोमेश्वर यति महाराज अष्टा दशभुजा महालक्ष्मी मंदिर बेरीपड़ाव एवं मुख्य ब्रह्म प्रो. विनय विद्यालंकर होंगे। महायज्ञ के अन्त में हनुमान धाम छोई के मुख्य संस्थापक आचार्य विजय का आशीर्वचन एवं क्षेत्र सेवा प्रमुख धनीराम का सानिध्य प्राप्त होगा। अन्त में सभी भक्तों को प्रसाद वितरण किया जाएगा।

ब्लॉक स्तरीय पशु प्रदर्शनी में विजेता को पुरस्कृत करते अतिथि। ● अमृत विचार

सीता के पशु को मिला चैंपियन का पुरस्कार

भीमताल : विकासखंड भीमताल के ग्राम जंतवाल, लमजला में ब्लॉक स्तरीय पशुपालन विभाग की पशु प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि, ब्लॉक प्रमुख डॉ. हरीश सिंह बिष्ट ने प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। प्रतियोगिता में कुल 60 से अधिक पशुपालकों ने भाग लिया, जिनके पशुओं के बीच विभिन्न श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा हुई। सीता देवी के पशु को चैंपियन पशु का पुरस्कार दिया गया। विभिन्न श्रेणियों में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले पशुपालकों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया, जबकि अन्य प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रमुख ने कहा कि इस प्रकार की पशु प्रदर्शनी से पशुपालकों को उन्नत नस्ल के पशु पालन के लिए प्रोत्साहित किया जाता है और इसे स्वरोजगार के रूप में बढ़ावा मिलता है। वरिष्ठ पशु अधिकारी डॉ. दीक्षित ने पशुपालन से संबंधित जानकारी दी। अध्यक्षता ग्राम प्रधान हेमा जंतवाल ने की। ज्येष्ठ प्रमुख उमेश पलड़िया, बीडीसी अजय जंतवाल, गौरव रमोला, कमल जंतवाल, सुमित जंतवाल, आन सिंह, कुंदन सिंह, दिवान सिंह, भुवन सिंह, रेवती देवी, रेखा देवी, लता देवी, डॉ. दीक्षित, डॉ. स्वाति भोज, डॉ. कमला व डॉ. विनीता रहे।

चरस तस्करी के दोषी को 12 वर्ष की कैद

नैनीतालः नैनीताल की एनडीपीएस अदालत ने 3.7 किलो चरस तस्करी के मामले में आरोपी धाम सिंह को 12 वर्ष के कठोर कारावास और 1.20 लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। यह फैसला प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश संजीव कुमार ने दिया। अभियोजन के अनुसार, अक्टूबर 2018 में हल्द्वानी पुलिस ने धाम सिंह, निवासी दोबाड़ टोपनिया (कपकोट), को चरस के साथ गिरफ्तार किया था। उसके पास 1 किलो से अधिक चरस बरामद हुई, जबकि 2.7 किलो वह सचिन गुप्ता को बेच चुका था। बिक्री से प्राप्त 1.20 लाख रुपये भी बरामद हुए। सहायक शासकीय अधिवक्ता पूजा साह ने गवाह पेश किए, जिनके आधार पर अदालत ने उसे दोषी ठहराया।

सिटी ब्रीफ

चैंपियनशिप के लिए टीम का चयन 22 को

रुद्रपुर : जिमनास्टिक फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से सीनियर वर्ग स्टेटिक जिम्नास्टिक चैंपियनशिप का आयोजन 24 से 30 अप्रैल तक भुवनेश्वर उड़ीसा में कराया जा रहा है। इसके लिए टीम का ट्रायल 22 मार्च को प्रातः 10 बजे महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स स्टेडियम देहरादून के भागीरथी जिमनास्टिक हाल में आयोजित होगा। जिमनास्टिक एसोसिएशन ऑफ उत्तरांचल के अध्यक्ष डॉ. नागेंद्र शर्मा ने बताया कि सीनियर राष्ट्रीय जिम्नास्टिक चैंपियनशिप के लिए टीम का चयन होने के बाद टीम उड़ीसा में खेलने के लिए रवाना होगी। उन्होंने कहा कि ट्रायल के लिए खिलाड़ी के आधार कार्ड, उत्तराखंड स्थाई निवास प्रमाण पत्र, तीन पासपोर्ट साइज फोटो का होना अत्यंत आवश्यक है।

तमंचे व कारतूस के साथ नाबालिग धरा

रुद्रपुर : जनपद में अवैध हथियारों के प्रदर्शन पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में थाना ट्रांजिट कैंप पुलिस ने मुखबिर की सूचना और रात्रि गश्त के दौरान शास्त्री नगर निवासी एक नाबालिग को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, दरोगा पंकज सिंह महर की टीम ने गड्ढा कॉलोनी मार्ग पर संदिग्ध अवस्था में घूम रहे इस किशोर को घेराबंदी कर दबोचा। तलाशी लेने पर आरोपी के पास से एक तमंचा और एक कारतूस बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश कर दिया है।

गैस में बैकलॉग 1200, सिलेंडर पहुंचे 342

गैस सिलेंडर के लिए सुबह से लाइन में लगे रहे लोग, कई लोगों को बगैर सिलेंडर के जाना पड़ रहा वापस

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: रुद्रपुर में इंडेन गैस एजेंसी और भारत गैस एजेंसी में सुबह से ही लोगों की भीड़ लगी रही। वहीं इंडेन गैस में बैकलॉग 1200 तक पहुंच गया है। जबकि प्लांट से मात्र एक वाहन 342 सिलेंडर लेकर पहुंचा। इस दौरान बुकिंग पर्ची से मिलान के बाद सिलेंडरों का वितरण किया गया। सिलेंडर कम होने और लाइन अधिक होने के कारण कई लोगों को निराश होना पड़ा। वहीं सिलेंडर नहीं मिलने से कई लोग में आक्रोश भी देखा गया।

मंगलवार को भी सुबह से ही काशीपुर बाईपास रोड स्थित इंडेन गैस एजेंसी और आवास विकास स्थित भारत गैस एजेंसी में सुबह से ही उपभोक्ताओं की कतार लगनी शुरू हो गयी थी। इस दौरान एजेंसी के पट्टी प्लांट काशीपुर से सुबह के समय गैस सिलेंडरों से लदा एक वाहन पहुंचा। इसमें 342 सिलेंडर रखे हुए थे। गाड़ी पहुंचने के बाद लोगों को गैस सिलेंडरों का वितरण किया गया। जिन लोगों की पहले से बुकिंग थी उन्हें पहले सिलेंडर दिए गये।

पहले वाहन से सिलेंडर खत्म होते कई लोगों लाइन में ही खड़े रहे। लोगों को लगा कि उन्हें भी सिलेंडर मिलेंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। कई लोग काफी समय से रसोई गैस सिलेंडर का इंतजार करते रहे। एजेंसी प्रबंधन के अधिकारियों ने बताया कि सिलेंडर खत्म हो गये हैं अब लाइन में खड़े रहने से कोई फायदा नहीं। इससे लोग आक्रोशित हो गये।

प्रतिदिन 400 से 500 गैस सिलेंडरों की हो रही बुकिंग: इंडेन गैस प्रबंधन के अनुसार रुद्रपुर में फिलहान ऑनलाइन बुकिंग नहीं हो पा रही है। इस कारण लोगों की ऑफलाइन बुकिंग की जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन 400 से 500 लोगों की ऑफलाइन बुकिंग हो रही है। जिन लोगों की बुकिंग की गयी है उनसे तय तिथि पर गैस सिलेंडर लेने के लिए आने की अपील की गयी है।

गैस सिलेंडर के लिए लगी लाइन। ● अमृत विचार

> प्लांट को तीन गाड़ियों की डिमांड भेजी गयी थी। डिमांड के सापेक्ष एक गाड़ी एजेंसी पहुंची। गाड़ी में आये 342 गैस सिलेंडरों को वितरण कर दिया गया। 400 लोगों की ऑफलाइन बुकिंग हुई है। सभी को निर्धारित तिथि पर ही आने को कहा गया है। ताकि आसानी से गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जा सके।
>
> **-प्रमोद पांडे, प्रबंधक,** इंडेन गैस एजेंसी रुद्रपुर

तकनीकी खामियों से उपभोक्ता परेशान

बाजपुर : क्षेत्र में रसोई गैस की होम डिलीवरी शुरू होने से उपभोक्ताओं को राहत मिली है, लेकिन तकनीकी समस्याओं ने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। बेरिया दौलत और सुल्तानपुर पट्टी जैसे क्षेत्रों के उपभोक्ताओं ने शिकायत की है कि सिलेंडर मिलने से पहले ही उनके मोबाइल पर ' 'डिलीवरी सफल' ' होने के मैसेज आ रहे हैं। इस मुद्दे को लेकर मंगलवार को गैस कार्यालय पर उपभोक्ताओं का हंगामा हुआ, जिसे पुलिस ने हस्तक्षेप कर शांत कराया। दूसरी ओर, होटल यूनियन ने कॉमर्शियल गैस की आपूर्ति बहाल करने की मांग की है ताकि घरेलू गैस पर दबाव कम हो सके। एजेंसी संचालकों ने भविष्य में व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने का भरोसा दिलाया है।

सितारगंज में 818 उपभोक्ताओं के घर पहुंची गैस

सितारगंज : शहर में घरेलू गैस सिलेंडर की सुचारु आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन और खाद्य विभाग ने गैस एजेंसियों के साथ मिलकर होम डिलीवरी व्यवस्था लागू कर दी है। सोमवार को नगरीय क्षेत्र के 818 उपभोक्ताओं के घरों तक गैस सिलेंडर पहुंचाए गए। क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी डीएस धामी ने बताया कि सोमवार को क्षेत्र की सभी पांच गैस एजेंसियों ने घरेलू गैस सिलेंडरों का वितरण होम डिलीवरी के माध्यम से किया। व्यवस्था को सुचारु और पारदर्शी बनाने के लिए एसडीएम ने नगर पालिका के ईओ को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। नगर पालिका कर्मचारियों की टीम भी वितरण करने वाले कर्मचारियों के साथ मौजूद रही, ताकि गैस वितरण में किसी प्रकार की गड़बड़ी न हो। उन्होंने बताया कि मंगलवार से ऑनलाइन बुकिंग वाले गैस सिलेंडरों की होम डिलीवरी पहले की तरह निर्धारित व्यवस्था के अनुसार सुनिश्चित कर दी जाएगी। खाद्य अधिकारी ने उपभोक्ताओं से अपील की कि गैस एजेंसियों या उनके आसपास अनावश्यक रूप से लाइन न लगाएं। इसके बावजूद कई एजेंसियों के पास उपभोक्ता लंबी कतार में खड़े दिखाई दिए।

लोगों ने सड़क पर सिलेंडर रखकर किया उग्र प्रदर्शन

दिनेशपुर में सड़क जाम करते गुस्साए उपभोक्ता।

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार: एलपीजी गैस सिलेंडर की किल्लत से गुस्साए लोगों ने खाली सिलेंडर के साथ सड़क जाम कर सांकेतिक प्रदर्शन किया। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन ने मौके में पहुंचकर जाम खुलवाया। दोपहर बाद सिलेंडर आने पर लोगों का गुस्सा शांत हुआ।

मंगलवार को उपभोक्ताओं ने भारत गैस सिलेंडर न मिलने पर गुस्साए उपभोक्ताओं ने वितरण स्थल के सामने गूलरभोज मार्ग पर खाली सिलेंडर लगाकर सांकेतिक जाम कर प्रदर्शन किया। उपभोक्ताओं का कहना था कि विगत तीन दिनों से भारत गैस के सिलेंडरों की सप्लाई ठप है। बुजुर्गों व महिलाओं ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि आधी रात के बाद तीन दिनों से खाली सिलेंडर लेकर लाइन लगाकर दिन भर इंतजार के बाद शाम को घर लौट रहे हैं। रोज काम बंद करना पड़ रहा है। घर में खाना बनाने के लिए सिलेंडर खत्म हो चुका है। मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष रविंद्र सिंह बिष्ट ने गुस्साए उपभोक्ताओं को काफी समझाकर जाम खुलवाया। उन्होंने उपजिलाधिकारी ऋचा सिंह को इसकी सूचना दी। दोपहर 2 बजे पहुंचे हिबा भारत गैस एजेंसी लालपुर द्वारा 140 सिलेंडर लाकर वितरण किए। जिस पर उपभोक्ता शांत हुए। गैस उपभोक्ताओं की परेशानी को देखते हुए पूर्व विधायक प्रेमानंद महाजन, कांग्रेस प्रदेश महामंत्री ममता हालदार, जिला पंचायत पूर्व उपाध्यक्ष त्रिनाथ विश्वास व कांग्रेस नगराध्यक्ष नारायण हालदार ने हिबा भारत गैस एजेंसी के कर्मचारियों से वार्ता की। इस मौके पर सुधांशु राय, अशोक स्वर्णकार, शिखा मंडल, ललिता गाईन, सुधा मिस्त्री, शिफाली सरकार, उमा मिस्त्री, नमिता हालदार, पुष्पा देवी आदि मौजूद रहे।

विधायक शिव अरोरा को किया गया सम्मानित

विधायक शिव अरोरा का स्वागत करते विहिप और बजरंग दल कार्यकर्ता।

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: गैरसैंण विधानसभा के दौरान रुद्रपुर विधायक शिव अरोरा ने जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने कि मांग को सदन में उठाया था। इसको लेकर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग के पदाधिकारियों ने आवास विकास स्थित विश्व हिन्दू परिषद मातृ शक्ति कार्यालय में विधायक को रामदरबार व तलवार भेंट कर स्वागत किया।

मंगलवार को स्वागत कार्यक्रम के दौरान विश्व हिन्दू परिषद के जिला मंत्री राजेंद्र मेहरा ने कहा कि विधायक अरोरा हिंदू के विषय को सदैव मुखर होकर उठाते आये हैं। इससे पूर्व भी विधायक अरोरा ने लेंड जिहाद, लव जिहाद के विषय को भी उत्तराखंड विधानसभा में उठाया है। जिसके परिणामस्वरूप लोगों में जनजागरण का कार्य हुआ। इसका ताजा उदाहरण इंद्रा चौक अवैध निर्माण को हटाने का कार्य प्रशासन द्वारा किया गया।

इस दौरान जिला मातृशक्ति संयोजिका अर्चना सिंह, सचिन शर्मा रुद्रपुर इकाई अध्यक्ष विहिप, सुदेव दास गुप्ता, जोगेंद्र चौहान, यश चौहान, प्रिंस कोली, शिव शंकर, सांसद प्रतिनिधि कपिल शर्मा, रमेश बिष्ट, यशू श्रीवास्तव, मनोज मदान, मयंक कक्कड़, राजीव कामरा, सुनील सागर, डम्पी चोपड़ा आदि मौजूद रहे।

किताब माफिया सहित तीन पर मुकदमा

- **नकली एनसीईआरटी किताब का मामला: गोदाम स्वामी की भूमिका की होगी तफ्तीश, सहायक उत्पादन अधिकारी ने कराया मुकदमा**

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: एनसीईआरटी की नकली किताबों का जखीरा बरामद होने के बाद अब पुलिस और एनसीईआरटी (राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद) ने भी शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। जिसको लेकर सहायक उत्पादन अधिकारी एनसीईआरटी भारत सरकार की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। साथ ही किताब माफिया सहित तीन नामजद अभियुक्तों के खिलाफ तफ्तीश शुरू कर दी है।

यहां बता दें कि शनिवार की रात्रि मिली सूचना के आधार पर कोतवाली पुलिस ने कीरतपुर मुख्य मार्ग से ट्रक संख्या यूपी-37 बीटी-0562 को पकड़ा था। पूछताछ में पता चला कि किताबें नजदीक ही स्थित एक निजी गोदाम से लोड की गई थी। जब पुलिस ने डीईओ हरेंद्र मिश्रा के साथ गोदाम में छापा मारा तो किताबों का जखीरा बरामद हुआ। अब सवाल यह था कि दस लाख से अधिक एनसीईआरटी किताब असली हैं या फिर नकली। जिसकी पुष्टि करने के लिए पुलिस ने एनसीईआरटी दिल्ली को सूचित किया। सोमवार को एनसीईआटी की टीम ने मौका मुआयना किया और किताबों की जांच की। इस दौरान जांच में पता चला कि एनसीईआरटी की किताब मानकों के अनुरूप नहीं है और एनसीईआरटी का वाटर मार्क नहीं छपा है। एनसीईआरटी के स्थान पर एससीईआरटी का वाटरमार्क छपा हुआ है। इसके अलावा एनसीईआरटी के नियमों का पालन भी नहीं किया। जिससे साफ होता है कि किताब माफिया द्वारा नकली एनसीईआरटी किताबों की छपाई कर गोपनीय तरीके से गोदाम में रखी गयी थी। कई घंटों की जांच के बाद एनसीईआरटी के सहायक उत्पादन अधिकारी दीपक कुमार ने हरार हर्रा मेरठ निवासी संदीप कुमार, गोदाम स्वामी राजेश कुमार जैन और शाहरुख के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। साथ ही एनसीईआरटी व पुलिस की संयुक्त टीम ने नामजद अभियुक्तों के खिलाफ शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। वहीं पुलिस फरार चल रहे नामजद अभियुक्तों की सरगर्मी से तलाश कर रही है।

गोदाम के बाहर किताबों की जांच करते एनसीईआरटी के अधिकारी।

घटिया क्वालिटी पेपर में छपी थी किताब

रुद्रपुर : एनसीईआरटी टीम की जांच में यह भी सामने आया है कि असली एनसीईआरटी की पेपर क्वालिटी बेहतर होती है, लेकिन बरामद नकली किताबों की पेपर क्वालिटी निम्न स्तर की थी। अधिकतर किताब निर्धारित मशीनों से प्रिंट नहीं की और जिस गोदाम में किताबों का भंडार मिला था। वह एनसीईआरटी किताबों के मुद्रण एवं भंडारण के लिए अधिकृत नहीं किया गया था। इसके अलावा एनसीईआरटी के चिह्न का कूटकरण का नया वाटर मार्क बनाया गया जो कि विद्यार्थी व अभिभावकों के साथ धोखाधड़ी है।

भारत सरकार को हुआ करोड़ों का नुकसान

रुद्रपुर : एनसीईआरटी के सहायक उत्पादन अधिकारी व सहायक व्यापार प्रबंधक ने बताया कि किताब माफिया ने नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए किताबें छापकर भंडारण कर बेची जा रही थी। वहीं एनसीईआरटी के लोगों व नियमों को ताक पर रखकर भारत सरकार को आर्थिक क्षति पहुंचाने का भी काम किया है। कारण गोदाम से बरामद दस लाख किताबों की अनुमानित कीमत नौ से दस करोड़ रुपये आंकी गई है। इस धांधली में किताब माफिया संदीप और गोदाम स्वामी राजेश जैन की भूमिका बेहद ही संदेहास्पद है और मिलीभगत के कारण ही जनवरी माह में गोदाम संदीप को किराया पर दिया था। संभावना जताई है कि नकली किताबें रखे जाने की जानकारी गोदाम स्वामी को हो चुकी है।

> कोतवाली पुलिस की सजगता से एनसीईआरटी की नकली किताबों का जखीरा बरामद हुआ और किताब माफिया सहित गिरोह का नाम सामने आया है। फिलहाल एनसीईआरटी टीम की तस्दीक के बाद मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच में यह भी सामने आया है कि गोदाम स्वामी व किताब माफिया ने फायर ब्रिगेड से फायर की एनओसी नहीं ली। इसके अलावा कई विभागों से अनुमति व नियमों का अवहेलना की है। इसकी जांच के लिए कोतवाली पुलिस की एक टीम गठित की है। **-अजय गणपति कुंभार,** एसएसपी

पुराना बकाया जोड़कर बिल भेजने से आक्रोश

यूपीसीएल के अधिशासी अभियंता को समस्या बताते व्यापारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: शहर के अनेक व्यापारियों के बिजली बिलों में वर्ष 2023 व 2024 का बकाया जोड़कर भेजे जाने पर व्यापारियों ने नाराजगी जताई है। इसको लेकर व्यापारियों ने यूपीसीएल के अधिशासी अभियंता राजीव चतुर्वेदी से मुलाकात कर समस्या बतायी। इस दौरान व्यापारियों ने जल्द समस्या का समाधान नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

मंगलवार को यूपीसीएल के अधिशासी अभियंता से मुलाकात के दौरान व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय जुनेजा ने कहा कि जब विद्युत विभाग प्रत्येक वर्ष मार्च माह में अपनी क्लोजिंग करता है तो 3-4 वर्ष पुराने बकाया बिल अब क्यों जोड़े जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार अचानक पुराने बकाया जोड़ने से व्यापारियों का आर्थिक व मानसिक उत्पीड़न हो रहा है जो पूरी तरह अनुचित है।

उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान में जो बिल व्यापारियों को प्राप्त हो रहे हैं उनमें पिछले बकाया का कोई स्पष्ट उल्लेख नहीं है। इससे यह प्रतीत होता है कि यूपीसीएल ने व्यापारियों को अनावश्यक रूप से परेशान किया जा रहा है, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस मौके पर पारस छाबड़ा, राजकुमार सिकरी, हरविंदर सिंह, रोहित जग्गा सहित कई व्यापारी उपस्थित रहे।

नवरात्र पर मंदिरों को चमकाएगा निगम

संवाददाता, रुद्रपुर

महापौर विकास शर्मा।

अमृत विचार: शक्ति की उपासना के पावन पर्व चैत्र नवरात्र पर्व को लेकर नगर निगम ने तैयारी शुरू कर दी है। नवरात्र के अवसर पर शहर के प्रमुख मंदिर न केवल स्वच्छता से महकेंगे, बल्कि भव्य साज-सज्जा और आकर्षक रोशनी से भी जगमगाएंगे। इसके लिए महापौर विकास शर्मा ने निगम की टीम को विशेष दिशा-निर्देश जारी किए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को मंदिरों में भक्तिमय और स्वच्छ वातावरण मिल सके।

मंगलवार को महापौर शर्मा ने बताया कि नवरात्र के दौरान मंदिरों में भारी भीड़ उमड़ती है, जिसे देखते हुए विशेष सफाई अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है। अभियान के तहत बुधवार को वह स्वयं नगर आयुक्त शिप्रा जोशी पांडे और निगम की टीम के साथ पांच मंदिर पहुंचकर स्वच्छता अभियान चलाएंगे और शहरवासियों को मंदिरों में पवित्रता और स्वच्छता बनाए रखने का संदेश देंगे। उन्होंने बताया कि नगर निगम ने मंदिरों की सजावट को लेकर भी विशेष योजना बनाई है। शहर के प्रमुख मंदिरों को रंग-बिरंगी लाइटों और आकर्षक मालाओं से सजाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछली बार भी नगर निगम ने नवरात्र पर मंदिरों को सजाने की परंपरा शुरू की थी, जिसे इस बार और भी भव्य रूप दिया जा रहा है। महापौर ने कहा कि यह पर्व हमारी प्राचीन सनातनी संस्कृति और सभ्यता का अटूट हिस्सा है। शक्ति की उपासना का यह नौ दिवसीय अनुष्ठान हमें बुराइयों का त्याग कर अच्छाई के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड

HINDUJA HOUSING FINANCE

कॉर्पोरेट कार्यालयः नं. 167-169, द्वितीय तल, अन्ना सलाई, सैदापेट, चेन्नई-600015, ईमेलः auction@hindujahousingfinance.com

असवानी कॉम्प्लेक्स गोल्डन फर्नीचर के पास बरेली रोड हल्द्वानी-263132

आरएलएम–ब्रजेश अवस्थी–9918301885, आरआरएम– हरिश चंद यादव, 7060411785, सीएलएम– श्री रवि दीक्षित 9794347032, सीआरएम– अनिल कुमार, 9927028507

भौतिक कब्जा सूचना

जबकि अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियो के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रति भूति हित अधिनियम के प्रवर्तन के अधीन **हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड**, का प्राधिकृत अधिकारी होने तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 (2002 का नं. 3) के नियम के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत शक्तियो के अंतर्गत निम्नलिखित कर्जदारों (तदोपरान्त कर्जदार एवं गारंटरों को संयुक्त रूप से "कर्जदार" कहा गया है) को निम्नांकित दिनांको को मांग नोटिस जारी किया था जिसमें उल्लेखित राशि प्रत्येक खाते के आगे वर्णित है उक्त सूचना की तिथि से 60 दिनों के अंदर भुगतान करने को कहा गया था।

कर्जदार उक्त राशि का भुगतान करने मे असफल हो गये है, इसलिए एतद्द्वारा कर्जदार और गारंटर तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने इसमे नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा, उक्त अधिनियम की धारा 13(4), उक्त नियमो के नियम 8 के साथ पठित के अधीन उन्हे प्रदत्त शक्तियों के इस्तेमाल के अन्तर्गत सम्पत्ति का कब्जा नीचे प्रत्येक खाते के सामने अंकित के अनुसार लिया है। विशेष रूप से कर्जदार और गारंटर तथा जनसाधारण को एतद्द्वारा उक्त संपत्ति के साथ लेन–देन न करने के लिए सावधान किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी लेन देन **हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड**, के प्रभार वास्ते निम्नलिखित राशि और उपरोक्तानुसार राशि पर संविदात्मक दर पर भविष्य का ब्याज, आकस्मिक खर्चे, लागत, प्रभार इत्यादि सहित के अधीन होगा। उधारकर्ता का ध्यान एक्ट की धारा 13 की उप धारा (8), के प्रावधानों के अंतर्गत सुरक्षित परिसंपत्तियों के मुक्त करने हेतु उपलब्ध समय सीमा की ओर आकर्षित किया जाता है।

क्र. सं.	कर्जदार/गारन्टर के नाम एवं पता	मांग सूचना की तारीख / कब्जा सूचना की तिथि	बकाया राशि	अचल सम्पतियों का विवरण
1	UP/UDA/RUDR/A000000171 श्री चंद्र प्रकाश एवं श्रीमती रेशम वती एवं श्रीमती रेशम वती, सभीः गांव डोपाहरिया किछा, किछा, ग्रामीण, किछा, उत्तराखंड, भारत – 263148	23-10-2024 / 13-03-2026 भौतिक	₹ 12,89,803 दिनांक 21-10-2024 तक + ब्याज इत्यादि	खेत नं 363,एनए,गांव डोपेहरिया,बरेली रोड, यूएस नगर, डोपेहरिया गॉं, किछा, उत्तराखंड, 263148 प्लॉट क्षेत्रफल 1116, सीमाएंः उत्तर = सड़क 18, दक्षिण= क्रेता का प्लॉट पूर्व=खरीदार की बहन की संपत्ति, पश्चिम=सड़क 20 फीट चौड़ी

दिनांक : 17-03-2026, स्थान : हल्द्वानी

प्राधिकृत अधिकारी, हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

9532374039 8077909468

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरे डी.एल.की अनुज्ञप्ति संख्या UK-0420000050852 मे मेरा नाम LAKHAVINDAR SINGH S/O GURAMEJ SINGH गलत दर्ज हो गया है जबकी सही वह वास्तविक नाम LAKHAVINDER SINGH S/O GURMEJ SINGH दर्ज किया जाए।

विवाद | पुलिस-जिला प्रशासन ने बैरिकेडिंग हटाने से किया इनकार, कहा-अपनी-अपनी मस्जिदों में पढ़ें नमाज

काले फीते बांधकर ईद मनाएगा मुस्लिम समाज

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: खेड़ा स्थित ईदगाह पर रमजान की नमाज पढ़ने की कोशिश विफल होती दिख रही है। जहां एक ओर जिला एवं पुलिस ने ईदगाह का निरीक्षण किया। वहीं बैरिकेडिंग हटाने का आग्रह ठुकराते हुए अपनी-अपनी मस्जिदों में ईद की नमाज पढ़ने का ऐलान किया। जिसके बाद मुस्लिम नेताओं ने भी ऐलान किया कि ईद खुशियों का त्यौहार होता है, लेकिन जिस प्रकार शासन-प्रशासन ने हठधर्मिता दिखाई। उसके बाद मुस्लिम समाज में काले फीते बांधकर गमजदा माहौल में नमाज पढ़ेगा, लेकिन आखिरी वक्त तक मुस्लिम समुदाय प्रशासन से अनुरोध करता रहेगा।

बताते चलें कि दिसंबर माह में न्यायालय के आदेश पर जिला एवं नगर निगम प्रशासन की टीम ने भारी पुलिस फोर्स लगाकर खेड़ा बस्ती स्थित ईदगाह की करीब 11 एकड़ ईदगाह भूमि पर कार्रवाई करते हुए आठ एकड़ भूमि पर अपना कब्जा कर दिया और करीब तीन एकड़ ईदगाह की भूमि को छोड़ दिया था। जिसके बाद से ही मुस्लिम समुदाय वर्ष में दो बार ईद की नमाज कैसे पढ़ने का मुद्दा उठाता रहा। उनका कहना था कि भारत में ऐसा कोई स्थान नहीं है जहां ईदगाह नहीं है। बावजूद प्रशासन रमजान की ईद की नमाज पढ़ने का अनुमति नहीं दे रहा है।

दावा था कि पिछले 50 सालों से हजारों की तादाद में मुस्लिम ईद की नमाज पढ़ता आ रहा है और बची हुई भूमि पर एक साथ होकर नमाज पढ़ना संभव नहीं है। मंगलवार की शाम को एसडीएम गौरव पांडेय, सीओ सदर प्रशांत कुमार, कोतवाल मनोज रतूड़ी, एलआईयू शाखा प्रभारी सुनील पाठक भारी पुलिस फोर्स के साथ ईदगाह पहुंचे और बैरिकेडिंग हटाने व दो घंटे की नमाज पढ़ने की अनुमति मांगी। जिसको प्रशासन ने ठुकरा दिया। उसके बाद से मुस्लिम नेताओं ने तीखी अंदाज में अपनी प्रतिक्रिया देते हुए ऐलान किया कि खुशियों वाले त्यौहार को अब गमजदा माहौल में मनाया जाएगा और मुस्लिम समाज काले फीते बांधकर अपनी-अपनी मस्जिद के अलावा बची हुई ईदगाह स्थल पर कम संख्या में आकर नमाज पढ़ेगा।

ईदगाह का निरीक्षण करने पहुंची पुलिस। ● अमृत विचार

रिजवी बोले गम-अफसोस के साथ मनाएंगे ईद

रुद्रपुर : वक्फ बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष एवं दर्जा राज्यमंत्री मौलाना जाहिद रजा रिजवी ने कहा कि पिछले कई दिनों से मुस्लिम समाज शासन-प्रशासन से वर्षों पुरानी ईदगाह पर नमाज पढ़ने की अनुमति मांग रहा है, लेकिन भारत में पहली बार नमाज नहीं पढ़ने दी जा रही है। बावजूद मुस्लिम समाज गम व अफसोस के साथ अपनी-अपनी मस्जिद में नमाज पढ़ेंगे और सांकेतिक तौर नमाज पढ़ने के साथ ही काली पट्टी बांधकर नमाज पढ़ेंगे। ताकि अपना गम दिखाया जा सके।

एसडीएम बोले-सौहार्द के साथ मनाई जाएगी ईद

प्रभारी एसडीएम गौरव पांडेय ने कहा कि ईदगाह का स्थलीय निरीक्षण किया था। जिसमें बैरिकेडिंग हटाने और दो घंटे की अनुमति देने का मुद्दा उठाया गया, लेकिन न्यायालय के आदेशों के चलते अनुमति नहीं दी गई है। आदेश दिया गया है कि ज्यादातर मुस्लिम समुदाय अपनी-अपनी मस्जिदों में ईद की नमाज पढ़ें और खेड़ा स्थित बचे हुए स्थान पर कम संख्या में आएं। समुदाय से सौहार्दपूर्ण वातावरण में ईद मनाने का आह्वान किया है।

शाही इमाम बोले-खुशियों को रखा जाएगा दरकिनार

बार-बार दो घंटे की अनुमति मांगी। इतनी नफरत होगी। ऐसा मुस्लिम समुदाय नहीं सोचा था। बावजूद प्रयास जारी रहेगा। ईद की नमाज जरूरी है। सिर्फ नमाज ही अदा करेंगे, लेकिन ईद की खुशियों को दरकिनार करेंगे। यदि प्रशासन इजाजत दे देता तो शायद हजारों मुस्लिम समुदाय अपना त्यौहार मनाता। आखिरी वक्त तक प्रयास रहेगा कि डीएम दो घंटे की अनुमति प्रदान करे। कारण देश का मुस्लिम हमेशा एकता और अखंडता बरकरार रखने का प्रयास करता आ रहा है। देश की आजादी में भी अहम भूमिका निभाई। आखिरी वक्त तक मुस्लिम समुदाय को उम्मीद रहेगी।

ब्रीफ न्यूज

हिमांशु एवं ऋषभ का नवोदय विद्यालय में चयन

शक्तिफार्म : राजकीय प्राथमिक विद्यालय आनंदनगर तिलियापुर के दो छात्र ऋषभ कुमार और हिमांशु कुमार आर्या का जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा छह में प्रवेश के लिए चयन हुआ है। ऋषभ ने 95 फीसदी अंक हासिल कर जनपद में दूसरा स्थान प्राप्त किया। हिमांशु ने 81 फीसदी अंक प्राप्त किया। प्रधानाध्यापक जयंत मंडल, धर्मा देवी, पूरन डसीला, महेश कुमार, हृदेश चौहान, तापस मिस्त्री, अनुकूल मंडल, सुंदर डसीला आदि ने दोनों छात्रों को बधाई दी है।

चलती कंबाइन मशीन में चालक को पड़ा दौरा

शक्तिफार्म : गुरुग्राम गांव में सरसों फसल की मढ़ाई के लिए खेत में कंबाइन मशीन लेकर जा रहे चालक को दौरा पड़ने से कंबाइन सड़क किनारे खंती में गिर गई। वहां मौजूद लोगों ने चालक को बाहर निकाला। उसे हल्की चोटें आई है। सूचना मिलने पर कंबाइन स्वामी ने दो क्रेन की मदद से कंबाइन को खंती से बाहर निकाला।

ब्लॉक सभागार में थारू होली महा महोत्सव आज

खटीमा : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के आतिथ्य में ब्लॉक परिसर में थारू होली महा महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। बुधवार को होने वाले कार्यक्रम की समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। ब्लॉक प्रमुख सरिता राणा, सांसद प्रतिनिधि रविन्द्र सिंह राणा ने बताया कि मुख्यमंत्री धामी इस दौरान विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण भी करेंगे। 18 मार्च को आयोजित थारू होली महा महोत्सव में क्षेत्र की होल्यारों की टीमें रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगी। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चन्द्र जोशी मौजूद रहेंगे।

लाखों की स्मैक के साथ नशा तस्कर को दबोचा

किच्छा : पुलभट्टा थाना पुलिस की टीम ने गश्त के दौरान नशा तस्कर पुरानी गल्ला मंडी, कोतवाली किच्छा निवासी शिव कुमार को 15 .33 ग्राम स्मैक (हेरोइन) के साथ दबोच लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी है। बरामद स्मैक की कीमत करीब 2 लाख रुपये से अधिक आंकी गई है। थाना प्रभारी प्रदीप मिश्रा ने बताया कि आरोपी के अपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाई जा रही है।

कामना सागर में हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

मतुआ मेला में हरिबोल के उद्घोष से गूंजा दिनेशपुर क्षेत्र, श्री हरीचांद गुरुचांद धर्म मंदिर परिसर में आयोजित मेले के दूसरे दिन उमड़ा जनसैलाब

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार: श्री हरिचांद गुरुचांद धर्म मंदिर में मतुआ संप्रदाय के महावारूणी स्नान पर हजारों अनुयायियों ने श्रद्धा की डुबकी लगाई। इस दौरान पूरा क्षेत्र हरिबोल के उद्घोष से गूंजायमान हो उठा।

मंगलवार को मेलाधिकारी तहसीलदार देवेंद्र सिंह बिष्ट व थानाध्यक्ष रविंद्र सिंह बिष्ट की देखरेख में मतुआ मेले के दूसरे दिन आचार्य स्वामी विवेकानंद महाराज की अगुवाई में श्रीहरिचांद ठाकुर के जन्मोत्सव पर अनुयायियों ने मधुकृष्णा त्रयोदशी पर महावारुणी स्नान किया। मुख्य स्नान में जिले के अलावा नैनीताल, चंपावत, हरिद्वार, देहरादून और यूपी के रामपुर, पीलीभीत, मुरादाबाद, बिजनौर, बहराइच व दिल्ली से अनुयायी पहुंचे। आचार्य स्वामी विवेकानंद महाराज व पुजारी विनय राय परिमल, कमल राय ने मंत्रोच्चारण के बीच के साथ सात समुद्रों, 13 नदियों व 12 तीर्थों के पवित्र जल को मिलाकर कामना सागर में डालकर फल दान किए। इससे पूर्व नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में प्रथम रथ पर श्री हरिचांद ठाकुर व शांति माता के साथ मतुआ धर्म प्रचारक आचार्य स्वामी गोपाल महाराज का चित्र रखा था। उसके पीछे चल रहे दूसरे रथ पर मठाधीश आचार्य स्वामी विवेकानंद महाराज बैठे थे। शोभा यात्रा में सबसे आगे अनुयायी ढोल- नगाड़ों के साथ हरिबोल..., उद्घोष करते हुए नृत्य करते एवं उनके पीछे सैकड़ो अनुयायी पैदल चल रहे थे। शोभा यात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया।कार्यक्रम में विधायक अरविंद पांडेय, रुद्रपुर विधायक शिव अरोरा, नगर पंचायत अध्यक्ष मनजीत कौर, पूर्व अध्यक्ष काबल सिंह विर्क, सांसद प्रतिनिधि प्रीत ग्रोवर, नपू पूर्व अध्यक्ष सीमा सरकार, पूर्व विधायक प्रेमानंद महाजन, जिपं उपाध्यक्ष त्रिनाथ विश्वास, कांग्रेस प्रदेश महामंत्री ममता हालदार, भाजपा मंडल अध्यक्ष विश्वजीत मंडल, जिला उपाध्यक्ष अमित नारंग, व्यापार मंडल अध्यक्ष राजेश नारंग, जिपं पूर्व उपाध्यक्ष त्रिनाथ विश्वास, हिमांशु सरकार, डॉ सुधीर राय, शंकर मंडल, आशुतोष राय, समाजसेवी नित्यानंद मंडल, डॉ. शंकर हालदार, केके गावा, सहकारी समिति पूर्व डायरेक्टर हरजीत सिंह विर्क, व्यापारी नेता विशंभर लाल मिगलानी, समाजसेवी बलविंदर साहू, रमेश बैरागी, मनोज राय उर्फ मुन्ना, डॉ सिमरन पांडे, समाजसेवी हरिदास मंडल, दीपांकर मंडल, प्रकाश माझी, राजू गाईन, अशोक कालड़ा, गोपाल चक्रवर्ती, सूरज राय, सागर सिंह, विजय ढाली आदि मौजूद रहे।

महावारूणी स्नान से पूर्व शोभा यात्रा में रथ पर सवार आचार्य विवेकानंद महाराज।

धार्मिक कार्यक्रम में दिखा चुनावी रंग

दिनेशपुर : मतुआ महामेला महावारुणी स्नान महोत्सव में विधानसभा 2027 का असर देखने को मिला। श्री हरिचांद- गुरुचांद धर्म मंदिर के मठाधीश आचार्य स्वामी विवेकानंद महाराज से पार्टी से टिकट मिलने व जीत का आशीर्वाद लेते हुए जनप्रतिनिधियों की होड़ लगी देखी गई। इस मौके पर रुद्रपुर विधायक शिव अरोरा, भाजपा प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा, कांग्रेस प्रदेश महामंत्री ममता हालदार, जिला पंचायत पूर्व उपाध्यक्ष त्रिनाथ विश्वास, पूर्व विधायक प्रेमानंद महाजन, समाजसेवी बलविंदर साहू, समाजसेवी हरिदास मंडल, सांसद प्रतिनिधि प्रीत ग्रोवर आदि मौजूद रहे।

गांवों में भी सामूहिक पूजा व स्नान

दिनेशपुर : महावारुणी पर्व पर अनुयायियों ने गांव के निकट की नदियों में सामूहिक पूजा के बाद स्नान किया। इस दौरान जगदीशपुर, पंचानपुर, शिवपुर, खटोला, कालीनगर, आनंदखेड़ा, रामबाग, अमृतनगर व हरिपुरा जलाशय में लोगों द्वारा सामूहिक स्नान किया गया। इधर श्री हरिचांद- गुरुचांद धर्म मंदिर में महावारुणी महोत्सव पर कामना सागर में स्नान पर जाफरपुर मार्ग प्रातः 6 बजे से दोपहर 3 बजे हुआ तक बंद रखा गया।

महावारुणी स्नान पर उमड़े श्रद्धालु

संवाददाता शक्तिफार्म

अमृत विचार : मतुआ संप्रदाय के संस्थापक श्री श्री हरिचांद ठाकुर की 215वीं जयंती के अवसर पर मंगलवार को महावारुणी स्नान के तहत श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान हजारों अनुयायियों ने आस्था की डुबकी लगाकर, सुख-समृद्धि की कामना की।

गुरुग्राम स्थित मंदिर परिसर में मधु कृष्ण त्रयोदशी के पावन अवसर पर मतुआ संत कालीपद महाराज, मुकुलानंद महाराज और माखन गोसाई ने गंगा पूजन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की। हरिनाम जाप करते हुए संतों ने कृत्रिम 'कामना सागर' में स्नान कर महावारुणी अनुष्ठान का शुभारंभ किया। इसके बाद दूर-दराज से पहुंचे हजारों अनुयायी भी कृत्रिम कामना सागर में उतरकर श्रद्धा की डुबकी लगाई। मंदिर परिसर में दिनभर अखंड हरिनाम कीर्तन की गूंज रही, वहीं श्रद्धालुओं के लिए अटूट लंगर की व्यवस्था भी जारी रही। विभिन्न राज्यों से पहुंचे संतों ने अनुयायियों को, श्री श्री हरिचांद ठाकुर के उपदेशों का पालन करने का संदेश दिया। उन्होंने सत्य बोलने, पराई स्त्री को मातृ स्वरूप मानने, प्रेम व सद्भाव बनाए रखने, जातिभेद से दूर रहने और प्रतिदिन प्रभु स्मरण व प्रार्थना करने की प्रेरणा दी। इधर महावारूनी स्नान में पहुंचे मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख उपकार सिंह बल ने मंदिर परिसर में हाई मास्क लाइट लगाने, मंदिर परिसर में पेयजल व्यवस्था के लिए टंकी लगवाने एवं भंडारे स्थल पर बर्तन स्टैंड बनवाने की घोषणा की। इस मौके पर कमेटी अध्यक्ष जयंत मंडल, रविंद्र विश्वास, जयंत विश्वास, किरण बसु, सुधांशु सिकदार, तपन मिस्त्री, दीपक सरकार, श्रीकांत विश्वास, मणि शंकर चिंता पत्र, मदन, नकुल विश्वास, दिलीप मिस्त्री, प्राण बढ़ाई, प्रभास, कमल बसु, नीलकमल टिकेदार, श्रीनाथ बसु, मनोज मंडल, विश्वजीत राय, काली पद मंडल, गोकुल विश्वास, सुकुमार मंडल, सूरज गाईन आदि मौजूद थे।

महावारूणी स्नान के दौरान डुबकी लगाते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

हल्दी-गुलाल के साथ दीर्घायु की कामना

महावारुणी स्नान से पूर्व पारंपरिक वेशभूषा में सजे श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को गुलाल और कच्ची हल्दी लगाकर सुख, समृद्धि और दीर्घायु की कामना की। इस दौरान पूरे परिसर में उत्सव का माहौल बना रहा।

मतुआ ध्वज के साथ गूंजा 'हरि बोल'

ढोल-नगाड़ों और मंजीरों की थाप पर अलग-अलग जत्थों में विभिन्न राज्यों से श्रद्धालु मतुआ ध्वज लेकर मंदिर पहुंचे। 'हरि बोल' के उद्घोष के साथ नाचते-गाते हुए श्रद्धालुओं ने मंदिर की परिक्रमा की और महावारुणी स्नान में भाग लिया, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा।

ठगों ने डिमैट अकाउंट से 3.5 लाख किए साफ

- गुजरात के आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता सितारगंज

अमृत विचार : वार्ड नंबर आठ निवासी एक व्यक्ति से पंजीकरण और मुनाफे का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी का मामला प्रकाश में आया है। आरोपी ने पहले पीड़ित का विश्वास जीता और फिर उसके डिमैट अकाउंट में सेंध लगाकर 3.5 लाख रुपये साफ कर दिए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़ित संजय अग्रवाल ने बताया कि करीब एक साल पहले गुजरात निवासी राहुल नामक व्यक्ति ने उन्हें फोन कर अपनी कंपनी में पंजीकरण के लिए प्रेरित किया था। आरोपी ने 5 लाख रुपये का लाभ दिलाने का वादा किया, जिस पर भरोसा कर संजय ने 1.05 लाख रुपये देकर पंजीकरण करा लिया।

आरोप है कि इसके बाद राहुल ने धोखे से डिमैट अकाउंट की यूजर आईडी प्राप्त कर ली और बिना जानकारी दिए खाते से 3.5 लाख रुपये निकाल लिए। पीड़ित ने साइबर पुलिस को भी मामले की रिपोर्ट दी है। मानसिक और आर्थिक प्रताड़ना झेल रहे पीड़ित ने पुलिस से अपनी जमा पूंजी वापस दिलाने की गुहार लगाई है।

8.96 ग्राम हेरोइन के साथ महिला धरी

सितारगंज : शक्तिफार्म पुलिस ने 8.86 ग्राम हेरोइन के साथ महिला तस्कर को गिरफ्तार किया है। मामले में पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में प्राथमिकी दर्ज की है। सोमवार को एसआई प्रकाश भट्ट ने बताया कि शांति व्यवस्था बनाए रखने के बाबत वह अपनी टीम के साथ गांव पिपलिया की ओर जा रहे थे। तभी वहां कच्ची सड़क पर एक महिला खड़ी हुई दिखाई दी। संदिग्ध प्रतीत होने पर कांस्टेबल नीलम बर्गली ने महिला की तलाशी ली तो गांव पिपलिया निवासी बंशौ कौर (62) के पास से 8.96 ग्राम हेरोइन बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी महिला ने बताया कि उसने यहां स्मैक पिपलिया निवासी अमन सिंह से दस हजार रुपये में खरीदी है।

दबंगों ने की घर में तोड़फोड़ व लूट

- पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से की कार्रवाई की मांग

संवाददाता शक्तिफार्म

अमृत विचार : नगर पंचायत शक्तिगढ़ के शास्त्री वार्ड नंबर-2 में एक 65 वर्षीय दिव्यांग बुजुर्ग के घर में दबंगों द्वारा तोड़फोड़ और लूटपाट का मामला सामने आया है। पीड़ित ने नामजद लोगों के खिलाफ शिकायत देकर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही, समय पर पुलिस मदद न मिलने का आरोप भी लगाया है।

पीड़ित निरंजन मंडल के अनुसार, 13 मार्च की दोपहर करीब 12:30 बजे कुछ लोग उनके घर पहुंचे और अचानक तोड़फोड़ शुरू कर दी। सूचना मिलने पर जब वह घर पहुंचे, तब तक आरोपित घर में घुसकर सामान तोड़ने और लूटपाट करने लगे। विरोध करने पर आरोपित आक्रामक हो गए, जिससे जान बचाकर उन्हें वहां से निकलना पड़ा। पीड़ित का आरोप है कि घटना की सूचना रिपोर्टिंग पुलिस चौकी को दी गई, लेकिन तत्काल कोई मदद नहीं मिली। बाद में रात करीब 10:21 बजे 112 पर कॉल करने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची, तब तक आरोपी काफी नुकसान कर चुके थे। इसके बाद 14 मार्च को सुबह फिर से आरोपितों ने घर में घुसकर जेसीबी और ट्रैक्टर-ट्रॉली की मदद से तोड़फोड़ की। इस दौरान घर का मलबा हटाकर घरेलू सामान और रोजगार से जुड़े उपकरण भी लूट लिए गए। पीड़ित के मुताबिक लाखों का सामान और नगदी-जेवरात भी ले गए। वह दिव्यांग हैं और उनकी पत्नी सिलाई का कार्य करती है।

नगर पंचायत वार्ड नंबर 2 में दबंगों द्वारा तोड़े गए घर। ● अमृत विचार

मासूम की हत्या में पड़ोसन को उम्रकैद

खटीमा: सितारगंज क्षेत्र में दो वर्ष पूर्व हुई एक मासूम बच्ची की हत्या के मामले में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश मंजू सिंह मूंडे ने आरोपी महिला मुस्कान को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास और अर्थदंड की सजा से दंडित किया है। घटना 11 नवंबर 2023 की है, जब नकहा (नयागांव) निवासी महफूज की तीन वर्षीय पुत्री आयत घर के आंगन से अचानक लापता हो गई थी। तलाशी के दौरान बच्ची का शव पड़ोस के एक निर्माणाधीन मकान के बाथरूम में मिला था। सीसीटीवी फुटेज की जांच में खुलासा हुआ कि पड़ोस में रहने वाली मुस्कान बच्ची को अपने घर ले गई थी और बाद में उसे अचेत अवस्था में बाहर छोड़कर आई थी। अधिवक्ता सौरभ ओझा ने 10 गवाह और साक्ष्य पेश किए।

पूर्व राज्यपाल कोश्यारी का स्वागत

संवाददाता, जसपुर

अमृत विचार: प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं महाराष्ट्र के राज्यपाल रहे भगत सिंह कोश्यारी ने जसपुर पहुंचकर कार्यकर्ताओं से भेंट की। भाजपाईयों ने भगत सिंह कोश्यारी का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया।

भगत सिंह कोश्यारी ने विधायक आदेश चौहान के घर पहुंच कर उनके पुत्र एवं पुत्रवधू को आशीर्वाद दिया। मंगलवार को भगत सिंह कोश्यारी ग्राम निवारमंडी स्थित विधायक आदेश चौहान के निवास पर पहुंचे। विधायक ने परिवार सहित उनका स्वागत किया। भगत सिंह कोश्यारी ने विधायक के नवविवाहित पुत्र अपूर्व चौहान एवं पुत्रवधू दामिन देव सिंह को उपहार भेंट कर आशीर्वाद दिया, उनके दांपत्य जीवन की मंगल कामना की। विधायक ने भी कोश्यारी को चांदी की प्रतिमा एवं मिठाई भेंट की। इसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री भाजपा के पूर्व नगराध्यक्ष बलराम तोमर के घर पहुंचे। वहां पर उन्होंने उनकी बहन के निधन पर शोक जताकर बच्चों को ढांढस बंधाया। इसके बाद कोश्यारी आरएसएस के पुराने कार्यकर्ता एवं साथी लोकमन गहलोत के घर भी पहुंचे। इस दौरान शीतल जोशी, गजेंद्र सिंह, आदित्य गहलोत, शैलेंद्र गहलोत, मुजाहिद, मनोज तोमर, बलराम तोमर, रवि साहनी आदि मौजूद रहे।

जसपुर में नवदंपति को शुभकामनाएं देते पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी।

हाईवे पर गाड़ी हटाने को लेकर विवाद, मारपीट

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: नैनीताल हाईवे पर गाड़ी हटाने को लेकर उपजे विवाद के बाद दो पक्ष के लोग आमने-सामने आ गए और जमकर लात-घूंसे चले। हमले में कई लोग घायल हो गए। इसके बाद मौके पर पहुंचे पुलिस कर्मियों ने घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन अस्पताल में भी दोनों पक्ष के बीच कहासुनी हो गई। वहीं एक पक्ष ने तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

ग्राम खेमरी बिलासपुर जिला रामपुर निवासी गौरव चौधरी पुत्र सुभाष चौधरी ने आदर्श कॉलोनी चौकी में तहरीर देकर बताया कि सोमवार की रात 11 बजे अपने दोस्तों के साथ घर वापस जा रहा था। तभी एक टैक्सी चालक ने उसकी गाड़ी को ओवरटेक करते हुए डीडी चौक के पास गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। मामला बिगड़ने पर वह अपने दोस्तों को लेकर जब जाने लगा तो आरोपी टैक्सी चालक थोड़ा दूर जाकर गाड़ी गांधी पार्क के पास रोक दी। वह उन लोगों के साथ अभद्रता करते हुए गाली गलौज करने लगा। इसके बाद आरोपी ने अपने कुछ दोस्तों को फोन कर बुला लिया और उन लोगों ने उन लोगों के साथ मारपीट करते हुए जान से मारने की नियत से हाथ में पहने कड़े से जानलेवा हमला कर दिया।

साबूदाना व रागी आटे के सैंपल लिए

- नवरात्र पर्व को लेकर खाद्य विभाग हुआ अलर्ट

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: नवरात्र पर्व को देखते हुए खाद्य पदार्थों में मिलावट की प्रभावी रोकथाम के लिए सहायक आयुक्त (खाद्य संरक्षा) ललित मोहन पांडे के नेतृत्व में टीम ने सघन अभियान के तहत खाद्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान टीम ने रुद्रपुर क्षेत्र स्थित मॉल का निरीक्षण कर एक नमूना सेंधा नमक, दो नमूना रागी आटा एवं एक नमूना साबूदाना का लिया गया।

मंगलवार को निरीक्षण के बाद सहायक आयुक्त पांडे ने बताया कि प्रवर्तन टीम ने चार नमूने लिए जिनको परीक्षण के लिए राज्य खाद्य एवं औषधि प्रयोगशाला रुद्रपुर भेजा गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर और नमूने मानकों के अनुरूप सही न पाये जाने पर संबंधित खाद्य कारोबारियों के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि खाद्य कारोबारियों को कुट्टु का आटा बिना वैध खाद्य लाइसेंस व पंजीकरण के निर्माण, पैकिंग, संग्रह व विक्रय नहीं किया जाए, कुट्टू के खुले आटे का विक्रय नहीं करने के निर्देश दिए हैं। इस मौके पर वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी अपर्णा साह, खाद्य सुरक्षा अधिकारी आशा आर्या, पंकज कुमार आदि सम्मिलित थे।

मॉल में खाद्य पदार्थों की जांच करती खाद्य विभाग की टीम। ● अमृत विचार

शक्तिफार्म चौकी में नई टीम की तैनाती

संवाददाता, शक्तिफार्म

अमृत विचार: सितारगंज कोतवाली में तैनात एसआई ललित चौधरी को शक्तिफार्म का नया चौकी प्रभारी बनाया है। इसके साथ ही पुलिस लाइन में तैनात एएसआई हरीश कुमार के साथ तीन हेड कांस्टेबल और तीन कांस्टेबल को शक्तिफार्म चौकी में तैनात दी गई है।

बतातें चले कि शक्तिफार्म में लंबे समय से चल रहें अवैध खनन पर प्रभावी रोक न लगा पाने और ड्यूटी में लापरवाही बरतने के मामले में एसएसपी अजय गणपति ने सोमवार को शक्तिफार्म चौकी में तैनात दरोगा प्रकाश भट्ट समेत आठ पुलिसकर्मी को लाइन हाजिर कर दिया था। वहीं, एसएसपी की अचानक हुई इस कार्रवाई से पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। यह कार्रवाई न केवल पुलिस विभाग में जवाबदेही तय करने की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है। बल्कि, अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए स्पष्ट संदेश भी दे रही है कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वहीं, अब एसआई ललित चौधरी के साथ एएसआई हरीश कुमार, हेड कांस्टेबल हरीश राम, अनिल कुमार, कमल सिंह कांस्टेबल मदन सिंह, हरगोविंद सिंह और भूपाल सिंह बिष्ट पर शक्तिफार्म में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने और अवैध खनन पर प्रभावी रोक लगाने की जिम्मेदारी है।

पर्व

शब-ए-कद्र के मौके पर इस्लामनगर स्थित नूरी मस्जिद में तरावीह

नूरी मस्जिद में मुकम्मल हुई कुरान की तिलावत

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: शब-ए-कद्र के मौके पर इस्लामनगर स्थित नूरी मस्जिद में तरावीह के साथ कुरान शरीफ की तिलावत मुकम्मल की गई। इस वर्ष हाफिज मौलाना इनामुल हक मंजरी ने कुरान पाक सुनाया। कार्यक्रम में अल्लामा इरफानुल-हक कादरी ने कुरान की महानता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह रात हजार महीनों की इबादत से भी बेहतर है।

उन्होंने अकीदतमंदों से सच्चे दिल से तौबा करने और मानवता की सेवा का आह्वान किया। इस दौरान शायरों ने नात व मनकबत पेश किए और मुल्क में अमन-चैन की सामूहिक दुआ मांगी गई। इस अवसर पर हाफ़िज़ इरशाद हुसैन नूरी, मौलाना अमानुल हक़ क़ादरी, मुफ्ती सईद अनवर, हाफ़िज़ अब्दुल बासित, मौलाना गुलाम मुस्तफा., मौलाना जावेद अहमद, हाफिज इरशाद मुशाहिदी, कमेटी के मुहम्मद उस्मान, रियाज़ अहमद, रिज़वान अहमद, शमसुल हसन, मुहम्मद अहमद उर्फ गुड्डू प्रधान, अदील अहमद, पप्पू अली, गुलफाम अली अरहती, जाहिद मंसूरी, जाकिर हुसैन व आरिफ कारपेंटर आदि मौजूद रहे।

बाजपुर में कुरान शरीफ की तिलाबत मुकम्मल करते नवाजी। ● अमृत विचार

दरबारे बाबा आदम में हुई विशेष इबादत

बाजपुर : माहे रमजान के 26वें रोजे पर शब-ए-कद्र के मौके पर दरबारे बाबा आदम स्थित मस्जिद में कुरान शरीफ की तिलावत मुकम्मल की गई। अकीदतमंदों ने नमाज अदा कर अल्लाह की इबादत की। सामूहिक दुआ में नमाजियों ने इस्लाम की तरक्की के साथ-साथ देश की खुशहाली, आपसी भाईचारे और अमन-चैन के लिए मन्नतें मांगी। गद्दी नशीन नवाब नफीस शाह मियां व प्रबंधन कमेटी की उपस्थिति में सामाजिक सौहार्द और हिंदू-मुस्लिम एकता पर जोर दिया गया। साथ ही, आगामी ईद-उल-फितर के पर्व को प्रेम और सौहार्द के साथ मनाने की अपील की गई।

तेल टैंकर लेकर चालक फरार, मुकदमा दर्ज

- मेरठ जाने की बात कहकर वाहन लेकर निकला था चालक

संवाददाता सितारगंज

अमृत विचार : हरियाणा निवासी चालक तेल टैंकर वाहन लेकर फरार हो गया। वहीं, मामले में पुलिस ने पीड़ित वाहन स्वामी की शिकायत पर आरोपी चालक व हेल्पर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

हल्द्वानी निवासी वाहन स्वामी सोमवीर सिंह ने बताया कि पिछले एक साल से सोनीपत (हरियाणा) निवासी चालक मंजीत सिंह और रामपुर (यूपी) निवासी हेल्पर सोनू पाल उसके वाहन टाटा सिग्ना तेल टैंकर (यूके04सीसी2242) को आंवला डिपो से सितारगंज डिपो, फिर सितारगंज डिपो से मेरठ डिपो तक चला रहा था। 23 फरवरी को चालक मनजीत और हेल्पर सोनू ने बताया कि वह वाहन लेकर सितारगंज डिपो से मेरठ डिपो की ओर जा रहे हैं। इसके बाद वे फरार हो गए। दोनों से कई बार संपर्क किया गया लेकिन, किसी ने भी फोन नहीं उठाया। आरोप लगाया कि सिडकुल, सितारगंज से दोनों उसके वाहन लेकर फरार हो गए हैं। वहीं, पीड़ित वाहन स्वामी ने दोनों आरोपियों की खोजकर उसका वाहन बरामद करने की मांग की है। वहीं, मामले में पुलिस ने वाहन के चालक और हेल्पर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर वाहन की तलाश शुरू कर दी है।

सिटी ब्रीफ

श्रमिक के पुत्र ने किया राजमिस्त्री पर हमला

बाजपुर : क्षेत्र में एक महिला श्रमिक के पुत्र द्वारा राजमिस्त्री पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। गांव बाजपुर निवासी राजमिस्त्री अफसर अली ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि वह प्रतिदिन की भांति अपने साथी अकरम के साथ दो महिला श्रमिकों को काम पर ले जाने के लिए उनके घर के बाहर इंतजार कर रहा था। इसी दौरान एक महिला के पुत्र ने अचानक ' 'फंटी'' से अफसर अली के सिर पर जोरदार प्रहार कर दिया, जिससे उनका सिर फट गया। आरोपी ने गाली-गलौज और अभद्र व्यवहार भी किया। स्थानीय लोगों के बीच-बचाव के बाद घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

तमंचा और कारतूस के साथ एक गिरफ्तार

काशीपुर : पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा व कारतूस बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी का आर्म्स एक्ट में चालान किया है। आईटीआई कोतवाली पुलिस ने गश्त के दौरान चैती मैदान से मानपुर रोड, कचनालगाजी कुमाऊं कॉलोनी निवासी बॉबी यादव को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक 312 बोर का तमंचा व एक कारतूस बरामद किया है।

बिजली चोरी करने पर तीन लोगों पर मुकदमा

बाजपुर : विद्युत विभाग के चेकिंग अभियान के दौरान क्षेत्र में बिजली चोरी के तीन मामले पकड़े गए हैं। उपखंड अधिकारी गिरीश चंद्र पांडेय के नेतृत्व में टीम ने मरियमपुर और सुल्तानपुर पट्टी क्षेत्रों में छापेमारी की। इस दौरान अंकुर सुलेमान, मुन्ना और अशरफ के परिसरों में अवैध रूप से केबल डालकर बिजली का उपयोग पाया गया। जांच में कुल 2.4 किलोवाट से अधिक का अवैध लोड सामने आया, जिसके बाद टीम ने मौके से केबल जब्त कर उन्हें सील कर दिया। विभाग की तहरीर पर पुलिस ने तीनों आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

महापौर ने पांच सड़कों का किया शिलान्यास

काशीपुर : महापौर दीपक बाली ने वार्ड संख्या 38 में 5 सड़कों के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। वार्ड संख्या 38 में बन रही 5 सड़कों की कुल लागत 2 करोड़ 37 लाख 48 हजार रुपये है। इस दौरान पार्षद अशोक सैनी, शक्ति केंद्र संयोजक हरस्वरूप सिंह, जीडी गोयनका स्कूल की एमडी ऋषिता सक्सेना अग्रवाल, जिला प्रकोष्ठ संयोजक भाजपा मुकेश चावला समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

युवती को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप

काशीपुर : एक महिला ने युवक पर उसकी पुत्री को बहला फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर एक युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। पैगा चौकी क्षेत्र निवासी एक महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि ग्राम बरखेडा पांडे निवासी मुकेश उसकी 14 वर्षीय पुत्री को बहला फुसलाकर अपने साथ भगा कर ले गया है। कहा कि काफी कोशिश करने के बाद भी उसकी पुत्री को वापस नहीं किया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

जसपुर कोतवाली में हुई अमन शांति की बैठक

जसपुर : आगामी पर्व ईद को लेकर कोतवाली में अमन शांति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में पहुंचे स्थानीय लोगों ने अपने सुझाव रखे। मंगलवार को कोतवाली परिसर में एसडीएम राहुल शाह की अध्यक्षता में अमन शांति की बैठक हुई। बैठक में व्यापार मंडल अध्यक्ष हरिओम सिंह ने पर्व के दौरान सफाई व्यवस्था कराने, पानी और बिजली आपूर्ति की व्यवस्था निर्बाध रखने की अपील की।

चैती मेले में चारों तरफ से सुरक्षा पर नजर रखेंगे सीसीटीवी कैमरे

अधिकारियों ने प्रबंधन समिति और ठेकेदारों के साथ बैठक कर जानीं समस्याएं

संवाददाता, काशीपुर

काशीपुर में चैती मैदान का निरीक्षण करते एसडीएम व अन्य। ● अमृत विचार

अमृत विचार: चैती मेला सुरक्षा व अन्य समस्याओं को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों ने प्रबंध समिति और टेंडर लेने वाले ठेकेदारों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं को सुना। साथ ही मेला परिसर का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बताया कि इस बार चैती मेले में कैमरों की संख्या बढ़ाई जाएगी।

मंगलवार को चैती मेला परिसर में मेला प्रबंध समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। जिसमें श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर मां बाल सुंदरी मंदिर परिसर में चारों और वाइस कैमरे लगाए जाने व मेले में लगने वाली दुकानों के बाहर आवश्यक फायर उपकरण लगाने के अलावा पिछले मेले में हुई जहरखुरानी की घटनाओं से सबक लेते हुए उनकी पुनरावृति रोकने पर विचार किया गया। मेला अधिकारी एसडीएम अभय प्रताप सिंह ने बताया कि मेले के दौरान द्रोणा सागर के पीछे से आने वाला रास्ता बंद रहेगा। सफाई ठेकेदार द्वारा मेले में तीन चरणों में प्रतिदिन मेला परिसर की सफाई की जाएगी। इसके अलावा दिन में कई बार पानी का छिड़काव किया जाएगा। इस बार मेले में सर्कस के न आने से वहां अन्य कोई बाजार लगाने पर विचार किया जा रहा है। कोतवाली आईटीआई के प्रभारी निरीक्षक इंस्पेक्टर रवि कुमार सैनी ने बताया कि पार्किंग पर लगे बैरियरों पर भी वाइस कैमरे लगाए जाएंगे। महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सादे कपड़ों में पुलिस कर्मी तैनात रहेंगे। होटल मेनोर के पास स्थित प्रगति विहार कॉलोनी से अवैध रूप से गुजरने वाले टेम्पो व ई रिक्शा चालकों का चिन्हित कर चालानी कार्यवाही की जाएगी। मेले के मुख्य मार्ग व मंदिर परिसर में हाई मास्क लाइटें लगायी जाएंगी। कोतवाल रवि सैनी ने कहा कि ठेकेदारों को उनके यहां काम करने वाले कर्मचारियों का सत्यापन कराना होगा। बैठक में बताया कि अवैध पार्किंग को चलने नहीं दिया जाएगा। साथ ही मोटेश्वर महादेव मंदिर के पास स्थित नहर के चौड़ीकरण पर भी विचार किया गया। इस मौके पर तहसीलदार पंकज चंदोला, असिस्टेंट कमिश्नर जीएसटी राहुल सिंह, पंडा वंश गोपाल, पंडा विकास अग्निहोत्री, फायर ऑफिसर श्याम सिंह, यातायात निरीक्षक नीरज कुमार, पार्षद अनिल कुमार आदि मौजूद रहे।

मेले में लगेगी हस्तशिल्प एवं लघु उद्यमी प्रदर्शनी

19 मार्च से ऐतिहासिक चैती मेला शुरू होने जा रहा है। इस मेले में हथकरघा, हस्तशिल्प एवं लघु उद्यमी प्रदर्शनी लगेगी। इस प्रदर्शनी में उत्तराखंड के अतिरिक्त अन्य राज्यों से भी हथकरघा बुनकर समितियां, संस्थाएं एवं लघु उद्यमी भाग लेंगे। जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक विपिन कुमार ने बताया कि प्रदर्शनी उत्तराखंड के शॉल, पंखी, ट्वीड, काशीपुर एवं जसपुर की ब्लॉक प्रिंटेड कॉटन बेडशीट, जैकार्ड बेडशीट, दरी, आसन, लेडीज बैग, जूट कैरी बैग, सोफा-कबर, कुशन, पर्दे, ड्रेस मटीरियल, खादी कुर्ता पैजामा, कालीन, दरी, पायदान, आचार मुरब्बा, बुरांस, माल्टा जूस, कुमाऊं की प्रसिद्ध मण्डुवा, सोयाबीन मिलेट नमकीन आदि के स्टॉल लगाए जाएंगे।

नवरात्र व ईद पर सफाई दुरुस्त करने की मांग

काशीपुर: एआईसीसी सदस्य और कांग्रेस प्रदेश महासचिव अनुपम शर्मा ने नवरात्र एवं ईद पर सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने की प्रशासन से मांग की। उन्होंने कहा कि आगामी समय नवरात्र एवं ईद का है। ऐसे में जरूरी है कि नगर क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में व्यापक सफाई अभियान चला कर स्वच्छता को बढ़ावा दिया जाए।

अनुपम शर्मा।

प्रदेश महासचिव अनुपम शर्मा ने बताया है कि उन्होंने नगर आयुक्त रविंद्र बिष्ट से वार्ता कर नवरात्र एवं ईद के अवसर पर मंदिरों और मस्जिदों के आसपास तली झाड़ अभियान चला कर स्वच्छता की मांग की है। उन्होंने कहा कि विद्युत विभाग, जल निगम एवं नगर निगम प्रशासन को बिजली, जल आपूर्ति के साथ-साथ पुलिस विभाग को भी असामाजिक तत्वों पर निगाह रखनी होगी, क्योंकि नवरात्रि और ईद का पर्व आसपास है। ऐसे में जरूरी है कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था के लिए पुलिस प्रशासन कमर कसे, ताकि असामाजिक तत्व सर न उठा सकें। मंदिरों और मस्जिदों के आसपास विशेष सुरक्षा एवं सफाई को दुरुस्त किया जाए।

बार काउंसिल मेंबर बनने पर नेगी का सम्मान किया

काशीपुर में वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश नेगी का स्वागत करते बार एसोसिएशन अध्यक्ष।

संवाददाता, काशीपुर

- लगातार तीसरी बार सदस्य चुने गये हरीश नेगी

अमृत विचार: काशीपुर बार एसोसिएशन में अधिवक्ताओं ने काशीपुर से उत्तराखंड बार काउंसिल के लगातार तीसरी बार सदस्य चुने गये वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश नेगी का स्वागत कर बधाई दी एवं मिष्ठान वितरण किया।

मंगलवार को बार सभागार में स्वागत के दौरान हरीश नेगी ने कहा कि उन्होंने हमेशा अधिवक्ताओं के हितों के लिए कार्य किया है और आगे भी यह कार्य करते रहेंगे। बार एसोसिएशन काशीपुर के अध्यक्ष गिरिजेश खुल्वे ने कहा की हरीश नेगी का निर्वाचित होना अधिवक्ताओं के लिए ही नहीं बल्कि काशीपुर क्षेत्र के लिए भी सम्मान की बात है।

स्वागत समारोह का संचालन सचिव यशवंत सिंह चौहान ने किया और मांग की, कि अधिवक्ता की मृत्यु पर 5 लाख की राशि मृतक के परिवार को दी जानी चाहिए। यहां उपाध्यक्ष विधु शेखर शर्मा ,उपसचिव अंकित चौधरी, कोषाध्यक्ष बीसी नौटियाल, आय-व्यय निरीक्षक गौरव मेहरोत्रा, पुस्तकालय अध्यक्ष राकेश प्रजापति, एडवोकेट आनन्द स्वरूप रस्तोगी, विवेक जैन, विकास अग्रवाल, उमेश जोशी, शैलेंद्र कुमार मिश्रा आदि मौजूद रहे।

साले ने किया जीजा पर जानलेवा हमला

संवाददाता, काशीपुर

- पीड़ित की पत्नी ने अपने भाई समेत एक अन्य पर दर्ज कराई रिपोर्ट

अमृत विचार: एक बहन ने अपने भाई व उसके साथी पर ही पति पर जानलेवा हमला कर गंभीर रूप से घायल करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

ग्राम गुलजारपुर निवासी सर्वजीत कौर ने कुंडेश्वरी पुलिस चौकी को तहरीर देकर बताया कि 16 मार्च को उसका डंपर चालक पति प्रिंसपाल सिंह बंजारी गेट से नेशनल स्टोन क्रशर पर जा रहा था। वन विभाग चौकी से पहले सड़क पर गुलजारपुर निवासी उसके भाई अंग्रेज सिंह ने डंपर रोका और हाथ में लोहे की राड लेकर उसके पति के साथ गाली-गलौज करने लगा। उसका पति डंपर से नीचे उतरा, तो एक अज्ञात व्यक्ति कपड़े से मुंह ढक कर, हाथ में तलवार लेकर आ गया। आरोप है कि दोनों ने मिलकर उसके पति को मारा और हथियारों से ताबड़तोड़ हमला कर उसको जख्मी कर दिया। बताया कि उसके पति ने बचाव किया, तो उसके पति की एक अंगुली कट गई तथा बांये हाथ और पैरों पर गंभीर चोटें आयी हैं। जिसे सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। जहां से डॉक्टर द्वारा उसके पति को हायर सेंटर रेफर कर दिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

चीनी मिल कर्मियों ने आक्रोश जताया

बाजपुर: सहकारी चीनी मिल के अस्थायी कर्मचारियों ने रिटेनिंग एलाउन्स का भुगतान न होने पर गहरा रोष व्यक्त किया है। कर्मचारियों का कहना है कि पिराई सत्र 2025-26 समाप्त होने के बावजूद उन्हें अब तक भत्ता नहीं मिला है, जिससे उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

कर्मियों के अनुसार, मिल में उत्पादित चीनी के सापेक्ष लगभग 96 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत होने के बावजूद भुगतान लंबित है। जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र सौंपने के बाद भी कोई कार्रवाई न होने पर उग्रसेन सिंह और रामानंद आदि ने चेतावनी दी है कि वे उग्र आंदोलन को बाध्य होंगे। इस मौके पर उग्रसेन सिंह, रामानंद, जगदीश, दिनेश कुमार, राजेश मिश्रा, भोला, रियासत अली आदि मौजूद रहे।

गन्ना पेराई के लिए स्पष्ट कार्ययोजना तैयार करें

- गन्ना एवं चीनी आयुक्त ने गन्ना अधिकारियों की बैठक लेकर दिये आवश्यक दिशा निर्देश

संवाददाता, काशीपुर

काशीपुर में गन्ना अधिकारियों की बैठक लेते गन्ना एवं चीनी आयुक्त त्रिलोक सिंह मर्तोलिया। ● अमृत विचार

अमृत विचार: गन्ना एवं चीनी आयुक्त ने गन्ना पेराई के अनुरूप स्पष्ट कार्य योजना तैयार करने के अधिकारियों को निर्देश दिये। समस्त सहायक गन्ना आयुक्तों एवं ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षकों को शत प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति के निर्देश दिए।

मंगलवार को आगामी पेराई सत्र के दृष्टिगत गन्ना सर्वेक्षण, विभागीय योजनाओं और विकास कार्यों की समीक्षा के उद्देश्य से गन्ना एवं चीनी आयुक्त कार्यालय के सभागार में एक बैठक हुई। बैठक में गन्ना एवं चीनी आयुक्त त्रिलोक सिंह मर्तोलिया ने गन्ना पेराई के अनुरूप स्पष्ट कार्य योजना तैयार करने और गन्ना मूल्य एवं गन्ना विकास अंशदान का भुगतान प्राथमिकता के आधार पर समितियों को किए जाने के निर्देश दिए। आयुक्त की ओर से गन्ना क्षेत्रफल बढ़ाने के लिए गन्ना विभाग के सभी फील्ड स्तरीय कार्मिकों, अधिकारियों और चीनी मिलों को विशेष प्रयास किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। जिससे पेराई सत्र 2026-27 में चीनी मिलों को उनकी क्षमता के अनुरूप पर्याप्त गन्ने की आपूर्ति की जा सके। चीनी मिलों को दी गई मांग के सापेक्ष गन्ने की आपूर्ति की समीक्षा की गई और मांग के अनुरूप कम गन्ना आपूर्ति पर रोष व्यक्त किया। बैठक में वर्ष 2025-26 के अंतर्गत क्रय केंद्रों के निरीक्षण के लिए निर्धारित लक्ष्यों के निरीक्षणों की समीक्षा भी गई। गन्ना बुवाई के निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप प्रगति और गन्ना बीज वितरण की स्थिति की समीक्षा की। बैठक में प्रचार एवं जनसंपर्क अधिकारी नीलेश कुमार, सहायक गन्ना आयुक्त मुख्यालय आशीष नेगी, सहायक आयुक्त हरिद्वार, देहरादून, ऊधमसिंह नगर, समस्त ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक, सहकारी गन्ना विकास समितियों के सचिव, चीनी मिलों के प्रतिनिधि रहे।

कुंडेश्वरी का यात्री प्रतीक्षालय बदहाल

संवाददाता, काशीपुर

काशीपुर के कुंडेश्वरी क्षेत्र में बदहाल यात्री प्रतीक्षालय। ● अमृत विचार

अमृत विचार: कुंडेश्वरी चौराहे पर बना यात्री प्रतीक्षालय और शौचालय जर्जर अवस्था में है। ऐसे में यात्रियों को धूप और धूल में खड़े होकर वाहनों का इंतजार करना पड़ता है।

कुंडेश्वरी चौराहे पर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के सामने सालों पहले यात्री सुविधाओं के विस्तार के लिए यात्री प्रतीक्षालय और शौचालय बनाया गया था। लेकिन देखरेख के अभाव में यह जीर्ण शीर्ण अवस्था में पहुंच गया है। हालत इतनी खराब है कि यहां गंदगी का अंबार लगा हुआ है। शौचालय में पानी की व्यवस्था नहीं है इस वजह से कुंडेश्वरी चौराहे स्थित बाजार में आने जाने वाले ग्राहकों को सुविधाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। इस वजह से लोग परेशान रहते हैं। आज तक स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया।

वहीं ग्राम प्रधान कुंडेश्वरी पायल चौधरी का कहना है कि हमने ग्राम सभा के मद से 10 लाख रुपये शौचालय और पेयजल व्यवस्था के लिए प्रावधान किया है। टेंडर प्रक्रिया जारी है। मुख्य चौराहे के अलावा पुलिस चौकी के निकट भी सुलभ शौचालय का प्रावधान है। इधर एसडीएम अभय प्रताप सिंह ने बताया कि कुंडेश्वरी क्षेत्र की ग्राम प्रधान कुछ दिन पहले मिली थीं। इन्हें सुलभ शौचालय वगैरह बनाने के लिए जमीन की आवश्यकता है। इसके लिए पटवारी को निर्देशित किया गया है।

एसडीएम ने सुनीं लोगों की समस्याएं

किच्छा: नगर स्थित तहसील परिसर में आयोजित तहसील दिवस पर उप जिलाधिकारी गौरव पांडे ने समस्याएं लेकर पहुंचे तमाम लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता से सुना। इस दौरान तमाम लोगों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र की समस्याएं दर्ज कराते हुए जल्द समाधान का आग्रह किया गया। तहसील दिवस पर उप जिलाधिकारी गौरव पांडे ने शिकायतें लेकर पहुंचे फरियादियों की समस्याएं सुनते हुए संबंधित विभाग के अधिकारियों को समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तहसील दिवस पर दर्ज की गई समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया जाना चाहिए तथा किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

एसडीएम से धान रोपाई की अनुमति मांगी

- तहसील दिवस में अधिकारियों को दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

संवाददाता, बाजपुर

बाजपुर के तहसील दिवस में जनसमस्याएं सुनतीं एसडीएम डॉ. अमृता शर्मा।

अमृत विचार: तहसील सभागार में मंगलवार को आयोजित तहसील दिवस के अवसर पर उपजिलाधिकारी (एसडीएम) डॉ. अमृता शर्मा ने क्षेत्रवासियों की जन समस्याएं सुनीं। शिविर में विभिन्न गांवों से पहुंचे फरियादियों ने राजस्व, कृषि और भूमि विवादों से संबंधित प्रार्थना पत्र अधिकारियों के समक्ष रखे।

प्रमुख मामलों में कुंवरपुर हल्द्वानी निवासी जगदीश सिंह व पवन मेहरा ने धान रोपाई की अनुमति मांगी, जबकि ग्राम शिवपुरी के हरदेव सिंह ने अदालती आदेशों के अनुपालन की गुहार लगाई। इसके अतिरिक्त महोली जंगल निवासी गोमती देवी ने भूमि नाम दर्ज कराने हेतु आवेदन दिया। एसडीएम ने प्राप्त सभी शिकायतों को संबंधित विभागों को प्रेषित करते हुए नियमानुसार शीघ्र समाधान के कड़े निर्देश दिए।

उन्होंने उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वे जनता की समस्याओं को शालीनता से सुनें और उनके स्तर की शिकायतों का तत्काल निस्तारण सुनिश्चित करें। इस अवसर पर कानूनगो धनेश शर्मा, राजस्व उपनिरीक्षक आकाश कुमार सहित सिंचाई, जल संस्थान और जिला पंचायत विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

सितारगंज में हेमवती नंदन बहुगुणा की पुण्यतिथि मनाते भाजपा कार्यकर्ता।

बहुगुणा के आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प

सितारगंज : भाजपाइयों ने यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री हेमवती नंदन बहुगुणा की पुण्यतिथि पर उनके चित्र के सम्मुख पुष्प अर्पित किया। इस दौरान लोगों ने उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। मंगलवार को कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा के आवास पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने स्व. बहुगुणा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके योगदान को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि बहुगुणा का संघर्षपूर्ण जीवन, जनसेवा के प्रति उनकी अटूट निष्ठा और समाज के प्रति समर्पण हम सभी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में जनता की आवाज को मजबूती से उठाया और विकास की दिशा में अहम योगदान दिया। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष कमल कुमार जिंदल, पालिकाध्यक्ष सुखदेव सिंह, ब्लॉक प्रमुख उपकार सिंह बल, मंडल अध्यक्ष मुकेश सनवाल, पूर्व मंडल अध्यक्ष विजय सलूजा, अभिषेक जैन, अमित रस्तोगी आदि मौजूद रहे।

श्रद्धांजलि

गायों को चारा, गुड़ ,फल आदि खिलाकर लिया आशीर्वाद

गौ सेवा के साथ मनाई स्व . अग्रवाल की जयंती

संवाददाता, काशीपुर

काशीपुर में गायों को चारा खिलाते वैश्य समाज के लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचार: ऐतिहासिक चैती मेला परिसर स्थित मां बाल सुंदरी गौशाला में अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन की जिला शाखा इकाई के तत्वावधान में वैश्य समाज के अधिनायक रहे अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के संस्थापक अध्यक्ष स्व. रामदास अग्रवाल की जयंती को गौ सेवा के रूप में मनाया।

मंगलवार को सभी अतिथियों ने गौशाला में मौजूद सभी गायों को चारा, गुड़ ,फल आदि खिलाकर गौ माता का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान भाजपा के पूर्व प्रदेश कोषाध्यक्ष एवं वैश्य गौरव आशीष गुप्ता ने कहा कि हिंदू धर्म और भारतीय संस्कृति में गौ सेवा एक सर्वोच्च धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक सेवा है। जिससे लोगों के भीतर निस्वार्थ प्रेम करुणा और बेजुबान प्राणियों के प्रति संवेदनशीलता का भाव जागृत होता है। उन्होंने जीवन में सुख समृद्धि और शांति के लिए नियमित रूप से गौ सेवा और भोजन कराने पर विशेष जोर दिया।

वहीं वीर भूमि बिल्डर्स एंड डेवलपर्स एमडी राजीव गुप्ता ने कहा कि गौ माता की सेवा करना केवल एक धार्मिक कर्तव्य नहीं , बल्कि आत्मिक शांति और दिव्य आंनद प्राप्त करने का सर्वोच्च माध्यम है। अग्रवाल सभा अध्यक्ष मनोज अग्रवाल ने कहा कि गौ माता के शरीर में 33 करोड़ देवी-देवताओं का वास होता है। सनातन परम्परा को आगे बढ़ाने के लिए इस तरह के कार्यक्रम वैश्य समाज निरंतर करता रहेगा। वहां पर जिलाध्यक्ष सुरेश गोयल, एसपी गुप्ता, कौशलेश गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष महेंद्र गुप्ता, डॉ. संजीव गुप्ता, नवनीत कुमार विश्नोई, पीयूष अग्रवाल, मनोज कुमार आदि मौजूद रहे।

भारतीय योग परंपरा के विश्व में प्रचार पर चर्चा

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: राधेहरि डिग्री कॉलेज में भौतिक विज्ञान विभाग द्वारा "भारतीय नवाचार दिवस" और पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मंगलवार को आयोजित डॉ. महीपाल सिंह द्वारा "पुरातन भारतीय व्यवहार" नामक शीर्षक पर भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित व्याख्यान दिया गया। जिसमे डॉ. सिंह ने स्वामी विवेकानंद द्वारा शिकागो में दिये गये भाषण का उल्लेख करते करते हुए, भारतीय पुरातन परंपरा योग के विश्व में प्रचार-प्रसार पर चर्चा की। उन्होंने रामायण में वर्णित कई उदाहरणों पर प्रकाश डालते हुए पुरातन भारतीय व्यवहार को विस्तारपूर्वक समझाया। डॉ. जोशी ने अपने व्याख्यान में महिला भौतिक विज्ञानी द्वारा किये गये नवाचारों पर चर्चा करते उनके महत्वपूर्ण योगदानों पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. डॉ. सुचिता श्रीवास्तव ने की। उन्होंने कार्यक्रम की उपयोगिता पर चर्चा की। राधेहरि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय काशीपुर के भौतिक विज्ञान विभाग ने सत्र 2025-26 में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में 16 विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

ब्रीफ न्यूज

डीडीए को लेकर आंदोलन और तेज करने का ऐलान

अल्मोड़ा : जिला विकास प्राधिकरण के विरोध में सर्वदलीय संघर्ष समिति ने गांधी पार्क में धरना दिया। सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। मांग पूरी नहीं होने तक आंदोलन में डटे रहने की चेतावनी भी दी। कहा कि डीडीए लागू होने से लोग परेशान हैं। लेकिन अब तक सरकार की तरफ से इस पर कोई सकारात्मक कार्यवाही नहीं की गई। जिससे जनता की परेशानी बढ़ते जा रही है। यहां पूर्व पालिकाध्यक्ष व समिति संयोजक प्रकाश जोशी, आलोक गोयल, भारत रत्न पांडेय, अख्तर हुसैन, चंद्रमणी भट्ट, प्रताप सिंह सत्याल समेत विभिन्न संगठनों से जुड़े लोग मौजूद रहे।

बाल मुंडन के नाम पर वसूली का आरोप

टनकपुर : मां पूर्णागिरि मेले में बाल मुंडन संस्कार के नाम पर श्रद्धालुओं से अधिक वसूली के आरोप लगातार सामने आ रहे हैं। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर, फर्रुखाबाद समेत विभिन्न जिलों से आए श्रद्धालुओं ने निर्धारित शुल्क से ज्यादा पैसे लेने की शिकायत की है। श्रद्धालुओं का कहना है कि प्रशासन द्वारा 151 रुपये शुल्क तय किया गया है, लेकिन मौके पर 300 रुपये से अधिक वसूले जा रहे हैं, जिससे उनकी आस्था आहत हो रही है। पूर्व ग्राम प्रधान सुरेश महर, छात्रसंघ अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद कोहली समेत अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी मुख्यमंत्री, कुमाऊं आयुक्त, जिलाधिकारी को ज्ञापन भेज कार्रवाई करने की मांग की है।

जनसमस्याओं का शीघ्रता से करें समाधान: रेखा आर्या

बहुउद्देशीय शिविर में 43 शिकायतों का मौके पर हुआ निस्तारण

शीतलाखेत में आयोजित शिविर में ग्रामीणों की समस्याएं सुनतीं कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या। ● अमृत विचार

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः "जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार" के तहत न्याय पंचायत सल्ला रौतेला में शीतलाखेत स्थित रामलीला मैदान में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों ने भाग लेकर विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य ने आमजन से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। शिविर में कुल 54 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 43 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष मामलों को संबंधित विभागों को सौंपते हुए शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए गए। शिविर के माध्यम से 739 लोगों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया गया तथा 349 आवेदन भी मौके पर भरे गए। कैबिनेट मंत्री ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनता की सेवा करना ही सरकारी तंत्र का मुख्य उद्देश्य है और प्रत्येक अधिकारी को संवेदनशीलता के साथ कार्य करना चाहिए। यहां जिला पंचायत सदस्य व भाजपा जिलाध्यक्ष महेश नयाल, परियोजना निदेशक केएन तिवारी, एसडीएम संजय कुमार सहित अन्य मौजूद रहे।

गोपाल वनवासी पर रंगदारी का मुकदमा

बागेश्वर : गरुड़ के कंधार निवासी गोपाल वनवासी के खिलाफ यहां कोतवाली में रंगदारी का मुकदमा दर्ज किया गया है। एक होटल व्यवसायी ने उन पर धमकी देकर पैसे मांगने का आरोप लगाया है।

तहसील रोड निवासी होटल संचालक विक्रम सिंह दानू ने कोतवाली में दर्ज प्राथमिकी में बताया कि वह दो होटलों का संचालन करते हैं। आरोप है कि गोपाल वनवासी ने कुछ दिन पहले फेसबुक पोस्ट में उनके होटल को अतिक्रमण में बताया और इसकी शिकायत करने की धमकी दी। विक्रम अनुसार, बाद में वनवासी ने उनसे शिकायत न करने के बदले ढाई लाख रुपये की मांग की। साथ ही अतिक्रमण के मुद्दे पर उच्च न्यायालय में याचिका दायर करने और कार्रवाई की भी चेतावनी दी।

होटल व्यवसायी ने इस संबंध में पुलिस को सूचना देने के साथ ही दोनों के बीच हुई बातचीत का वीडियो भी सोशल मीडिया पर साझा किया है, जो अब वायरल हो रहा है। गौरतलब है कि इससे पूर्व भी बैजनाथ थाने में गोपाल वनवासी के खिलाफ रंगदारी के दो मामले दर्ज हैं। व्यवसायी मंगल काला और बलवंत सिंह भंडारी द्वारा दर्ज कराए मामलों में से एक में पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार भी किया था।

हत्या के मामले में दो सगे भाइयों को सुनाई उम्रकैद

संवाददाता, बागेश्वर

- कपकोट में वर्ष 2022 की वारदात, अदालत ने दोष सिद्ध कर सुनाई सजा

अमृत विचार : जिला सत्र न्यायाधीश पंकज तोमर की अदालत ने हत्या के एक मामले में दो सगे भाइयों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही आरोपियों को विभिन्न धाराओं में छह-छह माह के सश्रम कारावास, एक वर्ष के साधारण कारावास तथा आर्थिक दंड से भी दंडित किया गया है।

घटनाक्रम के अनुसार थाना कपकोट क्षेत्र के नौकुटी बमनखेत निवासी सरूली देवी ने दर्ज प्राथमिकी में बताया कि 25-26 दिसंबर 2022 की रात गांव में धाम सिंह के घर पूजा समारोह आयोजित था। इस दौरान उनके पति खुशाल सिंह, जेठ शंकर सिंह सहित परिवार के अन्य सदस्य कार्यक्रम में शामिल थे। आरोप है कि रात करीब साढ़े बारह बजे चंचल सिंह और महेश सिंह पुत्र जौहार सिंह वहां पहुंचे। महेश सिंह ने खुशाल सिंह को पकड़ा, जबकि चंचल सिंह ने चाकू से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़े। बीच-बचाव के दौरान शंकर सिंह पर भी हमला किया गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना में सरूली देवी को भी चोटें आईं।

प्राथमिकी में बताया गया कि आरोपियों से पूर्व में विवाद के चलते रंजिश चल रही थी। घटना के बाद ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना तत्कालीन थानाध्यक्ष प्रताप सिंह नगरकोटी द्वारा की गई और अभियोजन पक्ष की ओर से कुल 20 गवाह पेश किए गए। अदालत ने साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर दोनों आरोपियों को दोषी पाया। न्यायालय ने चंचल सिंह और महेश सिंह को आजीवन कारावास, छह-छह माह के सश्रम कारावास, एक वर्ष के साधारण कारावास तथा दस-दस हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। अर्थदंड अदा न करने पर अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से जिला शासकीय अधिवक्ता गोविंद बल्लभ उपाध्याय एवं सहायक शासकीय अधिवक्ता चंचल सिंह पपोला ने पैरवी की।

घरेलू हिंसा और दहेज उत्पीड़न का मामला खारिज

रानीखेत : दिल्ली उच्च न्यायालय ने रानीखेत निवासी संदीप पाठक के खिलाफ चल रहे घरेलू हिंसा और दहेज उत्पीड़न (धारा 498ए) के मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कार्यवाही को खारिज कर दिया है।

न्यायालय ने अपने निर्णय में कहा कि छोटी-मोटी नोकझोंक और तथ्यहीन आरोपों को घरेलू हिंसा की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि आरोपों की जांच के दौरान यह पाया गया कि महिला द्वारा लगाए गए आरोप मनगढ़ंत और निराधार थे तथा न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग करने की मंशा से लगाए गए थे। यह फैसला न्यायाधीश नीना बंसल कृष्णा की पीठ द्वारा सुनाया गया, जिसमें कहा गया कि किसी भी पक्ष को कानून का गलत लाभ उठाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। मामले में अधिवक्ता चिन्मय भट्ट ने पैरवी करते हुए कहा कि केवल महिला होने के आधार पर कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग करना उचित नहीं है। उन्होंने बताया कि न्यायालय के इस फैसले से उनके मुवक्किल को राहत मिली है और यह एक महत्वपूर्ण नजीर के रूप में सामने आया है।

80 वर्षीय भागीरथी देवी सम्मानित

- हजारों पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण की बनीं मिसाल
- जिलाधिकारी मनीष कुमार ने शॉल ओढ़ाकर उनके कार्य को सराहा

संवाददाता, चम्पावत

चम्पावत में भागीरथी देवी को सम्मानित करते डीएम मनीष कुमार। ● अमृत विचार

अमृत विचारः जनपद चम्पावत के ग्राम मानर मल्ला (खेतीखान) की 80 वर्षीय भागीरथी देवी ने अपने अदम्य साहस और अथक परिश्रम से उजड़ते जंगल को फिर से हरा-भरा कर प्रेरणादायक उदाहरण पेश किया है। उनके इस सराहनीय कार्य के लिए जिलाधिकारी मनीष कुमार ने उन्हें शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया और उनके योगदान की सराहना की।

एक समय क्षेत्र का जंगल अवैध कटान और उपेक्षा के कारण तेजी से खत्म हो रहा था। ऐसे कठिन हालात में भागीरथी देवी ने बिना किसी सहयोग के पौधरोपण का संकल्प लिया और इसे अपने जीवन का उद्देश्य बना लिया। वर्षों तक लगातार मेहनत करते हुए उन्होंने हजारों पौधे लगाए और उनकी देखरेख की। वह प्रतिदिन जंगल जाकर पौधों को पानी देना, उनकी सुरक्षा करना और उन्हें विकसित होते देखना अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाए रहीं। कड़ी ठंड, तेज धूप और वर्षा जैसी विपरीत परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने कभी हार नहीं मानी।

जिलाधिकारी ने कहा कि भागीरथी देवी का कार्य यह दर्शाता है कि दृढ़ इच्छाशक्ति और सेवा भाव से कोई भी व्यक्ति बड़ा बदलाव ला सकता है। उनका योगदान पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

नैनीताल बैंक ने जिला अस्पताल को दी एंबुलेंस

संवाददाता, बागेश्वर

अमृत विचारः द नैनीताल बैंक ने अपने कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) फंड के तहत जिला चिकित्सालय बागेश्वर को एक अत्याधुनिक एम्बुलेंस प्रदान की। मंगलवार को डीएम आकांक्षा कोंडे ने जिला अस्पताल परिसर से एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर बैंक द्वारा खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जनपद के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर ताइक्वांडो में बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रियंशु मेहता और सौरभ रावल को सम्मानित किया गया। वहीं राज्य स्तर पर वॉलीबॉल के नवीन गड़िया तथा बैडमिंटन की हिमांशी गड़िया और तनुजा गड़िया को भी सम्मान प्रदान किया गया। जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने बैंक की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि एंबुलेंस मिलने से आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को मजबूती मिलेगी।

सीएमओ कुमार आदित्य तिवारी ने बताया कि नई एम्बुलेंस से दूरस्थ क्षेत्रों के मरीजों को राहत मिलेगी। द नैनीताल बैंक लिमिटेड के सीईओ एस.के. लाल ने कहा कि बैंक समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य और खेल के क्षेत्र में लगातार योगदान दे रहा है। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष शोभा आर्या, नगर पालिका अध्यक्ष सुरेश खेतवाल, चिकित्सकगण, बैंक अधिकारी-कर्मचारी एवं अन्य लोग रहे।

मरीजों को परेशान करने का आरोप

अल्मोड़ा में डीएम को ज्ञापने सौंपते रेडक्रॉस के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः रेडक्रॉस सोसायटी ने मेडिकल कॉलेज के ब्लड बैंक में कार्यरत एक अधिकारी पर मरीजों को अनावश्यक परेशान करने का आरोप लगाया है। मामले में सोसायटी के सदस्यों ने मंगलवार से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। कार्यरत कर्मचारी पर कार्रवाई की मांग उठाई।

ज्ञापन में कहा कि विशेष रूप से बागेश्वर, पिथौरागढ़ एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले मरीजों को ब्लड लेने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। आरोप है कि कई मामलों में मरीजों के तीमारदारों के आधार कार्ड तक जब्त कर लिए जाते हैं, जो न केवल अमानवीय है। बल्कि नियमों के भी विरुद्ध है। कहा कि ब्लड बैंक जैसी आपातकालीन सेवा में इस तरह की लापरवाही और दुर्व्यवहार कतई बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। रेडक्रॉस सोसायटी सदस्यों ने मामले में कार्रवाई की मांग उठाई है। यहां ज्ञापन सौंपने वालों में प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज सनवाल, अध्यक्ष आशीष वर्मा, यूथ अध्यक्ष अमित साह मोनू, पूर्व स्वास्थ्य निदेशक डॉ. जेसी दुर्गापाल, अर्जुन बिष्ट चीमा, अभिषेक जोशी, हरीश कनवाल, अनूप साह मौजूद रहे।

बागेश्वर में मॉकड्रिल के दौरान घायल को देखते चिकित्सा कर्मी। ● अमृत विचार

बागेश्वर में मॉकड्रिल कर परखीं तैयारियां

बागेश्वर : जनपद में संभावित आपदाओं से निपटने की तैयारियों को परखने के लिए विभिन्न स्थानों पर बहु-स्थलीय मॉक ड्रिल आयोजित की गई। इस दौरान भूकंप, भूस्खलन, आग और वन्यजीव हमले जैसे परिदृश्यों पर राहत एवं बचाव कार्यों का अभ्यास किया गया। जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने जिला आपदा कंट्रोल रूम से पूरे अभ्यास की लाइव मॉनिटरिंग की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला मुख्यालय में भूकंप से भवन क्षतिग्रस्त होने का दृश्य तैयार कर एसडीआरएफ व प्रशासन ने रेस्क्यू अभियान चलाया। गरुड़ के जखेड़ा में भूस्खलन, कांडा में आग लगने और गुलदार हमले तथा कपकोट में भूकंप की स्थिति में संयुक्त टीमों ने त्वरित राहत कार्य किए। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। डीएम ने कहा कि ऐसे अभ्यास का उद्देश्य "गोल्डन ऑवर" में त्वरित और समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित करना है।

जाम से निजात दिलाने की मांग

- कांग्रेस ने बाईपास मार्गों के प्रभावी उपयोग और ठोस यातायात नीति बनाने की उठाई मांग

संवाददाता, बागेश्वर

पुलिस उपाधीक्षक को ज्ञापन सौंपते कांग्रेस कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

अमृत विचारः नगर की बिगड़ती यातायात व्यवस्था और लगातार लग रहे जाम से निजात दिलाने की मांग को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी ने पुलिस अधीक्षक के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से नगर में सुचारू यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए ठोस नीति बनाने और सभी बायपास मार्गों के प्रभावी उपयोग की मांग की गई।

मंगलवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुलिस उपाधीक्षक से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि नगर और आसपास के क्षेत्रों में आए दिन जाम की समस्या बनी रहती है, जिससे आम लोगों का पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। कई बार मरीजों को अस्पताल ले जा रही एंबुलेंस और अन्य वाहन भी जाम में फंस जाते हैं, जिससे स्थिति और गंभीर हो जाती है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि नगर के विभिन्न बायपास मार्गों का समुचित उपयोग नहीं हो रहा है। इसके अलावा बाजार क्षेत्रों में वाहनों की बेतरतीब पार्किंग, टैक्सियों और अन्य वाहनों की अनियंत्रित आवाजाही भी जाम का मुख्य कारण बन रही है। इन दिनों बारातों के वाहन भी बाजार से गुजर रहे हैं, जिससे समस्या और विकराल हो रही है। उन्होंने प्रशासन से शीघ्र प्रभावी यातायात योजना लागू करने की मांग की है।

फायरिंग का वीडियो वायरल, मुकदमा दर्ज

अल्मोड़ा : इंस्टाग्राम में फायरिंग का वीडियो अपलोड करना युवक का भारी पड़ गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस से मिली जानकारी अनुसार इंस्टाग्राम की एक आईडी में फायरिंग का एक वीडियो इन दिनों जमकर वायरल हो रहा है। इस पर पुलिस की साइबर टीम ने वीडियो की जानकारी जुटाई। पता चला कि आईडी नगर से सटे खत्याड़ी निवासी एक युवक की है। साथ ही जिस शस्त्र से फायर किया गया था उसका लाइसेंस भी नहीं मिला। मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए धारानौला चौकी प्रभारी आनंद कश्मीरा ने कोतवाली में तहरीर सौंपी। पुलिस ने आरोपी रजत के खिलाफ आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज किया है। शस्त्र कहा से आया इसकी भी जांच की जा रही है।

एसएसबी ने स्मैक व नगदी के साथ तीन तस्कर दबोचे

संवाददाता, बनबसा

- बनबसा सीमा पर आरोपियों से 1.86 लाख रुपये और 6 ग्राम स्मैक बरामद

अमृत विचारः सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने बनबसा सीमा क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 1 लाख 86 हजार 500 रुपये की भारतीय मुद्रा और 6 ग्राम स्मैक बरामद की गई है।

जानकारी के अनुसार, 15 मार्च 2026 को नियमित जांच के दौरान एसएसबी जवानों ने दो भारतीय नागरिकों को संदिग्ध हालत में रोककर तलाशी ली। इस दौरान एक व्यक्ति के पास से 1,27,000 रुपये और दूसरे से 59,500 रुपये बरामद हुए। पूछताछ में दोनों आरोपित बरामद राशि के संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। इसी क्रम में सीमा स्तंभ संख्या 805/1 के पास सूचना के आधार पर एक नेपाली नागरिक को पकड़ा गया, जिसके पास से 6 ग्राम स्मैक बरामद हुई। बताया गया कि वह इसे अवैध रूप से सीमा पार ले जाने की कोशिश कर रहा था। तीनों मामलों में बरामद नकदी और स्मैक को सीजर मेमो के तहत जब्त कर आरोपितों को आगे की कार्रवाई के लिए कस्टम विभाग बनबसा और स्थानीय पुलिस को सौंप दिया गया। कार्रवाई में सहायक कमांडेंट दिनेश कुमार सहित एसएसबी के अन्य जवान शामिल रहे।

पूर्णागिरि धाम में रास्तों की सफाई की

संवाददाता, टनकपुर

मां पूर्णागिरि धाम क्षेत्र में सफाई अभियान चलाते कर्मचारी। ● अमृत विचार

अमृत विचारः मां पूर्णागिरि धाम में बढ़ती श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए जिलाधिकारी मनीष कुमार के निर्देश पर वृहद स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिला पंचायत की टीमों ने मुख्य मंदिर परिसर से लेकर पैदल मार्ग के विभिन्न पड़ावों तक सफाई अभियान संचालित किया।

अभियान के तहत ठुलीगाड़, भैरव मंदिर मार्ग और विश्राम स्थलों के आसपास जमा कूड़ा-करकट व प्लास्टिक अपशिष्ट का निस्तारण किया गया। साथ ही स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रमुख स्थानों पर चूना छिड़काव भी कराया गया, जिससे संक्रमण की आशंका कम हो सके। डीएम ने कहा कि पूर्णागिरि धाम श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है, इसलिए यहां स्वच्छता बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि प्रशासन द्वारा यात्रा सीजन में बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष आनंद सिंह अधिकारी ने कहा कि सफाई व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी, ताकि श्रद्धालुओं को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिल सके।

डिजिटल क्रॉप सर्वे कार्य कराने पर भड़के कर्मचारी

संवाददाता, अल्मोड़ा

- चौघानपाटा में संघर्ष समन्वय समिति ने किया प्रदर्शन
- उत्तरकाशी में कर्मचारियों पर हुई कार्रवाई पर जताई नाराजगी

अमृत विचारः जिला मुख्यालय के चौघानपाटा स्थित गांधी पार्क में उद्यान, कृषि एवं राजस्व विभाग के फील्ड कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य निजी सर्वेयरों के माध्यम से कराए जाने की मांग की।

संघर्ष समन्वय समिति के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन में कर्मचारियों ने कहा कि विभागीय कार्मिक पहले से ही कई जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं। उन्हें विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों में भी सक्रिय भूमिका निभानी पड़ती है, जिससे कार्यभार काफी बढ़ गया है। ऐसे में तकनीकी रूप से जटिल डिजिटल क्रॉप सर्वे का अतिरिक्त कार्य उनके नियमित कामकाज को प्रभावित कर रहा है। कहा कि अन्य राज्यों में इस तरह के सर्वे कार्य निजी एजेंसियों से कराए जाते हैं, जिससे कार्य की गुणवत्ता और गति दोनों बेहतर रहती हैं। इसके अलावा उत्तरकाशी में फार्मर रजिस्ट्री को लेकर कृषि विभाग के कर्मचारियों पर हुई कार्रवाई पर भी नाराजगी व्यक्त की गई। प्रदर्शन में कई कर्मचारियों ने भाग लेते हुए अपनी मांगों को जल्द पूरा करने की अपील की।

छोलिया नृत्य के लिए लगेगी कार्यशाला

संवाददाता, रानीखेत

रानीखेत में महिला रामलीला प्रतियोगिता के लिए आयोजित बैठक में मौजूद लोग।

अमृत विचारः सांस्कृतिक समिति की बैठक में आगामी आयोजनों को लेकर विस्तृत चर्चा करते हुए मई माह में महिला रामलीला प्रतियोगिता आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही अप्रैल माह में स्कूली बच्चों के लिए छोलिया नृत्य तथा महिलाओं और छात्राओं के लिए ऐपण एवं रंगवाली पिछोड़ी कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी।

समिति अध्यक्ष विमल सती की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में लोक गायक एवं रंगकर्मी स्व. दीवान कनवाल को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनका भावपूर्ण स्मरण किया गया। साथ ही फागोत्सव के सफल आयोजन के लिए समिति के सदस्यों और सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया गया। कोषाध्यक्ष गौरव तिवारी ने फागोत्सव के आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया। बैठक में कथक परीक्षार्थियों के लिए अभ्यास कक्ष की व्यवस्था पर भी चर्चा की गई। निर्णय लिया गया कि महिला रामलीला प्रतियोगिता में क्षेत्र की महिला टीमों को संवाद व प्रसंगों के साथ भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार राशि और ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। बैठक में तीन नए सदस्यों को भी समिति की सदस्यता दी गई।

इस दौरान राजेंद्र पंत, दीपक पंत, संजय पंत, गौरव तिवारी, ज्योति साह, गीता जोशी, विनिता खाती, रीना वर्मा, अभिषेक कांडपाल, सोनू सिद्दीकी, पंकज साह, सौरभ अग्रवाल, शुभम अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

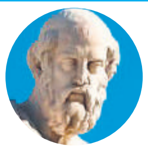

मैं वास्तव में केवल अपनी अज्ञानता की सीमा को ही जानता हूं।
–**प्लेटो**, दार्शनिक

विपक्ष का बिखराव

बिहार, ओडिशा और हरियाणा में हुए हालिया राज्यसभा चुनावों ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया कि विपक्षी एकजुटता अभी भी कागज़ी ज्यादा और ज़मीनी कम है। महागठबंधन और व्यापक विपक्षी मोर्चे की जो छवि प्रस्तुत की जाती रही है, उसमें दरारें खुलकर सामने आ गईं। विपक्ष अगर एकजुट रहता तो उसे एक-दो अतिरिक्त सीटें अवश्य मिल सकती थीं। क्रॉस वोटिंग और रणनीतिक चूक ने विपक्ष को नुकसान पहुंचाया। विशेषकर ओडिशा में कांग्रेस के विधायकों द्वारा क्रॉस वोटिंग और बीजद के भीतर भी अनुशासनहीनता यह दिखाती है कि विपक्षी दलों के भीतर संगठनात्मक कमजोरी गहरी है।

कांग्रेस की रणनीति में शिथिलता के पीछे कई कारण दिखाई देते हैं- स्थानीय नेतृत्व की कमजोरी, विधायकों पर नियंत्रण की कमी और चुनावी गणित का सही आकलन न कर पाना। इसके विपरीत भाजपा ने महीनों पहले से तैयारी कर, अपने उम्मीदवारों की संख्या, समर्थन और संभावित क्रॉस वोटिंग की संभावनाओं का सूक्ष्म आकलन किया। यही कारण है कि सीमित संख्या में विधायकों के बावजूद उसने अपेक्षा से अधिक सफलता प्राप्त की। ओडिशा में इस चुनाव ने संकेत दिया कि बीजद के भीतर दरारें उभर रही हैं, हालांकि पटनायक का हार्स ट्रेडिंग का आरोप राजनीतिक बयानबाजी ज्यादा है, परंतु क्रॉस वोटिंग की घटनाएं यह दर्शाती हैं कि दलों के भीतर अनुशासन पूर्ववत नहीं रहा। एनडीए के खाते में 22 सीटों का जाना और विपक्ष के हिस्से में सात सीटों की कमी राज्यसभा की गणित को स्पष्ट रूप से सत्ता पक्ष के पक्ष में झुका देता है। इससे सरकार को विधायी कार्यों में अपेक्षाकृत कम बाधा का सामना करना पड़ेगा। महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराने में अब विपक्ष की भूमिका सीमित होती दिखेगी। भाजपा की यह सफलता केवल चुनावी प्रबंधन का परिणाम नहीं, बल्कि दीर्घकालिक रणनीति का संकेत भी है। इन परिणामों को आगामी चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनावों से जोड़ा कर भी देखा जाना उचित होगा। राज्यसभा के चुनावों ने यह संकेत दिया है कि विपक्ष की अंदरूनी कमजोरी अभी भी बनी हुई है, जबकि सत्तापक्ष अपनी रणनीतियों में पर्याप्त सफलता पा रहा है। इससे चुनावों में सत्ता पक्ष का मनोबल बढ़ेगा, लेकिन विधानसभा चुनावों में अंतिम निर्णय मतदाता स्थानीय मुद्दों के आधार पर ही करेंगे। साढ़े सत्रह करोड़ मतदाताओं के इस चुनावी महासमर में जो दल बेहतर संगठन, स्पष्ट नेतृत्व और ठोस मुद्दों के साथ मैदान में उतरेंगे, वही सफलता प्राप्त करेंगे। इन राज्यों से लोकसभा और राज्यसभा के पर्याप्त सदस्य आते हैं, इसलिए यहां की जीत भविष्य के राष्ट्रीय समीकरणों को भी प्रभावित कर सकती है। जहां तक उपचुनावों का प्रश्न है, गोवा, गुजरात, महाराष्ट्र, नगालैंड और त्रिपुरा की आठ सीटों के परिणाम सीमित प्रभाव वाले होंगे, परंतु वे राजनीतिक रुझानों का संकेत अवश्य देंगे।

कुल मिलाकर राज्यसभा चुनावों ने विपक्ष के लिए यह स्पष्ट संदेश दिया है कि सिर्फ गठबंधन बना लेना पर्याप्त नहीं, उसे जमीन पर प्रभावी भी बनाना होगा। वहीं सत्ता पक्ष के लिए यह अवसर है, लेकिन उसे भी यह समझना होगा कि लोकतंत्र में अंतिम और कारसाज निर्णय हमेशा जनता के हाथ में होता है।

प्रसंगवश

कृषि देश में बीज का इंतजार करती महिला किसान

भारत को कृषि प्रधान देश के रूप में ही देखा जाता है, लेकिन हकीकत यह है कि यहां सबसे अधिक कठिनाई किसानों को ही होती है। कभी सूखा तो कभी बाढ़ और कभी बीज तो कभी मार्केट की समस्या उनके साथ लगी ही रहती है। बात जब महिला किसानों की आती है, तो यह समस्या और भी अधिक बढ़ जाती है। देश के कई ऐसे ग्रामीण क्षेत्र हैं, जहां महिला किसानों को सबसे अधिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। गांव की लगभग हर महिला किसान की कहानी ऐसी ही है। खेत तैयार होने के बाद अगर बीज समय पर न मिले, तो पूरा खेती का चक्र बिगड़ जाता है।

बिहार में कृषि राज्य की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। राज्य की लगभग 76 प्रतिशत आबादी किसी न किसी रूप में खेती पर निर्भर है। राज्य में करीब 56 लाख हेक्टेयर भूमि पर खेती होती है और धान, गेहूं और मक्का प्रमुख फसलें हैं। बिहार में धान का उत्पादन लगभग 99.34 लाख टन, गेहूं 78.27 लाख टन और मक्का 66.03 लाख टन के आसपास है। खेती का यह मजबूत ढांचा छोटे किसानों विशेषकर महिला किसानों की परेशानियों को हमेशा हल नहीं कर पाता। उत्तर बिहार के इलाके हर साल बाढ़ से भी प्रभावित होते हैं। मौसम की अनिश्चितता भी खेती के लिए बड़ी चुनौती बनती जा रही है। पिछले कुछ वर्षों में बारिश का पैटर्न भी बदल रहा है, जिससे खरीफ फसलों पर असर पड़ता है।

साक्षी कुमारी
एक्टिविस्ट

बिहार की प्रति व्यक्ति आय देश के औसत से काफी कम रही है, जिससे ग्रामीण इलाकों में रहने वाले किसानों की आय सीमित बनी रहती है। जब खेती पर निर्भर परिवारों की आय कम होती है और खेती से जुड़े संसाधन समय पर नहीं मिलते, तब सबसे अधिक बोझ महिलाओं पर पड़ता है। वे खेत में काम करती हैं, घर संभालती हैं और परिवार की जिम्मेदारी भी उठाती हैं, लेकिन खेती से जुड़ी योजनाओं और संसाधनों तक उनकी पहुंच अभी भी सीमित है। ऐसे में अगर इन महिला किसानों की स्थिति को बेहतर बनाना है, तो कुछ ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

सबसे पहले गांव स्तर पर बीज वितरण की ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए, जिससे किसानों को समय पर और उचित कीमत पर बीज मिल सके। पंचायत स्तर पर बीज बैंक बनाए जा सकते हैं, जहां किसान जरूरत के समय बीज प्राप्त कर सकें। दूसरा, महिला किसानों के लिए स्वयं सहायता समूहों और किसान उत्पादक संगठनों को मजबूत किया जाना चाहिए, ताकि वे सामूहिक रूप से बीज और अन्य कृषि संसाधन खरीद सकें। इससे लागत कम होगी और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। तीसरा, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए ऐसी फसल किस्मों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए, जो कम समय में तैयार हो जाएं और मौसम की अनिश्चितता को सहन कर सकें। इसके साथ ही कृषि विभाग को गांवों में नियमित प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम चलाने चाहिए ताकि महिला किसान आधुनिक खेती के तरीकों से जुड़ सकें।

महिलाएं हर साल अपने खेतों में उम्मीद बोती हैं, लेकिन यह उम्मीद तभी हकीकत बन सकती है जब उन्हें सही समय पर सही संसाधन मिलें। समय पर बीज मिलना सिर्फ खेती की जरूरत नहीं है, बल्कि उन परिवारों के जीवन को स्थिर करने का रास्ता भी है जिनकी दुनिया खेत की मेड़ों से शुरू होकर वहीं खत्म होती है। अगर नीति और व्यवस्था इन महिलाओं की मेहनत के साथ खड़ी हो जाए, तो मुजफ्फरपुर की मिट्टी सिर्फ फसल ही नहीं बल्कि हजारों परिवारों की बेहतर जिंदगी भी उगा सकती है।

(यह लेखिका के निजी विचार हैं)

पश्चिम एशिया की तबाही का जिम्मेदार कौन!

अरविंद जयतिलक
लेखक

ईरान-इजरायल-अमेरिका युद्ध ने एक बार फिर पश्चिम एशिया को संकट में डाल दिया है। सच कहें तो पश्चिम एशिया ही नहीं बल्कि आज पूरी दुनिया तीसरे विश्वयुद्ध के मुहाने पर आ गई है। इस युद्ध में हजारों लोग काल-कवलित हो चुके हैं और खरबों की संपत्ति नष्ट हो चुकी है। हर दिन युद्ध की आग बढ़ती जा रही है। खाड़ी के सभी 17 देश युद्ध की आग की ताप से हलकान हैं। होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने से दुनिया भर में तेल का संकट गहरा गया है। सवाल यह है कि पश्चिम एशिया को आग में झोंकने वाला खलनायक कौन है?

समझ से परे है कि जब ईरान समझौते के मुताबिक वर्ष 2025 तक अपने परमाणु कार्यक्रम को बहुत अधिक सीमित करने की दिशा में लगातार अग्रसर था, फिर उसे उकसाने की जरुरत क्यों आन पड़ी? किसी से छिपा नहीं है कि ईरान और बाइडन सरकार ने 2015 के समझौते को नए सिरे से आकार देने की कोशिश की थी। क्या डोनाल्ड ट्रंप उस समझौते को आगे नहीं बढ़ा सकते थे? लेकिन उन्होंने ऐसा न कर वार्ता को बर्फखाने में डाल दिया। आज की तारीख में ऐसा कोई कारण नहीं था कि ईरान पर हमला बोलकर युद्ध को निमंत्रण दिया जाए। जिस तरह डोनाल्ड ट्रप ने इजरायल का साथ देते हुए ईरान पर हमला बोलकर वहां के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खोमनेई समेत शीर्ष नेताओं को खत्म किया है, उससे फिर जंग की आग को रोक पाना कहां तक संभव था।

गौर करें तो इजरायल कतई नहीं चाहता था कि अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु समझौते पर कोई सहमति बने। याद होगा 2015 से पहले जब ईरान का अमेरिका समेत अन्य शक्तिशाली देशों के साथ परमाणु समझौता हुआ था, तब भी इजरायल ने इसे ऐतिहासिक गलती करार दिया था। दरअसल इजरायल इस नतीजे पर था कि ईरान के साथ पुराने समझौते को अमलीजामा पहनाना एक किस्म से तेहरान को परमाणु हथियार उपलब्ध कराने जैसा होगा। इजरायल वार्ता के विरोध में नहीं था, लेकिन वह चाहता था कि मौजूदा समझौता 2015 के समझौते से बेहतर हो। 2015 के समझौते के मुताबिक अगले डेढ़ दशक में ईरान की परमाणु गतिविधियों पर लगे प्रतिबंध समाप्त हो जाने का प्रावधान था, जिसे लेकर इजरायल, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात ने नाखुशी जाहिर की थी, लेकिन अब वार्ता ठंडे बस्ते में है और उसकी जगह गोले और बम बरस रहे हैं। एक-दूसरे को खत्म करने के इरादे बुलंद किए जा रहे हैं। जिस तरह ईरान द्वारा अमेरिका-इजरायल के अलावा खाड़ी के अमेरिकी समर्थन वाले देशों को निशाना बनाया जा रहा है, उससे साफ है कि हालात और बदतर होंगे।

ऐसा नहीं है कि इस युद्ध को रोका नहीं जा सकता था। अगर ईरान और अमेरिका वार्ता जारी रखते तो इस युद्ध को आसानी से टाला जा सकता था। थोड़ा अतीत में जाएं, तो पहले भी कई बार जंग की स्थिति बन चुकी थी, लेकिन पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के आखिरी कार्यकाल में अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु डील होने के बाद स्थिति संभल गई। तब परमाणु डील के बाद अमेरिका ने ईरान को खाद्य और फर्मास्युटिकल क्षेत्र में व्यापार की अनुमति दे दी थी। प्रतिबंध हटते ही ईरान को वैश्विक क्षितिज पर उड़ान भरने का मौका मिल गया था। अपने पुनर्निर्माण के लिए खुलकर कच्चा तेल बेचने के साथ विदेशी बैंकों में जमा 100 अरब डॉलर की जब्त संपत्तियों का भी उपभोग करने लगा, हालांकि एक नए घटनाक्रम में अमेरिका ने ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण को लेकर उसके विरुद्ध कड़ा कदम उठाते हुए इस कार्यक्रम से जुड़ी 11 कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया था।

अमेरिका ईरान के नाभिकीय कार्यक्रम के साथ लगातार आंख-मिचौली करता रहा है। 1950 में आइजन हावर प्रशासन के 'एटम फॉर पीस' कार्यक्रम के तहत पहली बार ईरान को सहायता मिली, लेकिन 1979 में अयातुल्ला खुमैनी द्वारा शाह शासन द्वारा प्रारंभ किए गए सभी नाभिकीय उर्जा संयंत्रों एवं परियाजनाओं को निरस्त कर दिया गया। यह वह समय था जब ईरान की इस्लामिक क्रांति उफान पर थी और शहरों में तेल के पैसों से समृद्धि थी, लेकिन गांवों में गरीबी दहाड़ मार रही थी।

आधुनिकीकरण के हिमायती शाह को ईरान की जनता पश्चिमी देशों की पिठ्ठू के रूप में देखने लगी। 1979 में अभूतपूर्व हिंसक प्रदर्शन हुए और अमेरिकी दूतावास को घेर लिया गया। शाह के समर्थकों और जनता के बीच संघर्ष चलता रहा और अंततः ईरान एक इस्लामिक गणराज्य बन गया। इराक युद्ध एवं सद्दाम हुसैन के दृष्टिकोण के कारण ईरान अपने नाभिकीय कार्यक्रम पर विचार के लिए बाध्य हुआ और वे 4500 नाभिकीय वैज्ञानिक जो इस्लामिक क्रांति के दौरान देश छोड़कर जा चुके थे, में से 80 फीसद को वापस बुला लिया गया।

1986 में तेहरान द्वारा नाभिकीय सुविधाएं स्थापित करने में सहायता के अनुरोध पर पाकिस्तान के अणु बम के जनक और बदनाम वैज्ञानिक एक्यू खान का ईरान दौरा हुआ और 1991 में इराक की पराजय ने ईरान के नाभिकीय कार्यक्रम के संकल्प को और मजबूती दे दी। अमेरिका की ईरान पर भौंहे तब तनीं जब 1995 में ईरान ने रूस के साथ क्रांति के उपरांत रद्द हुए बुशेर नाभिकीय रिएक्टर को स्थापित करने के लिए 800 मिलियन डॉलर का समझौता किया।

यह समझौता अमेरिका को बेहद नागवार गुजरा। ईरान के लिए संकट तब खड़ा हुआ जब ईरान विरोधी मुजाहिदीन खल्क संगठन ने दुनिया को यह जानकारी दी कि ईरान नातांज में यूरेनियम संवर्धन संयंत्र एवं अराक में भारी जल उत्पाद संयंत्र बिना अंतर्राष्ट्रीय परमाणु उर्जा एजेंसी (आईएईए) की जानकारी के स्थापित कर चुका है। 2003 में 'ऑपरेशन इराक फ्रीडम' से ठीक पहले आईएईए द्वारा उसके नाभिकीय प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। दबाव स्वरूप ईरान ने यूरोपीय यूनियन के साथ परमाणु ईंधन चक्र गतिविधियों को निलंबित करने का समझौता किया फिर भी बात नहीं बनी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

जब ईरान समझौते के मुताबिक वर्ष 2025 तक अपने परमाणु कार्यक्रम को बहुत अधिक सीमित करने की दिशा में लगातार अग्रसर था, फिर उसे उकसाने की जरूरत क्यों आन पड़ी?

आमने सामने

यह कांग्रेस के लिए आसान चुनाव नहीं था, लेकिन पार्टी ने बड़ी चुनौती को पार कर लिया है। बीजेपी ने चुनाव में 'वोट चोरी' की कोशिश की, लेकिन वह कांग्रेस उम्मीदवार को हराने में सफल नहीं हो पाई। क्रॉस वोटिंग वाले विधायक अब जनता के सामने उजागर हो चुके हैं।

–भूपेंद्र सिंह हुड्डा
नेता विपक्ष, हरियाणा

कांग्रेस को अपने ही विधायकों पर भरोसा नहीं है, इसलिए उन्हें एक तरह से 'बंधक' बनाकर रखा गया। कांग्रेस के बड़े नेता खुद पोलिंग एजेंट बने, जो यह दिखाता है कि पार्टी के अंदर विश्वास की कमी है। इस चुनाव में INLD ने अप्रत्यक्ष रूप से कांग्रेस का समर्थन किया।

–नायब सिंह सैनी
मुख्यमंत्री, हरियाणा

कैसा होगा भविष्य का ऊर्जा परिदृश्य

कुमार सिद्धार्थ
वरिष्ठ पत्रकार

विश्व परमाणु उद्योग स्थिति रिपोर्ट के ताज़ा आंकड़े बताते हैं कि दुनिया की ऊर्जा दिशा निर्णायक रूप से बदल चुकी है। बीते पच्चीस वर्षों से परमाणु ऊर्जा उद्योग लगभग ठहराव की स्थिति में है, वहीं नवीकरणीय ऊर्जा उसी अवधि में तेज़ी से आगे बढ़ रही है। रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025 में पूरी दुनिया में, जहां केवल 4.4 गीगावॉट नई परमाणु क्षमता का विस्तार हुआ है, वहीं सौर और पवन ऊर्जा में लगभग 793 गीगावॉट की वृद्धि हुई। ये आंकड़े बताते हैं कि वैश्विक ऊर्जा नीति और निवेश की दिशा अब किस ओर मुड़ चुकी है। परमाणु ऊर्जा, जिसे कभी आधुनिकता और प्रगति का प्रतीक माना गया था, अब धीरे-धीरे हाशिये पर जा रही है। इसके उलट अक्षय ऊर्जा न केवल ऊर्जा उत्पादन का प्रमुख स्रोत बनती जा रही है, बल्कि वह एक नई सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक दिशा का प्रतिनिधित्व कर रही है।

रिपोर्ट यह भी इंगित करती है कि परमाणु रिएक्टर बनाने वाले देशों की संख्या तेज़ी से घट रही है। पिछले दो वर्षों में यह संख्या 16 से घटकर 11 रह गई है। कई देशों ने या तो अपने अंतिम निर्माण परियोजना पूरी कर ली हैं या फिर नई परियोजनाओं को स्थगित कर दिया है। फ्रांस, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका जैसे देशों ने अपने आख़िरी निर्माण प्रोजेक्ट पूरे कर लिए हैं। वहीं अर्जेंटीना, ब्राज़ील और जापान ने निर्माण कार्यों को या तो रोक दिया है, या पूरी तरह समाप्त कर दिया है। इन सबके बीच केवल पाकिस्तान ऐसा देश है, जो हाल के वर्षों में इस सूची में नया नाम बनकर उभरा है।

आज दुनिया में 31 देश ऐसे हैं, जहां व्यावसायिक रूप से परमाणु बिजलीघर संचालित हो रहे हैं, लेकिन इनमें से भी केवल आठ देश ही नए रिएक्टर बना रहे हैं। इसके अलावा तीन देश बांग्लादेश, मिस्र और तुर्किये पहली बार अपने यहां परमाणु रिएक्टर बना रहे हैं। गौरतलब है कि इन तीनों देशों में यह काम रूसी परमाणु उद्योग की सहायता से हो रहा है।

शोधकर्ताओं का विश्लेषण बताता है कि वर्ष 2025 परमाणु उद्योग के लिए एक और निराशाजनक वर्ष रहा। जिस समय दुनिया जलवायु संकट से जूझ रही है और स्वच्छ ऊर्जा की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महसूस की जा रही है, उस समय परमाणु ऊर्जा अपेक्षित भूमिका निभाने में असफल रही है। वर्ष में दुनिया भर में केवल चार नए रिएक्टर चालू हुए, जबकि सात रिएक्टर स्थायी रूप से बंद कर दिए गए।

आज वैश्विक स्तर पर केवल 404 परमाणु रिएक्टर ही संचालित हैं, जो 2002 के 438 से काफी कम हैं। परमाणु ऊर्जा की हिस्सेदारी वैश्विक बिजली उत्पादन में घटकर नौ फीसद रह गई है, जबकि 1996 में यह 17.5 प्रतिशत थी। यह गिरावट बताती है कि परमाणु ऊर्जा न केवल विस्तार में पीछे छूट रही है, बल्कि अपने ऐतिहासिक प्रभुत्व को भी खोती जा रही है। आमतौर पर परमाणु संयंत्र को बनने में दस से पंद्रह साल लगते हैं और लागत अक्सर शुरुआती अनुमान से दोगुनी-तिगुनी हो जाती है।

परमाणु ऊर्जा केवल ऊर्जा उत्पादन का प्रश्न नहीं है, वह हमेशा से वैश्विक राजनीति, सैन्य शक्ति और सुरक्षा चिंताओं से भी जुड़ी रही है। यही कारण है कि जब भी किसी क्षेत्र में युद्ध या तनाव की स्थिति बनती है, तो परमाणु संयंत्र सबसे अधिक जोखिम वाले ठिकानों में गिने जाते हैं। वे स्थिर लक्ष्य होते हैं, जिन पर हमला केवल एक देश ही नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए विनाशकारी साबित हो सकता है।

चेर्नोबिल और फुकुशिमा जैसी आपदाएँ बताती हैं कि एक दुर्घटना पूरे देश और कई पीढ़ियों को प्रभावित कर सकती है। लेकिन आज यह खतरा केवल तकनीकी या प्राकृतिक आपदा तक सीमित नहीं रह गया है। इतिहास गवाह है कि परमाणु संयंत्रों पर सैन्य हमले कोई नई बात नहीं हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध ने इस खतरे को अभूतपूर्व रूप से उजागर कर दिया है। इज़राइल द्वारा इराक और सीरिया के परमाणु ठिकानों पर हमले, ईरान-इराक युद्ध में परमाणु सुविधाओं को निशाना बनाना और अमेरिका द्वारा इराक के शोध रिएक्टर को नष्ट करना, वहीं यूक्रेन का ज़ापोरिज़्झिया परमाणु संयंत्र, जो यूरोप का सबसे बड़ा परमाणु संयंत्र है, आज भीषण सैन्य तनाव के बीच खड़ा है। ये सभी उदाहरण बताते हैं कि शांतिपूर्ण परमाणु हमेशा सैन्य राजनीति की छाया में रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने इस स्थिति को अत्यंत नाजुक और अस्थिर बताया है। वर्ष 2025 में चेर्नोबिल के क्षतिग्रस्त चौथे रिएक्टर के ऊपर बने सुरक्षा गुंबद पर एक ड्रोन हमले ने गंभीर नुकसान पहुंचाया था। यह घटना बताती है कि दशकों पुरानी परमाणु आपदाएं भी आज के युद्धों में दोबारा खतरे में पड़ सकती हैं। इसके अलावा यूक्रेन में कम से कम 10 बार ऐसे सब-स्टेशनों पर हमले हुए, जो परमाणु संयंत्रों को बिजली आपूर्ति करते हैं। उर्जा एंजेसी के अनुसार ये सब-स्टेशन परमाणु सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक हैं, क्योंकि इन्हीं के माध्यम से रिएक्टरों को ठंडा रखने और अन्य सुरक्षा प्रणालियां चलाने के लिए बिजली मिलती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

ताज़ा आंकड़े बताते हैं कि दुनिया की ऊर्जा दिशा निर्णायक रूप से बदल चुकी है। बीते 25 वर्षों से परमाणु ऊर्जा उद्योग लगभग ठहराव की स्थिति में है।

सोशल फोरम

खुश होने में भी लगे डर

क्या आपको कभी ऐसा महसूस हुआ है कि किसी बहुत अच्छी खबर के मिलते ही मन में एक अजीब सा डर बैठ गया हो? जैसे ही आप खुलकर हंसते हैं, वैसे ही अचानक ख्याल आता है कि कहीं अब कुछ बुरा न हो जाए। विज्ञान की दुनिया में इस स्थिति को 'चेरोफोबिया' कहा जाता है। यह कोई साधारण वहम नहीं, बल्कि एक गहरा मनोवैज्ञानिक डर है।

ब्रह्मांड ज्ञान
ब्लॉगर

इसके पीछे का असली विज्ञान हमारे दिमाग के 'कंडीशनिंग' पैटर्न में छिपा है। जब किसी व्यक्ति के अतीत में खुशी के ठीक बाद कोई दुखद घटना घटी होती है, तो उसका मस्तिष्क खुशी और दर्द के बीच एक गलत संबंध बना लेता है। दिमाग को लगने लगता है कि खुशी दरअसल आने वाली किसी मुसीबत का संकेत है। मनोवैज्ञानिक इसे एक सुरक्षा तंत्र की तरह देखते हैं, जहां इंसान खुद को आने वाले संभावित दुख से बचाने के लिए खुश होने से ही कतराने लगता है।

यह डर अक्सर उन लोगों में ज्यादा देखा जाता है, जो स्वभाव से बहुत पूर्णतावादी होते हैं या जिन्हें लगता है कि वे खुशी के हकदार नहीं हैं, हालांकि विज्ञान कहता है कि ब्रह्मांड की घटनाओं का आपके हंसने या खुश होने से कोई सीधा संबंध नहीं है। खुश रहना आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए उतना ही जरूरी है, जितना शरीर के लिए ऑक्सीजन। इस डर को सही थेरेपी और सकारात्मक सोच के जरिए बदला जा सकता है, ताकि आप बिना किसी अपराधबोध के अपने खूबसूरत पलों का आनंद ले सकें।

–फेसबुक वाल से

सामयिकी

जंग खुद ही एक मसला है वो क्या मसलों का हल देगी

साहिर लुधियानवी का शेर है-

जंग तो ख़ुद ही एक मसअला है
जंग क्या मसअलों का हल देगी,
इस लिए ऐ शरीफ़ इंसानो
जंग टलती रहे तो बेहतर है
आप और हम सभी के आंगन में
शमअ जलती रहे तो बेहतर है

इन पंक्तियों में छिपा संदेश आज की दुनिया के लिए बेहद प्रासंगिक है। इतिहास गवाह है कि युद्ध कभी भी किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं बन पाया। आज जब दुनिया के कई हिस्सों में तनाव और संघर्ष की स्थिति बनती दिखाई देती है, तब यह प्रश्न और भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या युद्ध सचमुच समस्याओं का हल है?

निज़ाम जिलानी
लेखक

सच्चाई यह है कि युद्ध में जीतने वाला भी अंततः हार ही जाता है, क्योंकि उसमें इंसानियत हारती है। युद्ध केवल विनाश, पीड़ा और अस्थिरता को जन्म देता है। मानव सभ्यता ने जितनी तरक्की विज्ञान, शिक्षा और संवाद के माध्यम से हासिल की है, उससे कहीं अधिक नुकसान युद्धों ने पहुंचाया है। उल्टा, वह अपने साथ नई समस्याओं का ऐसा सिलसिला छोड़ जाती है, जो पीढ़ियों तक समाज को ज़ख्म देता रहता है।

इंसानों ने जो कुछ भी बनाया है शहर, संस्कृतियां, ज्ञान और मानवीय रिश्ते उन्हें नष्ट करने के लिए युद्ध का एक दौर ही काफी होता है। इतिहास के पन्ने बताते हैं कि हर युद्ध के बाद लोगों के टूटे हुए घर, बिखरे हुए परिवार और अधूरे सपने ही पीछे रह जाते हैं। जीत और हार के आंकड़े भले ही कागजों में दर्ज हो जाते हैं, लेकिन असली हार इंसानियत की होती है। विडंबना यह है कि हर युद्ध किसी न किसी बड़े आदर्श, सुरक्षा या सम्मान के नाम पर शुरू होता है। राष्ट्रवाद, सीमा सुरक्षा या राजनीतिक वर्चस्व के नाम पर युद्ध की आग भड़काई जाती है, लेकिन जब धूल बैठती है, तब सामने आता है- विनाश का वह भयावह सच, जिससे लाखों लोग विस्थापित हो चुके होते हैं, अनगिनत परिवार अपने परिवारों को खो चुके होते हैं और समाज में नफरत और अविश्वास की गहरी दरारें बन चुकी होती हैं।

आज का समय पहले से कहीं अधिक संवेदनशील है। तकनीक और हथियारों की शक्ति इतनी बढ़ चुकी है कि एक बड़े युद्ध की कल्पना ही मानव सभ्यता के लिए खतरा बन सकती है। परमाणु हथियारों और अत्याधुनिक सैन्य तकनीकों के इस दौर में कोई भी बड़ा संघर्ष, सिर्फ दो देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया को उसकी कीमत चुकानी पड़ सकती है। दुनिया पहले ही अनेकों गंभीर चुनौतियों से जूझ रही है। गरीबी, बेरोजगारी, जलवायु परिवर्तन, महामारी और सामाजिक असमानता जैसी तमाम समस्याएं बहुत से देशों के सामने खड़ी हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए सहयोग और संसाधनों की जरूरत है, लेकिन जब राष्ट्र युद्ध और टकराव की राह पकड़ लेते हैं, तब वही संसाधन हथियारों और सैन्य तैयारियों में खर्च होने लगते हैं, जिसका परिणाम यह होता है कि असली समस्याएं पीछे छूट जाती हैं और दुनिया एक नए संकट की ओर बढ़ने लगती है।

इतिहास यह भी सिखाता है कि जिन समाजों ने संवाद और कूटनीति को अपनाया, उन्होंने स्थायी शांति और विकास हासिल किया। युद्ध की तुलना में बातचीत और समझौता हमेशा अधिक कठिन रास्ता लगता है, क्योंकि उसमें धैर्य, संयम और दूरदर्शिता की जरूरत होती है, लेकिन यही रास्ता अंततः टिकाऊ समाधान देता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

डिजिटल और ग्लोबल हुआ लोक गीत-संगीत

भले ही आज की युवा पीढ़ी के बड़े हिस्से को लोक गीत और संगीत उबाऊ, बेमानी और उसके प्रशंसक दिखावटी लगते हों, लेकिन यह भी सच है कि युवाओं की ही तमाम टोलियां लोक गीत-संगीत को सांस्कृतिक धरोहर मानकर आधुनिकता का नया आयाम देने में जुटी हैं। उनके इन प्रयास से पारंपरिक धुनें, डिजिटल तकनीक और फ्यूजन के साथ मिलकर नए-नए रूप में सामने आ रही हैं। गिटार, ड्रम तथा सिंथेसाइजर जैसे वाद्ययंत्रों का इस्तेमाल करके युवाओं की यह कोशिश देशज गीत-संगीत को क्षेत्रीय संस्कृति से आगे बढ़ाकर वैश्विक मंच प्रदान कर रही है। *-मनोज त्रिपाठी, कानपुर*

नवाचार के मिलन की प्रक्रिया

लोक गीत-संगीत किसी भी क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान में विशिष्ट भूमिका निभाते हैं। वास्तव में यह उस इलाके में रहने वाले आम लोगों के रीति-रिवाजों, परंपराओं और दैनिक जीवन की कहानियों को भावनाओं और संवेदनाओं के सुरों में पिरोकर अप्रतिम झांकी प्रस्तुत करते हैं। इस तरह समय के साथ अधिकतर लोकगीत युद्ध, समुदाय, रीति-रिवाज, परंपरा, संस्कार और अनुष्ठान की पिछली घटनाओं के न सिर्फ साक्ष्य जैसे हैं, बल्कि उस क्षेत्र की जलवायु, भौगोलिक स्वरूप, लोगों के मिजाज, बोली और रहन-सहन जैसे पहलुओं को समझने का दस्तावेज भी हैं। वर्तमान में भारत का लोक संगीत समय के बदलाव के साथ लोक गीत और नवाचार के मिलन की प्रक्रिया से गुजर रहा है। इसमें पारंपरिक लोक संगीत को आधुनिकता, तकनीक और नए वाद्ययंत्रों जैसे गिटार, सिंथेसाइजर के साथ जोड़कर प्रस्तुत करने के प्रयोग देखे जा रहे हैं। इस मिश्रण ने लोक परंपराओं को युवा पीढ़ी से जोड़ने के साथ सुफियाना लोक रॉक जैसे नए रूपों को विकसित किया है।

पारंपरिक लोक धुनों की नई विधा रॉक या इलेक्ट्रो

पारंपरिक लोक धुनों को आधुनिक वाद्ययंत्रों और रॉक, पॉप या जैज जैसी पश्चिमी शैलियों के साथ मिलाकर 'फोल्क-रॉक' या 'इलेक्ट्रो-फोल्क' जैसी नई विधाएं तैयार की जा रही हैं। उदाहरण के लिए सूफी फोल्क रॉक भारत और पाकिस्तान में काफी लोकप्रिय हुआ है। बॉलीवुड ने भी तमाम पारंपरिक लोक गीतों को आधुनिक संगीत व्यवस्था के साथ पेश करके लोकप्रियता का नए शिखर पर पहुंचाया है। 'घूमर' या 'नगाड़ा के साथ ढोल' जैसे प्रयोग इसी का उदाहरण हैं। यही नहीं, तकनीक के माध्यम से लोक गीतों को रिकॉर्ड कर आर्काइव किया जा रहा है और सोशल मीडिया एवं स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म के जरिए तेजी से युवाओं तक पहुंचाया जा रहा है।

राजस्थानी लोक संगीत में बढ़ी फ्यूजन और बॉलीवुड की धमक

लोक गीत और नवाचार के माध्यम से परंपरा की जड़ों को आधुनिकता के साथ जोड़कर किस तरह नया स्वरूप प्रदान किया जा रहा है, इसकी एक झलक राजस्थान के संगीत में देखी जा सकती है, जो अपनी विशिष्ट विशेषताओं के कारण निरंतर ऊंचाइयों की ओर अग्रसर तो है, लेकिन उसने आधुनिकता के लिए दरवाजे भी खोल रखे हैं। संगीतकारों के डिजिटल प्लेटफॉर्म, पारंपरिक संगीत के फ्यूजन और बॉलीवुड में हुए प्रयोग इसी बात की पुष्टि करते नजर आते हैं। वहां तमाम लोक कलाकारों ने अपने पारंपरिक संगीत को फ्यूजन और बॉलीवुड की शैली में ढालकर नए दर्शकों तक पहुंचाया है। इससे न केवल संगीत की लोकप्रियता बढ़ी है, बल्कि युवा वर्ग में इसे लेकर रुचि भी जगी है। इस तरह वैश्विक संस्कृति से संपर्क, उन्नत तकनीक और लोगों की पसंद में आ रहे बदलाव से राजस्थान का संगीत धीरे-धीरे परिवर्तन की सीढ़ियां चढ़ रहा है।

गांवों की चौपालों तक सीमित नहीं रहे लोक गीत

देशज गीत-संगीत की एक झलक इस बार फागुन में नजर आई, जिसमें होली के मौके पर गाए जाने वाले फाग गीतों को नए अंदाज में पेश करके युवा टोलियों ने लोक संस्कृति को बड़े शहरों में जीवंत कर दिया। पारंपरिक ढोल-मंजीरे की जगह उन्होंने फास्ट बीट और फ्यूजन म्यूजिक का इस्तेमाल किया। उनकी इस कोशिश ने यह साबित कर दिखाया कि लोक गीत-संगीत सांस्कृतिक धरोहर होने के साथ ही गंगा की उस धारा की तरह है, जो समय, समाज और सभ्यता के हर परिवर्तन को अपने भीतर समेटते हुए निरंतर गतिशील है। ऐसे प्रयासों से लोक गीत अब गांवों की चौखट या चौपाल तक सीमित नहीं रहे हैं। गायन मंडलियां और आधुनिक बैंड नई शैलियों का निर्माण करके इन्हें डिजिटल और ग्लोबल मंचों तक पहुंचाने में जुटी हैं, जो नई पीढ़ी को खासा पसंद आ रहा है।

विरासत की लहरियों को नए आयाम दे रहे बैंड

पद्म अनूप रंजन पांडे का लोकप्रिय बस्तर बैंड आदिवासी कलाकारों का ऐसा समूह है, जिसने पारंपरिक गीत-संगीत और नृत्य को विदेशों तक पहुंचाया है। अपनी अनूठी स्वर लहरियों के साथ यह बैंड अलग छाप छोड़ता है। हालांकि बस्तर बैंड का कहना है कि वह अपनी मिट्टी से जुड़ा है और उसने लोक कलाओं में न तो कोई संशोधन किया है और न ही आधुनिकता का तड़का लगाया है। इसी तरह सादिक, असिन और जाकिर का साज बैंड रजस्थानी गीत-संगीत की परंपरा को नए आयाम देने के साथ अपनी विरासत को संरक्षित कर रहा है। ऐसे ही लुप्त होती पारंपरिक संगीत संस्कृति को संरक्षित करने के लिए ओडिशा ने पहला लोक संगीत बैंड 'आदि धुन' बनाया है।

पंजाब में 'फोक टर्बेनेटर्स' मेलों में जमा रहे नया रंग

पंजाब की लोक गायकी को भी वहां के युवाओं ने नए रंग भरकर फिर से जिंदा कर दिया है। पारंपरिक परिधानों में युवाओं की टोलियां आज वहां मेलों और पर्वों के मौके पर लोक गीतों को नए स्वर देती नजर आती हैं, जिसे सुनने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटते हैं। ऐसे युवाओं के म्यूजिक ग्रुप 'फोक टर्बेनेटर्स' के नाम से जाने जाते हैं। लाइव शो करने के साथ मेलों और प्रदर्शनियों में गाना-बजाना अब लोक संस्कृति की पहचान बन चुका है।

अनोखी परंपरा

दापा प्रथा: बिना शादी के दांपत्य जीवन की शुरुआत

दुनियाभर में अनेक ऐसी परंपराएं देखने को मिलती हैं, जिनके बारे में जानकर आश्चर्य होता है। भारत अपनी विविध संस्कृति और परंपराओं के कारण विशेष पहचान रखता है। यहां अलग-अलग क्षेत्रों और समुदायों में जीवन के अपने-अपने नियम और सामाजिक व्यवस्थाएं विकसित हुई हैं। ऐसी ही एक अनोखी परंपरा राजस्थान के उदयपुर, सिरोही और पाली जिलों में रहने वाली गरासिया जनजाति में देखने को मिलती है।

गरासिया समाज अपनी विशिष्ट सामाजिक परंपराओं के लिए जाना जाता है। इस समुदाय में दांपत्य जीवन की शुरुआत एक अनोखे तरीके से होती है, जो आधुनिक समय में प्रचलित 'लिव-इन रिलेशन' की तरह दिखाई देती है। सामान्य भारतीय समाज में जहां विवाह को दांपत्य जीवन की अनिवार्य शर्त माना जाता है, वहीं गरासिया समाज में युवक और युवती पहले साथ रहने लगते हैं और बाद में आवश्यकता या इच्छा के अनुसार विवाह करते हैं।

इस परंपरा की शुरुआत 'दापा प्रथा' से होती है। जब किसी युवक और युवती के बीच आपसी सहमति बन जाती है, तो लड़के पक्ष की ओर से लड़की के परिवार को सामाजिक मान्यता के रूप में कुछ धनराशि दी जाती है। यह राशि पंचायत और समाज की सहमति से तय होती है। इसके बाद दोनों बिना औपचारिक विवाह के ही पति-पत्नी की तरह साथ रहने लगते हैं। समाज भी इस संबंध को स्वीकार करता है और उन्हें परिवार के रूप में मान्यता देता है।

इस व्यवस्था में एक और विशेष बात यह है कि दंपति पर तुरंत विवाह करने का कोई दबाव नहीं होता। कई बार ऐसा भी होता है कि युवक-युवती वर्षों तक साथ रहते हैं और जब उनके बच्चे हो जाते हैं या उन्हें उचित लगता है, तब वे पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह कर लेते हैं।

गरासिया समाज में इस परंपरा के पीछे एक पुरानी लोककथा भी सुनाई जाती है। कहा जाता है कि बहुत समय पहले इस समाज के चार भाई अलग-अलग स्थानों पर जाकर बस गए थे। उनमें से तीन भाइयों ने विवाह किया, जबकि चौथा भाई बिना विवाह के ही अपनी साथी के साथ रहने लगा। संयोग से विवाह करने वाले तीनों भाइयों की कोई संतान नहीं हुई, जबकि चौथे भाई के वंश से ही परिवार और समाज आगे बढ़ा। इस घटना के बाद से यह मान्यता बन गई कि साथ रहकर संबंधों की सच्चाई और सामंजस्य को समझना भी जरूरी है। हालांकि इस परंपरा में कुछ सामाजिक नियम भी हैं। यदि युवक और युवती लंबे समय तक साथ रहने के बावजूद संतान प्राप्त नहीं कर पाते, तो वे आपसी सहमति से अलग हो सकते हैं। इसके बाद दोनों किसी अन्य साथी के साथ नया संबंध बना सकते हैं और परिवार बसाने का प्रयास करते हैं। इस प्रकार गरासिया समाज की यह परंपरा भारतीय समाज की विविधता को दर्शाती है, जहां हर समुदाय ने अपनी परिस्थितियों और अनुभवों के आधार पर अलग-अलग सामाजिक व्यवस्थाएं विकसित की हैं।

आर्ट गैलरी

पियरे-अगस्त रेनॉयर की पेंटिंग 'वोमेन वेयरिंग ए रोज एंड्री'

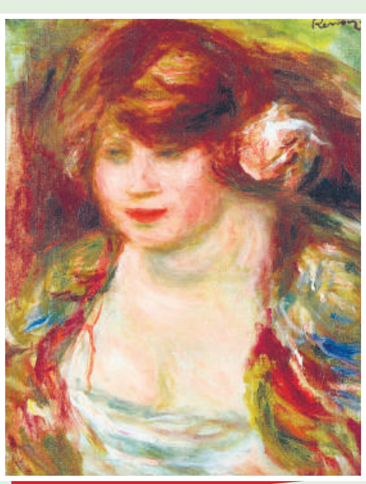

यह कलाकृति, प्रसिद्ध इंप्रेशनिस्ट चित्रकार पियरे-अगस्त रेनॉयर ने 1919 में बनाई थी। यह कैनवस पर तैल रंगों से बना एक चित्र है, जो इंप्रेशनिस्ट आंदोलन की विशिष्ट तकनीकों और सौंदर्यशास्त्र को दर्शाता है। वर्तमान में, यह पेंटिंग एक निजी संग्रह में रखी हुई है। यह कलाकृति एक महिला का जीवंत और अंतरंग चित्रण है, उसके रंग-रूप को गर्म और चमकदार रंगों के मिश्रण से उकेरा गया है, जो इंप्रेशनिज़्म की खासियत- प्रकाश और छाया के मिश्रण को बखूबी पकड़ता है। उसकी नजर थोड़ी हटकर है, जो आत्म-चिंतन के एक गहन क्षण को दर्शाती है। उसके बालों में एक गुलाब सजा है, जिसे बड़ी कलात्मकता से लगाया गया है। ब्रश स्ट्रोक ढीला और अभिव्यंजक है, जिससे रंग सीधे कैनवस पर ही आपस में घुल-मिल जाते हैं।

पियरे के बारे में

पियरे-अगस्त रेनॉयर एक फ्रांसीसी चित्रकार थे, जिनका जन्म 25 फरवरी, 1841 को लिमोजेस, फ्रांस में हुआ था। तीन दिसंबर, 1919 को 78 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया। पियरे का बचपन गरीबी में बीता, लेकिन उनमें चित्रकला की प्रतिभा बचपन से ही दिखाई देने लगी थी। पेरिस के एक कला विद्यालय में दाखिला लेने से पहले, उन्होंने चीनी-मिट्टी (porcelain) पर चित्रकारी करने वाले आर्टिस्ट के रूप में काम करना शुरू किया। वहीं उनकी मुलाकात अन्य कलाकारों से हुई, जो आगे चलकर इंप्रेशनिस्ट आंदोलन का हिस्सा बने। जैसे- क्लाउड मोनेट और एडगर डेगास।

लोकायन

साल के फूलों संग खिलता सरहुल का उल्लास

झारखंड और उसके आसपास के क्षेत्रों में मनाया जाने वाला सरहुल पर्व आदिवासी समाज के सबसे महत्वपूर्ण और पवित्र त्योहारों में से एक है। यह पर्व केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति गहरी आस्था और कृतज्ञता का प्रतीक माना जाता है। सरहुल के माध्यम से आदिवासी समुदाय प्रकृति, पृथ्वी और सूर्य के प्रति अपना सम्मान व्यक्त करते हैं। इस अवसर पर साल वृक्ष की पूजा, पारंपरिक गीत-नृत्य और सामूहिक भोज का विशेष महत्व होता है।

झारखंड के उरांव, मुंडा तथा अन्य आदिवासी समुदाय इस पर्व को बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाते हैं, जिससे गांवों में आनंद और उत्सव का वातावरण बन जाता है। 'सरहुल' शब्द की उत्पत्ति भी प्रकृति से ही जुड़ी है। यह दो शब्दों- 'सर' या 'सराय' और 'हुल' से मिलकर बना है। 'सर' या 'सराय' का अर्थ साल का पेड़ (शोरिया रोबस्टा) होता है, जबकि 'हुल' का मतलब होता है सामूहिक उत्सव या आनंद का अवसर। इस प्रकार सरहुल का अर्थ है साल वृक्ष के माध्यम से प्रकृति का सामूहिक उत्सव मनाना।

लोकमान्यताओं के अनुसार यह पर्व पृथ्वी और सूर्य के प्रतीकात्मक विवाह का भी संकेत देता है। इसी कारण इस दिन लोग सरना स्थल या पवित्र वृक्ष के नीचे पूजा-अर्चना करते हुए प्रकृति से सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हैं। सरहुल पर्व अलग-अलग जनजातीय समुदायों में अलग नामों से भी जाना जाता है। उरांव सरना समाज में इसे 'खद्दी' या 'खेखेल बेंजा' कहा जाता है। हालांकि विभिन्न समुदायों में

इसकी परंपराओं और अनुष्ठानों में थोड़ी भिन्नता दिखाई देती है, लेकिन प्रकृति की पूजा और सामूहिक उत्सव इसकी मूल भावना बनी रहती है।

इस पर्व की तैयारियां लगभग एक सप्ताह पहले से ही शुरू हो जाती हैं। गांव के पाहन यानी पुजारी इस अवसर से पहले उपवास रखते हैं। पर्व के दिन सुबह सूर्योदय से पहले दो नए घड़ों में पवित्र जल भरकर सरना स्थल पर अर्पित किया जाता है। इसके बाद साल के वृक्ष की पूजा की जाती है और गांव की खुशहाली के लिए प्रार्थना की जाती है। इस पूजा में मां सरना, सूर्य देवता, ग्राम देवताओं और पूर्वजों को स्मरण किया जाता है।

पूजा के बाद उत्सव का रंग और भी गहरा हो जाता है। आदिवासी समुदाय के लोग रंग-बिरंगे पारंपरिक वस्त्र पहनते हैं और गांव के अखड़ा में सामूहिक नृत्य करते हैं। महिलाएं और पुरुष साल के फूलों से स्वयं को सजाते हैं और पारंपरिक वाद्ययंत्रों की धुन पर नृत्य-गीत का आनंद लेते हैं। इस दौरान चावल से बने पारंपरिक पेय 'हांडिया' का सेवन भी किया जाता है। दरअसल, सरहुल केवल एक पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति सम्मान, सामूहिकता की भावना और आदिवासी सांस्कृतिक परंपराओं को जीवित रखने का प्रतीक है। यही कारण है कि झारखंड में यह त्योहार पूरे उल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है।

केवल देखने तक सीमित नहीं कला का अनुभव

एक प्रचलित कहावत है 'सावन के अंधे को हरा ही हरा दिखता है'। स्पष्ट है यह कहावत दृष्टिबाधितों द्वारा रंगों की समझ और अनुभूति पर प्रश्नचिन्ह लगाता है। दूसरी तरफ विज्ञान उन चुनौतियों को भी स्वीकारता चला आ रहा है, जिसे सामान्य व्यक्ति लगभग असंभव मान लेते हैं। ऐसे में खबर है कि एम्स्टर्डम स्थित वान गॉग म्यूजियम ने कला को अधिक समावेशी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की है। इसके तहत यह संग्रहालय अब दृष्टिहीन और कम दृष्टि वाले दर्शक को भी महान डच चित्रकार विन्सेंट वान गॉग की कलाकृतियों की अनुभूति का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। आमतौर पर चित्रकला को देखने की कला माना जाता है, इसलिए दृष्टिबाधित लोगों के लिए इसे समझना या अनुभूत करना कठिन माना जाता है। ऐसे में एम्स्टर्डम स्थित इस संग्रहालय ने कई अभिनव उपायों के माध्यम से इस चुनौती को अवसर में बदल दिया है।

सुमन कुमार सिंह
कलाकार/कला लेखक

संग्रहालय ने विशेष रूप से तैयार की गई स्पर्शनीय (टैक्टाइल) प्रतिकृतियां विकसित की हैं, जिनकी सहायता से दृष्टिहीन आगंतुक चित्रों की संरचना और आकृतियों को हाथों से महसूस कर सकते हैं। इन प्रतिकृतियों में चित्र की मुख्य रेखाओं, बनावट और रूपों को उभरे हुए रूप में तैयार किया गया है, जिससे दर्शक स्पर्श के माध्यम से यह समझ सकें कि चित्र में कौन-कौन से तत्व मौजूद हैं और उनका आपसी संबंध क्या है। इसके साथ ही संग्रहालय में ऑडियो गाइड और विशेष वर्णनात्मक व्याख्याएं भी उपलब्ध कराई जाती हैं। इन विवरणों में चित्रों के रंगों, प्रकाश, भावनाओं और संरचना का विस्तार से वर्णन किया जाता है, ताकि दृष्टिबाधित दर्शक भी कल्पना के माध्यम से चित्र की दुनिया में प्रवेश कर सकें। उदाहरण के लिए, वान गॉग की प्रसिद्ध कृतियों में दिखाई देने वाले तीव्र रंगों, गतिशील ब्रश स्ट्रोक और प्रकृति के जीवंत दृश्यों को शब्दों के माध्यम से इस तरह प्रस्तुत किया जाता है कि श्रोता उनके भावात्मक प्रभाव को महसूस कर सके।

इसके अतिरिक्त संग्रहालय समय-समय पर विशेष समावेशी कार्यशालाएं और मार्गदर्शित भ्रमण भी आयोजित करता है, जिनमें प्रशिक्षित विशेषज्ञ आगंतुकों को कला के अनुभव से जोड़ते हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य यह दिखाना है कि कला केवल आंखों से देखने की वस्तु नहीं है, बल्कि उसे स्पर्श, ध्वनि और कल्पना के माध्यम से भी महसूस किया जा सकता है।

इस पहल के पीछे एक व्यापक विचार यह है कि संग्रहालय केवल वस्तुओं को प्रदर्शित करने का स्थान न होकर समाज के सभी वर्गों के लिए खुला सांस्कृतिक मंच बने। वान गॉग म्यूज़ियम की यह पहल दुनियाभर के

संग्रहालयों के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण है। यह दिखाती है कि यदि रचनात्मक सोच और संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाया जाए, तो कला का अनुभव हर व्यक्ति तक पहुंचाया जा सकता है- चाहे वह देख सकता हो या नहीं। इस प्रकार यह संग्रहालय न केवल महान कलाकार वान गॉग की कला को संरक्षित कर रहा है, बल्कि यह भी साबित कर रहा है कि कला की दुनिया वास्तव में सबके लिए है यानी उनके लिए भी जो देखने में सक्षम नहीं हैं। वैसे दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए चित्रकला को सुलभ बनाने का प्रयास केवल हाल के वर्षों की पहल नहीं है। दुनिया के कई संग्रहालयों और कला संस्थानों ने लंबे समय से ऐसे प्रयोग किए हैं, जिनके माध्यम से दृष्टिबाधित दर्शक भी कला का अनुभव कर सकें। आज वान गॉग म्यूजियम द्वारा किए जा रहे प्रयास इसी व्यापक परंपरा की एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं।

दरअसल 20 वीं सदी के उत्तरार्ध में यूरोप और अमेरिका के कई संग्रहालयों ने 'टैक्टाइल आर्ट' यानी स्पर्श आधारित कला अनुभव की अवधारणा पर काम करना शुरू किया। लंदन के टेट गैलरी में 1980 के दशक में ऐसी प्रदर्शनियां आयोजित की गईं, जिनमें दर्शकों को मूर्तियों को छूकर समझने की अनुमति दी गई। इन प्रदर्शनों का उद्देश्य यह बताना था कि कला का अनुभव केवल देखने तक सीमित नहीं है, उसे स्पर्श और कल्पना के माध्यम से भी समझा जा सकता है। इसी प्रकार भारत में भी संग्रहालयों ने इस दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली में 'अनुभवः ए टैक्टाइल एक्सपीरियंस' नामक विशेष गैलरी बनाई गई है, जहां प्राचीन मूर्तियों और कलाकृतियों की स्पर्शनीय प्रतिकृतियां रखी गई हैं। इन प्रतिकृतियों के साथ ब्रेल लिपि में जानकारी और ऑडियो विवरण भी उपलब्ध कराया गया है, जिससे दृष्टिबाधित दर्शक कला को बेहतर ढंग से समझ सकें।

आजकल नई तकनीकों के माध्यम से चित्रों और मूर्तियों को 3-डी टैक्टाइल मॉडल में बदलने के प्रयोग भी किए जा रहे हैं। इन मॉडलों में चित्र की रेखाओं और आकृतियों को उभरे हुए रूप में बनाया जाता है, ताकि दर्शक उन्हें हाथों के स्पर्श से महसूस कर सकें। वास्तव में इन सभी प्रयासों का मूल उद्देश्य यह है कि संग्रहालय और कला संस्थान समाज के हर वर्ग के लिए उपयोगी साबित हों। जाहिर है कि इस प्रकार की पहल का मुख्य उद्देश्य यह साबित करना है कि कला केवल आंखों से देखने की वस्तु नहीं, बल्कि संवेदनाओं और अनुभवों की एक व्यापक दुनिया है, जिसे हर व्यक्ति अपने तरीके से महसूस कर सकता है।

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2490, राजश्री 1950, फ़ॉर्चून कि. 2510, रविन्द्रा 2460, फॉर्चुन 13 किग्रा 2210, जय जवान 2110, सचिन 2220, सूरज 2110, अवसर 2015, उजाला 2080, गृहणी 13 किग्रा 2055, क्लासिक (किग्रा) 2365, मोर 2315, चक्र टिन 2460, ब्लू 2305, आशीर्वाद मस्टर्ड 2380, स्वास्तिक 2445
किराना : निजामाबाद हल्दी 16600, जीरा 26500, लाल मिर्च 21500–24000, धनिया 12000–13000, अजवाइन 14000–19000, मेथी 7000–8000 सौंफ 11000–20000, सोंठ 33000, **प्रति किलो :** लौंग 850–1000, बादाम 750–1050, काजू 2 पीस 830, किशमिश पीली 330–380, मखाना 900–1050
चावल प्रति कुंटल : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8800, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ती नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8800, गौरी प्रीमियम 10300, सूमो 4000, गौरी डिलाइट 9300, मंसूरी पनघट 4200, लाडली 4200
दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200–12000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250–7450 मलका दाल 7350–9200, मलका छांटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800–9800, मसूर दाल छोटी 10000–11600, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800–11500, चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800–8400, सच्चा हीरा 8700, मोटा हीरा 9800, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11100–11800, अरहर कोरी छोटी 12800
चीनी : पीलीभीत 4380, बहेड़ी 4360

बरेली सर्राफा

सोना प्रति 10 ग्राम : पक्के आभूषण 158500, सोना गिन्नी 154500, **चांदी प्रति किलो :** पक्की 2620 अनुमानित

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती 3300, मसूरी 1000 बासमती 7200–7800, परमल 1000–3400
दाल दलहन : काला चना 2200–3000, साबुत चना दाल 1200, मूंग साबुत 5400, राजमा 7200–12000, दाल उड़द 5600, साबुत मसूर दाल 2600, मसूर दाल 1000, उड़द साबुत 10400, काबुली चना 5800–10200, अरहर दाल 10400 –12000, लोबिया/करमानी 1200–3200

युद्ध से आपूर्ति संकट... देश में एलपीजी की खपत में हुई 17 प्रतिशत की गिरावट

पिछले साल मार्च में 13.87 लाख टन थी खपत, इस साल 15 दिन में ही घटकर 11.47 लाख टन

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण आपूर्ति बाधित होने से देश में रसोई गैस (एलपीजी) की खपत मार्च के पहले पखवाड़े में 17.7 प्रतिशत घट गई। प्रारंभिक उद्योग आंकड़ों के अनुसार मार्च के पहले पंद्रह दिन में एलपीजी खपत घटकर 11.47 लाख टन रह गई जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 13.87 लाख टन के मुकाबले 17.3 प्रतिशत कम है। यह फरवरी के पहले पखवाड़े की 15.57 लाख टन मांग से 26.3 प्रतिशत कम है।

भारत अपनी एलपीजी आवश्यकता का लगभग 60 प्रतिशत आयात करता है जिसमें से अधिकतर होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आता है। अमेरिका और इजराइल की ओर से ईरान पर हमले और तेहरान की जवाबी कार्रवाई के बाद यह मार्ग बाधित हो गया है। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात से आपूर्ति प्रभावित होने के कारण सरकार ने घरेलू रसोई गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए होटल जैसे वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों और उद्योगों को एलपीजी आपूर्ति में कटौती की है। सार्वजनिक क्षेत्र की तीन तेल विपणन कंपनियों के प्रारंभिक बिक्री आंकड़ों के अनुसार एक से 15 मार्च के दौरान एलपीजी खपत 2024 की समान अवधि की तुलना में 16 प्रतिशत और 2023 की समान अवधि की तुलना में 10.6 प्रतिशत कम रही।

तीन वितरण पेट्रोलियम कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड की बाजार में करीब 90 प्रतिशत हिस्सेदारी है। एलपीजी खपत में पिछले कुछ वर्ष में सालाना आधार पर तीन से चार प्रतिशत की स्थिर वृद्धि देखी गई थी, जिसका कारण सरकार की ओर से लकड़ी एवं अन्य प्रदूषणकारी ईंधनों के स्थान पर स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा दिया जाना है।

एलपीजी की अनुपलब्धता के कारण मुंबई में मंगलवार को बंद पड़ा एक रेस्टोरेंट।

विमान ईंधन की खपत भी 12 प्रतिशत कम हुई

युद्ध के कारण खाड़ी देशों में हवाई क्षेत्र बंद होने और उड़ानों के निलंबन से विमान ईंधन (एटीएफ) की खपत भी प्रभावित हुई है। मार्च के पहले पखवाड़े में यह चार प्रतिशत घटकर 3,27,900 टन रह गई जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में कम है। वहीं मासिक आधार पर इसमें 12.3 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इन दो युद्धप्रभावित ईंधनों के अलावा पेट्रोल और डीजल की मांग में अच्छी वृद्धि दर्ज की गई। पेट्रोल की बिक्री 13.2 प्रतिशत बढ़कर लगभग 15 लाख टन हो गई जबकि डीजल की खपत 8.2 प्रतिशत बढ़कर 33.84 लाख टन रही।

पंजाब में एलपीजी वितरकों ने खारिज किया केंद्र का पर्याप्त उपलब्धता का दावा

- कहा- कोई कमी नहीं तो क्यों लागू किए जा रहे हैं प्रतिबंधात्मक उपाय

चंडीगढ़। केंद्र सरकार और पेट्रोलियम विपणन कंपनियों की ओर से पर्याप्त उपलब्धता का दावा खारिज करते हुए पंजाब के एलपीजी वितरकों ने मंगलवार को कहा कि एलपीजी की आपूर्ति 'अपर्याप्त' है। उन्होंने बकाया आपूर्ति को पूरा करने के लिए रसोई गैस की आपूर्ति बढ़ाने की मांग की। मीडियाकर्मियों के बीच फेडरेशन ऑफ एलपीजी डिस्ट्रिब्यूटर्स ऑफ पंजाब के अध्यक्ष गुरपाल सिंह मान ने दावा किया कि एलपीजी की कीमतों में अचानक हुई वृद्धि ने उपभोक्ताओं में घबराहट पैदा कर दी है, जिन्हें आपूर्ति में संभावित कमी की आशंका है। स्थिति को स्थिर करने के बजाय बाद में उठाए गए कदमों ने भ्रम और चिंता को और बढ़ा दिया। इसके साथ शहरी क्षेत्र में 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्र में 45 दिन का भेदभावपूर्ण और प्रतिबंधात्मक बुकिंग अंतराल लागू करने से गंभीर चिंताएं पैदा हो गई हैं। मान ने कहा कि यदि कोई कमी नहीं है, जैसा कि आधिकारिक तौर पर कहा जा रहा है, तो ऐसे उपायों को सही ठहराना मुश्किल है। 3–4 दिन के लिए एलपीजी बुकिंग चैनल को अस्थायी रूप से निलंबित करने से स्थिति और बिगड़ गई है, जिससे वितरकों को बिना किसी स्पष्टता या समर्थन के जनता के दबाव का सामना करना पड़ रहा है।

शेयर बाजार में दूसरे दिन भी तेजी

मुंबई। वैश्विक बाजारों के सकारात्मक रुख और धातु एवं वाहन शेयरों में खरीदारी के बीच मंगलवार को घरेलू शेयर बाजारों में लगातार दूसरे दिन मजबूती रही। सेंसेक्स 568 अंक चढ़कर बंद हुआ, जबकि निफ्टी में 172 अंक की तेजी रही।

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 567.99 अंक यानी 0.75 प्रतिशत चढ़कर 76,070.84 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 801.41 अंक बढ़कर 76,304.26 अंक तक पहुंच गया था। एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी भी 172.35 अंक यानी 0.74 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,581.15 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में से इटर्नल का शेयर सबसे अधिक 5.70 प्रतिशत चढ़ा। इसके अलावा टाटा स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, लार्सन एंड टुब्रो, भारती एयरटेल और मारुति सुजुकी के शेयरों में भी तेजी में रहे। दूसरी तरफ, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, आईटीसी, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और एचसीएल टेक के शेयरों में गिरावट का रुख देखा गया।

राहत... सेंसेक्स 568 अंक चढ़ा और निफ्टी ने भी ली 172 अंकों की बढ़त

रुपया 12 पैसे टूटकर 92.40 डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर पर

मुंबई। अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया मंगलवार को 12 पैसे टूटकर अपने सबसे निचले स्तर 92.40 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। पश्चिम एशिया संकट के बीच कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी निवेशकों द्वारा लगातार पूंजी निकासी के कारण रुपये में यह गिरावट आई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, घरेलू शेयर बाजार में सकारात्मक रुझान भी रुपये को कमजोर स्तर पर सहारा देने में मदद कर रहा है। हालांकि, निवेशक अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर संबंधी फैसले पर नजर रखे हुए हैं।

चांदी 6,000 रुपये चढ़ी, सोना भी हुआ 1,050 रुपये मजबूत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में मंगलवार को कीमती धातुओं की कीमतों में दो प्रतिशत तक का उछाल आया। चांदी 6,000 रुपये बढ़कर 2.62 लाख रुपये प्रति किलोग्राम हो गई जबकि सोना बढ़कर 1.61 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के मुताबिक चांदी की कीमत 6,000 रुपये या 2.34 प्रतिशत बढ़कर सभी करों सहित 2,62,500 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। सर्राफा बाजार में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने में लगातार तीन दिन की गिरावट का सिलसिला टूट गया और इसकी कीमत 1,050 रुपये या लगभग एक प्रतिशत बढ़कर सभी करों सहित 1,61,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई। विश्लेषकों ने कहा कि सर्राफा की कीमतों में यह उछाल भू-राजनीतिक तनाव के बीच सुरक्षित निवेश वाली आस्तियों की मांग से प्रेरित था, भले ही वैश्विक संकेतक कमजोर बने रहे।

डाक विभाग ने शुरू कीं 24-48 घंटे में डिलीवरी वाली प्रीमियम सेवाएं

- दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु, हैदराबाद में शुरुआत
- मार्च, 2027 तक इन सेवाओं को देश भर में शुरू करने का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी

डाक विभाग ने को त्वरित एवं समयबद्ध पार्सल के लिए 24 घंटे और 48 घंटे में डिलीवरी की गारंटी वाली तीन प्रीमियम सेवाओं की मंगलवार को शुरुआत की। विभाग उन कूरियर सेवाओं के बढ़ते बाजार के मुकाबले खुद को नए सिरे से स्थापित करने की कोशिश कर रहा है जो कुछ ही घंटों में डिलीवरी का वादा करती हैं।

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने यहां '24 स्पीड पोस्ट', '24 स्पीड पोस्ट पार्सल' और '48 स्पीड पोस्ट' की शुरुआत की। प्रारंभिक चरण में ये सेवाएं दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु और हैदराबाद में शुरू की गई हैं। मार्च, 2027 तक इसे देशभर में शुरू करने का लक्ष्य है। निर्धारित समयसीमा का पालन करने के लिए विभाग प्राथमिकता आधारित हवाई परिवहन का उपयोग करेगा। सिंधिया ने कहा कि यह पहल इंडिया पोस्ट के लिए नए दौर की शुरुआत है और इसमें व्यापक संभावनाएं निहित हैं।

आधिकारिक बयान के अनुसार, नई सेवाओं में ओटीपी आधारित सत्यापन के साथ डिलीवरी, शुरू से अंत तक 'ट्रैकिंग' सुविधा और वास्तविक समय में 'एसएमएस अलर्ट' शामिल होंगे। व्यवसायों के लिए 'अभी बुक करें, बाद में भुगतान करें' सुविधा, केंद्रीकृत बिलिंग तथा एपीआई एकीकरण के विकल्प भी उपलब्ध होंगे। इसके अलावा, थोक खेप के लिए मुफ्त पिकअप और निर्धारित समय में डिलीवरी न होने पर धनवापसी की गारंटी भी दी जाएगी।

सम्मानजनक हो ईपीएफ पेंशन, 1,000 रुपये पर्याप्त नहीं

संसदीय समिति ने की सिफारिश, 7,500 रुपये मासिक पेंशन की मांग कर रहे हैं पेंशनधारक

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद की एक समिति ने मंगलवार को ईपीएफओ की कर्मचारी पेंशन योजना 1995 के तहत 1,000 रुपये की न्यूनतम मासिक पेंशन की तत्काल और व्यापक समीक्षा की सिफारिश की। समिति ने कहा कि इसे सम्मानजनक स्तर तक बढ़ाने की जरूरत है। यह सिफारिश ऐसे समय की गई है जब पेंशनधारक यह कहते हुए पेंशन को बढ़ाकर 7,500 रुपये प्रति माह करने की मांग कर रहे हैं कि 1,000 रुपये से गुजर-बसर करना मुश्किल है।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की ओर से संचालित कर्मचारी पेंशन योजना 1995 (ईपीएस-95) के तहत पेंशनधारकों ने न्यूनतम मासिक पेंशन को बढ़ाकर 7,500 रुपये करने की मांग को लेकर नौ मार्च से जंतर-मंतर पर तीन दिवसीय विरोध प्रदर्शन भी किया था। श्रम, वस्त्र एवं कौशल विकास से जुड़ी संसद की स्थायी समिति ने श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की 'अनुदान मांगों (2026-27)' पर अपनी 15वीं रिपोर्ट में कहा कि महंगाई बढ़ने के बावजूद कर्मचारी पेंशन योजना के तहत न्यूनतम पेंशन 1,000 रुपये प्रति माह काफी समय से अपरिवर्तित है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अनुबंध पर काम करने वाले कई श्रमिक नियमित श्रमिकों के समान कार्य करते हैं, लेकिन कार्यस्थल दुर्घटनाओं के बाद राहत और मुआवजा देने में अक्सर देरी होती है। समिति ने सिफारिश की है कि ऐसे श्रमिकों को कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) और कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत समय पर कवरेज सुनिश्चित किया जाए।

तेल संकट से अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए बने रणनीति

नई दिल्ली। संसद की एक समिति ने मंगलवार को सुझाव दिया कि आर्थिक मामलों के विभाग को कच्चे तेल के संकट से अर्थव्यवस्था को बचाने और दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए एक रणनीतिक ऊर्जा रूपरेखा विकसित करनी चाहिए। वित्त संबंधी स्थायी समिति ने अपनी रिपोर्ट में इस बात पर भी जोर दिया कि सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियों, इलेक्ट्रिक वाहन, रक्षा प्रौद्योगिकियों और वैकल्पिक ईंधन के विकास के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण खनिजों और दुर्लभ खनिज तत्वों के लिए तेजी से विकसित हो रही वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए एक समन्वित राष्ट्रीय रणनीति की आवश्यकता है।

मजबूत प्रौद्योगिकी साझेदार के रूप में उभरा है भारत: नैसकॉम अध्यक्ष

- कहा- असाधारण बदलाव के दौर से गुजर रहा है प्रौद्योगिकी उद्योग

नई दिल्ली, एजेंसी

नैसकॉम के अध्यक्ष राजेश नांबियार ने मंगलवार को कहा कि भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं एवं खंडित आपूर्ति श्रृंखलाओं के कारण वैश्विक कंपनियां अब केवल लागत दक्षता के बजाय भरोसे तथा मजबूती को प्राथमिकता दे रही हैं जिससे भारत एक मजबूत प्रौद्योगिकी साझेदार के रूप में उभर रहा है।

'नैसकॉम ग्लोबल कॉन्फ्लुएंस 2026' में नांबियार ने कहा कि निर्यात पर काफी हद तक निर्भर प्रौद्योगिकी उद्योग असाधारण बदलाव के दौर से गुजर रहा है और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के पुनर्गठन ने देशों एवं कंपनियों के प्रौद्योगिकी साझेदारी के तरीके को मूल रूप से बदल दिया है। उन्होंने कहा कि पहले सभी केवल लागत एवं दक्षता को ही प्राथमिकता देते थे, अब वह दौर खत्म हो चुका है। दक्षता महत्वपूर्ण है लेकिन यह निर्णायक कारक नहीं है। मजबूती अब कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। इन सभी प्राथमिकताओं के बीच भारत एक उपयुक्त स्थिति में है जो इसे कारोबार के लिए एक बेहद सक्षम देश बनाता है।

नैसकॉम के अध्यक्ष ने कहा कि दुनिया भर के देश और कंपनियां अब यह मूल प्रश्न पूछ रही हैं कि उनका भरोसेमंद साझेदार कौन होगा और किस देश के साथ वे दीर्घकालिक साझेदारी कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत एक विश्वसनीय लोकतंत्र होने के साथ-साथ अपने विशाल आकार और विविध जनसंख्या के कारण नवाचार के लिए एक जीवंत प्रयोगशाला भी है।

डिजिटल प्रतिभा भंडार है भारत की ताकत

नांबियार ने कहा, भारत की ताकत का एक प्रमुख आधार उसका डिजिटल प्रतिभा भंडार है, जिसमें सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में लगभग 60 लाख पेशेवर और व्यापक उद्योग में अतिरिक्त 30–40 लाख लोग शामिल हैं। यह परिवेश अब एआई, मशीन लर्निंग, सेमीकंडक्टर, उत्पाद अभियांत्रिकी एवं साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में विकसित हो रहा है। नांबियार ने भारत की डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना की वैश्विक संभावनाओं पर भी जोर दिया। उन्होंने आधार एवं यूपीआई जैसे मंचों का उल्लेख करते हुए कहा कि इनके मूल सिद्धांत जैसे उपयोगकर्ता की सहमति, गोपनीयता, विस्तार क्षमता एवं परस्पर संचालन दुनिया के लिए उपयोगी मॉडल बन सकते हैं।

जियो पेमेंट्स बैंक ने शुरू की यूपीआई आधारित नकद निकासी सेवा

मुंबई। जियो पेमेंट्स बैंक लिमिटेड ने मंगलवार को यूपीआई आधारित नकद निकासी सेवा शुरू करने की घोषणा की।

कंपनी के मुताबिक ग्राहक अब बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट टचपॉइंट्स पर क्यूआर कोड स्कैन कर नकद निकाल सकेंगे। उन्हें पैसा निकालने के लिए डेबिट कार्ड या पारंपरिक एटीएम कार्ड की जरूरत नहीं होगी। बैंक के अनुसार, नई सेवा विशेष रूप से ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों के ग्राहकों को ध्यान में रखकर शुरू की गई है, जहां एटीएम की पहुंच सीमित है। ग्राहक यूपीआई एप के जरिए लेनदेन को ऑथराइज कर आसानी से नकद प्राप्त कर सकेंगे।

आरबीआई ने वीआरआर नीलामी के जरिए 48,014 करोड़ रुपये की नकदी डाली

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने मंगलवार को बैंकिंग प्रणाली में सात दिन की वैरिएबल रेट रेपो (वीआरआर) नीलामी के जरिए 48,014 करोड़ रुपये की अस्थायी नकदी डाली।

केंद्रीय बैंक ने एक बयान में कहा कि यह धनराशि 5.26 प्रतिशत की कटऑफ और भारित औसत दर पर उपलब्ध कराई गई। हालांकि, यह राशि 1.50 लाख करोड़ रुपये की अधिसूचित राशि की तुलना में काफी कम रही, जबकि अग्रिम कर भुगतान के कारण बैंकिंग प्रणाली में अधिशेष नकदी में तेज गिरावट आई है। वीआरआर नीलामी के तहत केंद्रीय बैंक अल्पावधि के लिए परिवर्तनीय ब्याज दरों पर बैंकों को धन उपलब्ध कराता है जिसमें बैंक तय राशि के लिए बोली लगाते हैं। इस सप्ताह जीएसटी भुगतान के चलते बैंकिंग प्रणाली से और धन निकलने की संभावना है, जिससे तरलता पर दबाव बढ़ सकता है। फिलहाल 16 मार्च तक बैंकिंग प्रणाली में अधिशेष तरलता करीब 75,483.63 करोड़ रुपये आंकी गई है, जो 15 मार्च को अग्रिम कर भुगतान से पहले के 2.08 लाख करोड़ रुपये से काफी कम है।

ईस्टमैन ऑटो के खिलाफ दिवाला अपील खारिज

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने ईस्टमैन ऑटो एंड पावर के खिलाफ दायर दिवाला अपील को खारिज करते हुए एनसीएलटी का आदेश बरकरार रखा।

एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने कहा कि परिचालन लेनदार वेव इंडिया एनर्जी सॉल्यूशंस के साथ ईस्टमैन ऑटो का विवाद दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता की धारा आठ के तहत नोटिस जारी होने से पहले ही मौजूद था। यह भी स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण को विवाद के गुण-दोष में जाने या किसी पक्ष की सफलता की संभावना का आकलन करने की आवश्यकता नहीं होती है।

कास्पर्स्की भारत में निवेश दोगुना करेगी देश को क्षेत्रीय केंद्र बनाने की योजना

- विपणन, व्यापार विकास और क्लाउड ऑपरेशन को स्थापित करने की योजना

नई दिल्ली, एजेंसी

वैश्विक साइबर सुरक्षा कंपनी कास्पर्स्की ने भारत में अपने निवेश को दोगुना करने की योजना बनाई है। कंपनी का कहना है कि मजबूत वित्तीय प्रदर्शन के बाद वह भारत को क्षेत्रीय सेवाओं के केंद्र (हब) के रूप में विकसित करने पर विचार कर रही है।

कास्पर्स्की के एशिया-प्रशांत क्षेत्र के प्रबंध निदेशक एड्रियन हिया ने साक्षात्कार में बताया कि कंपनी भारत में विपणन, व्यापार विकास और 'क्लाउड ऑपरेशन' को स्थापित करने की योजना बना रही है, ताकि स्थानीय एवं क्षेत्रीय ग्राहकों को सेवाएं दी जा सकें।

उन्होंने कहा कि 2024 में मजबूत दो अंकों की वृद्धि के बाद 2025 के वित्त परिणाम (जो अप्रैल में जारी होंगे) और भी बेहतर रहने की उम्मीद है। हिया ने कहा कि हम न केवल कर्मचारियों एवं कार्यालयों में निवेश बढ़ाएंगे बल्कि भारत को क्षेत्रीय स्तर पर विपणन, व्यापार विकास और क्लाउड सेवाओं का केंद्र बनाने पर भी काम कर रहे हैं। उन्होंने साथ ही संकेत दिया कि यदि भारत में क्षेत्रीय ग्राहकों के लिए डेटा सेंटर स्थापित किया जाता है तो भर्ती में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। साइबर खतरों को लेकर हिया ने आगाह किया कि 2026 में साइबर हमले और बढ़ सकते हैं। 2025 में भारत में कंपनी ने 4.7 करोड़ से अधिक वेब-आधारित खतरों को रोका था।

उन्होंने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) उपकरण की आसान उपलब्धता के कारण 'डीपफेक' जैसे खतरे तेजी से बढ़ रहे हैं और अब 'एआई से लड़ने के लिए एआई का उपयोग' करना जरूरी हो गया है। हिया ने भारतीय सरकार की डेटा वर्गीकरण (टियरिंग) रणनीति की सराहना की, हालांकि यह भी कहा कि स्थानीय स्तर पर विकसित बड़े भाषा मॉडल के साथ साइबर सुरक्षा की जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है।

कामकाज के हालात

स्नातक बेरोजगारी दर उच्च स्तर पर, 2023 तक 6.3 करोड़ स्नातकों में से 1.1 करोड़ थे बेरोजगार

देश में 40 प्रतिशत स्नातकों को नहीं मिल पा रही है नौकरी

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में 20 से 29 वर्ष आयु वर्ग के 6.3 करोड़ स्नातकों में से 1.1 करोड़ बेरोजगार हैं और स्नातक होने के एक वर्ष के भीतर बहुत कम लोगों को ही तय वेतन वाली नौकरी मिल पाती है। अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की रिपोर्ट 'भारत में कामकाज की स्थिति-2026' के अनुसार बेरोजगार के रूप में पंजीकरण कराने के एक वर्ष के अंदर सात प्रतिशत स्नातकों को स्थायी वेतन वाली नौकरी मिल पाती है।

रिपोर्ट में कहा गया कि स्नातक बेरोजगारी दर उच्च स्तर पर बनी हुई है। देश में 15 से 25 वर्ष आयु वर्ग में बेरोजगारी दर करीब 40 प्रतिशत और 25 से 29 वर्ष आयु वर्ग में 20 प्रतिशत है। कहा गया है, स्नातक होने के एक वर्ष के भीतर केवल एक छोटा हिस्सा ही स्थायी वेतन वाली नौकरी हासिल कर पाता है। हाल के वर्षों में स्नातकों की बढ़ती संख्या के कारण यह समस्या और बढ़ गई है। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले कुछ दशकों में युवा आबादी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और उच्च शिक्षा में नामांकन दर भी बढ़ी है जिससे युवा स्नातकों की कुल संख्या में वृद्धि हुई है। इस स्थिति से उच्च बेरोजगारी दर के साथ बेरोजगार स्नातकों की संख्या भी बढ़ गई है। 2023 तक 20 से 29 वर्ष आयु वर्ग के 6.3 करोड़ स्नातकों में से 1.1 करोड़ बेरोजगार थे।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात भारत के विकास स्तर के अनुरूप है। शिक्षा तक पहुंच में लड़का-लड़की और जाति आधारित सामाजिक-आर्थिक बाधाएं कम हुई हैं। हालांकि अब भी काफी काम बाकी है। इसके साथ रोजगार में प्रभावी बदलाव नहीं हुआ है। युवा स्नातकों के लिए बेरोजगारी दर लगातार ऊंची बनी हुई है। शिक्षा तक पहुंच असमान है। स्कूल से कार्यस्थल तक का सफर अनिश्चित है और कई लोगों के लिए यह स्थायी, लाभकारी रोजगार में तब्दील नहीं हो पाता।

उच्च शिक्षा संस्थान बढ़े लेकिन गुणवत्ता घटी, इनमें शिक्षकों की भी भारी कमी

उच्च शिक्षा संस्थानों का दायरा भी बढ़ा है। प्रति लाख युवाओं पर कॉलेज की संख्या 2010 के 29 से बढ़कर 2021 में 45 हो गई, जिसमें निजी संस्थानों की बड़ी भूमिका रही है। इसके बावजूद क्षेत्रीय असमानताएं बनी हुई हैं और शिक्षकों की कमी एक बड़ी चुनौती के रूप में सामने आई है। निर्धारित मानकों के मुकाबले निजी और सरकारी कॉलेजों में शिक्षक-छात्र अनुपात काफी अधिक है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2010 के बाद औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) की संख्या में करीब 300 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, लेकिन इसके साथ खासकर निजी संस्थानों में गुणवत्ता को लेकर चिंताएं भी सामने आई हैं। उच्च शिक्षा में गरीब परिवारों की भागीदारी बढ़ी है, जो 2007 के आठ प्रतिशत से बढ़कर 2017 में 15 प्रतिशत हो गई है लेकिन आर्थिक बाधाएं अब भी बनी हुई हैं। महंगे पेशेवर पाठ्यक्रमों मसलन इंजीनियरिंग व मेडिकल में अपेक्षाकृत संपन्न वर्ग के छात्र-छात्राओं की भागीदारी अधिक रहती है।

मारुति सुजुकी को 5,786 करोड़ के आयकर का नोटिस

मुंबई। देश की सबसे बड़ी यात्री वाहन निर्माता मारुति सुजुकी को आयकर विभाग से 5,786.4 करोड़ रुपये का नोटिस प्राप्त हुआ है।

कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को बताया कि उसे 16 मार्च 2026 को आयकर विभाग से वित्त वर्ष 2022-23 के लिए प्रारूप आकलन आदेश प्राप्त हुआ है। इसमें संबंधित वित्त वर्ष के लिए कंपनी द्वारा घोषित आय में विभाग ने कुछ और आय जोड़ी है जबकि कुछ छूटों को खारिज कर दिया है। इस प्रकार विभाग ने अतिरिक्त आयकर की मांग की है। कंपनी ने कहा है कि वह इसके खिलाफ विवाद समाधान पैनल के समक्ष आपत्ति दर्ज करेगी।

वर्ल्ड ब्रीफ

ईरान, लेबनान को मानवीय मदद देगा चीन

बीजिंग। चीन ने मंगलवार को कहा कि वह ईरान, लेबनान और क्षेत्र में जारी संघर्ष से बुरी तरह प्रभावित दो अन्य पश्चिम एशियाई देशों को आपातकालीन मानवीय सहायता प्रदान करेगा। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने बताया कि बीजिंग ने स्थानीय लोगों द्वारा सामना की जा रही दिक्कतों को कम करने की उम्मीद में ईरान, जॉर्डन, लेबनान और इराक को आपातकालीन मानवीय सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया है। लिन ने कहा, जारी पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण ईरान और अन्य क्षेत्रीय देशों के लोगों को संकट का सामना करना पड़ा है।

जर्मनी के रेस्टोरेंट में गोलीबारी, दो की मौत

बर्लिन। जर्मनी में फ्रैंकफर्ट हवाई अड्डे के पास एक रेस्टोरेंट में मंगलवार तड़के हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई। स्थानीय पुलिस ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि हमलावर वारदात के बाद से फरार है। शुरुआती जांच के अनुसार, एक सशस्त्र व्यक्ति स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 3:45 बजे (स्थानीय समयानुसार) रेस्टोरेंट के भीतर दाखिल हुआ और वहां मौजूद लोगों पर अंधाधुंध गोलियां चला दीं। हमले में घायल दो लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि पीड़ितों की हालत इतनी गंभीर थीं कि उन्हें बचाया नहीं जा सका।

यूएई तट से पूर्व में पोत पर प्रक्षेपास्त्र से हमला

लंदन। ब्रिटिश नौसेना ने कहा है कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के पूर्वी तट पर फुजैराह से 23 समुद्री मील पूर्व में एक पोत पर प्रक्षेपास्त्र से हमला किया गया है। रॉयल नेवी के ब्रिटेन समुद्री व्यापार कार्यालय (यूकेएमटीओ) ने बताया कि यूकेएमटीओ को फुजैराह (ओमान की खाड़ी) से 23 समुद्री मील पूर्व में एक घटना की सूचना मिली है। लंगर डाले हुए एक टैंकर ने अज्ञात प्रक्षेपास्त्र से हमला होने की सूचना दी है। हमले में उसे मामूली क्षति हुई है।

उत्तर पश्चिमी नेपाल में भूकंप के हल्के झटके

काठमांडू। नेपाल के सुदूरपश्चिम प्रांत में मंगलवार को भूकंप का झटका महसूस किया गया, जिसकी तीव्रता चार मापी गयी। भूकंप से किसी प्रकार के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, दारचुला जिले के सितौला में यह भूकंप सुबह 10:12 बजे महसूस किया गया। भूकंप से जान-माल क्षति की सूचना नहीं है।

नाइजीरिया में बम फटने से 23 की मौत, 100 घायल

- मैदुगुरी शहर को निशाना बनाकर किया गया आत्मघाती विस्फोट
- बोको हराम जिहादी समूह पर हमले करने का लग रहा आरोप

मैदुगुरी (नाइजीरिया), एजेंसी

उत्तर पूर्वी नाइजीरिया के मैदुगुरी शहर को निशाना बनाकर सोमवार रात किए गए संदिग्ध आत्मघाती बम विस्फोट में कम से कम 23 लोगों की मौत हो गई और 100 से अधिक लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह संघर्ष ग्रस्त मैदुगुरी में हाल के वर्षों में सबसे भीषण हमलों में से एक है।

इससे पूर्व स्थानीय निवासियों एवं आपात सेवाओं ने बताया कि बोर्नो राज्य की राजधानी मैदुगुरी में मैदुगुरी विश्वविद्यालय शिक्षण अस्पताल के प्रवेश द्वार पर और एक प्रमुख बाजार सहित भीड़ भाड़ वाले तीन स्थानों पर विस्फोट की सूचना मिली। बोर्नो पुलिस ने एक बयान में कहा इनके आत्मघाती विस्फोट होने का संदेह है। कहा कि दुर्भाग्य से 23 लोगों की जान चली गई जबकि 108 अन्य घायल हो गए। इन हमलों की जिम्मेदारी किसी भी समूह ने नहीं ली है लेकिन संदेह है कि बोको हराम जिहादी समूह ने इन हमलों को अंजाम दिया है जिसने 2009 में शरिया लागू करने के लिए उत्तर पूर्वी नाइजीरिया में विद्रोह शुरू किया था।

न्यूरो मरीजों के लिए उम्मीद

चीन ने हाल ही में न्यूरेकल टेक्नोलॉजी द्वारा विकसित एक ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस (बीसीआई) डिवाइस के व्यावसायिक उपयोग को मंजूरी देकर चिकित्सा जगत में एक नया मील का पत्थर स्थापित किया है। यह दुनिया का पहला ऐसा मामला है जहां इस तरह के जटिल उपकरण को प्रयोगशाला से बाहर आम मरीजों के लिए उपलब्ध कराने की अनुमति मिली है। चिकित्सा विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी के संगम ने आज एक ऐसी वास्तविकता को जन्म दिया है जो कभी विज्ञान-कथाओं का हिस्सा थी। मस्तिष्क में एक छोटी सी चिप लगाकर शारीरिक अक्षमताओं को दूर करना अब हकीकत बन रहा है। चीन की यह उपलब्धि उन लाखों लोगों के लिए आशा की एक नई किरण है जो रीढ़ की हड्डी की चोट या अन्य तंत्रिका संबंधी विकारों के कारण लकवे का शिकार हैं।

ब्रेन इम्प्लांट तकनीक

मस्तिष्क और मशीन का मिलन

- ब्रेन इंप्लांट या ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस एक ऐसी प्रणाली है जो सीधे मानव मस्तिष्क और बाहरी उपकरणों के बीच संचार का मार्ग प्रशस्त करती है। सरल शब्दों में कहें तो यह हमारे विचारों को डिजिटल संकेतों में बदलकर मशीनों को निर्देश देने की क्षमता प्रदान करती है। चीन की यह पहल विशेष रूप से उन वयस्क मरीजों के लिए है जो ऊपरी अंगों की गतिविधियों को खो चुके हैं, लेकिन जिनके पास अभी भी बांहों की कुछ कार्यक्षमता शेष है। यह तकनीक उन्हें कृत्रिम अंगों या रोबोटिक दस्तानों को केवल 'सोचकर' नियंत्रित करने की अनुमति देती है। इस विकास का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि यह वैश्विक स्तर पर तकनीकी वर्चस्व की दौड़ को तेज करता है। यह स्वास्थ्य सेवा में क्रांति लाने का प्रयास है, बल्कि भविष्य के सुपर ह्यूमन्स या एआई-संचालित समाज की दिशा में एक बड़ा कदम भी।

कैसे करता है कार्य

- संकेतों को पकड़ना : जब हम चलने या हाथ हिलाने के बारे में सोचते हैं, तो मस्तिष्क के 'मोटर कॉर्टेक्स' हिस्से में विद्युत संकेतउत्पन्न होते हैं। इंप्लांट इन संकेतों को रिकॉर्ड करता है।
- डिकोडिंग : रिकॉर्ड किए गए इन 'शोर-भरे' संकेतों को एक एआई-पावर्ड प्रोसेसर या एल्गोरिदम के पास भेजा जाता है। यह एल्गोरिदम पहचानता है कि मरीज वास्तव में क्या करने की कोशिश कर रहा है।
- निर्देश : डिकोड किए गए संकेतों को बाहरी उपकरण, जैसे कंप्यूटर कर्सर, रोबोटिक आर्म या सीधे मरीज की मांसपेशियों को उतेजित करने वाले पैच को भेज दिया जाता है।
- रोबोटिक दस्ताना : चीन द्वारा मंजूर डिवाइस में एक रोबोटिक दस्ताना शामिल है। जब मरीज हाथ हिलाने का विचार करता है, तो चिप उस विचार को पढ़कर दस्ताने को निर्देश देती है, जिससे मरीज चीजों को पकड़ने में सक्षम हो पाता है।

लकवाग्रस्त मरीजों के लिए फायदे

- स्वतंत्रता : मरीज दूसरों पर निर्भर रहे बिना अपने कंप्यूटर को नियंत्रित कर सकते हैं, ईमेल भेज सकते हैं या इंटरनेट ब्राउज कर सकते हैं।
- गतिशीलता की वापसी : रोबोटिक अंगों या रीढ़ की हड्डी के उद्दीपन के माध्यम से कुछ मरीज फिर से खड़े होने या चलने में सक्षम हो सकते हैं।
- संवाद : जो लोग बोलने की क्षमता खो चुके हैं, उनके विचारों को सीधे टेक्स्ट या सिंथेटिक आवाज में बदला जा सकता है।
- दैनिक कार्य : पानी का गिलास उठाना या खुद से खाना खाने जैसे छोटे लेकिन महत्वपूर्ण काम संभव हो जाते हैं।

पाकिस्तानी विमानों ने तालिबानी ठिकानों पर रात भर बरसाए बम

अफगान सरकार का पुनर्वास अस्पताल पर हमले का आरोप, 400 मौतों का दावा

- पाकिस्तान ने कहा-आतंकवाद समर्थित सैन्य ठिकानों पर हमला

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान ने रात भर सटीक हवाई हमले कर अफगानिस्तान भर में आतंकवादियों और उनके ठिकानों को निशाना बनाया, हालांकि अफगान सरकार ने इस्लामाबाद पर काबुल में एक पुनर्वास अस्पताल पर बमबारी करने का आरोप लगाया, जिसमें कम से कम 400 लोग मारे गए। पाकिस्तान के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अनुसार, ये ताजा हमले 26 फरवरी को शुरू किए गए ऑपरेशन गजब-लिल-हक के जारी रहने के दौरान हुए हैं।

पाकिस्तान ने 2,600 किलोमीटर लंबी सीमा पर अफ़गान तालिबान बलों द्वारा कथित हमलों के जवाब में यह ऑपरेशन शुरू किया था। सूचना मंत्री अताउल्ला तरार ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पाकिस्तान के सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन गजब-लिल-हक के तहत 16 मार्च की रात काबुल और नंगरहार में अफ़गान तालिबान शासन के आतंकवाद समर्थित सैन्य ठिकानों को निशाना बनाते हुए सटीक हवाई हमले किए। उन्होंने दावा किया कि काबुल में दो स्थानों पर स्थित तकनीकी सहायता ढांचे और गोला-बारूद भंडारण अड्डे पूरी तरह से नष्ट हो गए।

उन्होंने दावा किया कि नंगरहार में अफगान तालिबान शासन द्वारा आतंकवाद को समर्थन देने वाले चार सैन्य ठिकानों पर भी हमला किया गया, जिससे संबंधित रसद, गोला-बारूद और तकनीकी ढांचे को नष्ट कर दिया गया। हालांकि, अफ़गान तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार के उप प्रवक्ता हमदुल्ला फ़ितरत ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा की गई बमबारी में राजधानी काबुल स्थित एक नशामुक्ति केंद्र को निशाना बनाया गया, जिसमें करीब 400 लोग मारे गए और 250 अन्य लोग घायल हुए हैं। फितरत ने एक्स पर कहा कि हमले में अस्पताल के बड़े हिस्से नष्ट हो गए। टोलोन्यूज ने अस्पताल के हवाले से मंगलवार को बताया कि बचाव अभियान जारी रहने के दौरान मलबे के नीचे अब भी 50 से अधिक शव फंसे होने की आशंका है।

हालांकि, तरार ने दावा किया कि पाकिस्तान ने काबुल और नंगरहार में अफगान तालिबान तथा फ़ितना अल-ख्वारिज के अड्डों और आतंकवदियों के ठिकानों को सटीक रूप से निशाना बनाया। इन ठिकानों में तकनीकी उपकरण भंडारण और गोला-बारूद भंडारण शामिल थे जिनका उपयोग पाकिस्तान के निर्दोष नागरिकों के खिलाफ किया जा रहा था।

अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में मंगलवार को पाकिस्तान के हवाई हमले के बाद क्षतिग्रस्त इमारत और जले हुए वाहन। रात भर चले हमले में कई लोगों की मौत हो गई।

73 आतंकी ठिकानों पर किए गए हमले

पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्ला तरार तरार द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, अब तक 684 अफगान तालिबान कार्यकर्ता मारे गए हैं और 912 अन्य घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि तालिबान की 252 चौकियां नष्ट कर दी गईं, जबकि 44 चौकियों पर कब्जा कर लिया गया और फिर उन्हें नष्ट कर दिया गया। तालिबान के 229 टैंक, बख्तरबंद वाहन और तोपें नष्ट कर दी गई हैं। पूरे अफगानिस्तान में लगभग 73 आतंकी ठिकानों और आतंकी ढांचे को हवाई हमले से प्रभावी ढंग से निशाना बनाया गया।

भाजपा ने आरआरएस व रॉ पर प्रतिबंध लगाने की मांग ठुकराई

- कहा-अमेरिकी धार्मिक स्वतंत्रता आयोग की रिपोर्ट निराधार

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा ने मंगलवार को अमेरिका के अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग (यूएससीआईआरएफ) की उस रिपोर्ट को निराधार बताया, जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और रिसर्च एनालिसिस विंग (रॉ) पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की गई थी। भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने इस रिपोर्ट का समर्थन करके भारत के खिलाफ रुख अपनाया है। सत्तारूढ़ दल ने कहा कि केंद्र ने इस रिपोर्ट को खारिज कर दिया है और बताया कि इसमें वस्तुनिष्ठ तथ्य नहीं हैं तथा यह विश्वसनीय स्रोतों पर आधारित नहीं है।

भाजपा सांसद एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा, इसमें यह भी कहा गया है कि रिपोर्ट में कोई वस्तुनिष्ठ तथ्य नहीं हैं। वास्तव में, सरकार ने अमेरिकी आयोग की इस रिपोर्ट को खारिज कर दिया है। उन्होंने यह भी कहा, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारत और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विरोध करते-करते कांग्रेस पार्टी आज खुद भारत के खिलाफ खड़ी नजर आ रही है। पात्रा ने कहा कि कोई भी विदेशी आयोग भारत को आदेश नहीं दे सकता या उसके संस्थानों पर प्रतिबंध लगाने का सुझाव नहीं दे सकता। उन्होंने कहा कि कोई आयोग भारत से नहीं कह सकता कि रॉ पर प्रतिबंध लगाए। सरकार ने इसका कड़ा जवाब दिया है, लेकिन कांग्रेस रॉ के खिलाफ बोल रही है और इस आयोग के साथ खड़ी है। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने आधिकारिक तौर पर यूएससीआईआरएफ की रिपोर्ट का समर्थन किया है। उन्होंने कांग्रेस को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के निर्देश पर भारत को बदनाम करने के प्रयास का दोषी ठहराया।

भाजपा नेता ने कहा, कांग्रेस पार्टी के आधिकारिक हैंडल से आयोग की रिपोर्ट का समर्थन किया गया है। उन्होंने (कांग्रेस ने) कहा है कि अमेरिका और इस एजेंसी ने जो (कुछ) कहा है, वह सही है।

पार्टी राहुल गांधी के आदेश पर भारत को बदनाम करने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। पात्रा ने आयोग की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठाया तथा इसके उपाध्यक्ष और कमिश्नर को डॉ. आसिफ महमूद नामक पाकिस्तानी-अमेरिकी कहते हुए आरोप लगाया कि इसके (आयोग के) निष्कर्ष उस व्यक्ति (महमूद) के भारत-विरोधी दृष्टिकोण से प्रभावित हैं।

देश की छवि धूमिल करने वालों से मिलते हैं राहुल

पात्रा ने गांधी पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह ऐसे ही व्यक्तियों से मिलते हैं और भारत की छवि धूमिल करने में कोई कसर नहीं छोड़ते। भाजपा नेता ने कहा कि जब भी राहुल गांधी विदेश यात्रा करते हैं, वह ऐसे व्यक्तियों से मिलते हैं और भारत की छवि खराब करने और उसकी प्रतिष्ठा को चोट पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ते। लंदन में उन्होंने कहा था कि भारत की स्थिति ऐसी है कि सिख पगड़ी और कड़ा नहीं पहन सकते और गुरुद्वारों में नहीं जा सकते। पात्रा ने पत्रकारों से कहा कि राहुल गांधी ने यह भी कहा कि भारत में सत्ता में बैठी पार्टी मुस्लिम ब्रदरहुड जैसी है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह तक दावा किया कि आदिवासी और दलित अपने साथ होने वाले अन्याय के कारण आईएसआईएस जैसी कोई संस्था बना सकते हैं।

टीएमसी बंगाल में 291 सीटों पर लड़ेगी चुनाव

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने मंगलवार को अपने उम्मीदवारों की सूची जारी की। तृणमूल प्रमुख और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने घोषणा की है कि पार्टी राज्य की 294 सीट में से 291 सीट पर चुनाव लड़ेगी। कोलकाता में संवाददाता सम्मेलन में बनर्जी ने कहा कि दार्जिलिंग पहाड़ियों की शेष तीन सीट पर अनित थापा के नेतृत्व वाला भारतीय गोरखा प्रजातांत्रिक मोर्चा चुनाव लड़ेगा।

ममता बनर्जी भवानीपुर सीट से चुनाव लड़ेंगी। बनर्जी ने पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी और प्रदेश अध्यक्ष सुब्रत बख्शी के साथ उम्मीदवारों के नामों की घोषणा करते हुए कहा हम 294 सीट में से 291 सीट पर चुनाव लड़ेंगे। शेष तीन सीट पर हमारे सहयोगी, अनित थापा के नेतृत्व वाला बीजीपीएम दार्जिलिंग पहाड़ियों में चुनाव लड़ेगा। ममता बनर्जी ने विश्वास जताया कि टीएमसी 2026 के विधानसभा चुनावों में आसानी से बहुमत हासिल करने के साथ सत्ता बरकरार रखेगी। उन्होंने दावा किया, हम 2026 के विधानसभा चुनावों में 226 से अधिक सीट जीतेंगे। मुख्यमंत्री ने उन पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को भी आश्वस्त करने की कोशिश की, जिन्हें सूची में जगह नहीं मिली है।

- भवानीपुर सीट से उम्मीदवार होंगी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी

41.41 लाख फर्जी राशन कार्ड खत्म किए गए

नई दिल्ली। सरकार ने मंगलवार को संसद को बताया कि वर्ष 2025 में 41.41 लाख अपात्र राशन कार्ड खत्म किए गए। राज्यसभा में खाद्य राज्य मंत्री निमुबेन जयंतीभाई बंभानिया ने बताया कि हरियाणा में सर्वाधिक लगभग 13.43 लाख राशन कार्ड, राजस्थान में 6.05 लाख, उत्तर प्रदेश में 5.97 लाख, पश्चिम बंगाल में 3.74 लाख और मध्य प्रदेश में 2.60 लाख अपात्र राशन कार्ड खत्म किए गए। बंभानिया ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में प्रौद्योगिकी के उपयोग के परिणामस्वरूप सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए अपात्र राशन कार्डों को खत्म करने में सफलता हासिल की है। उनके अनुसार, वर्ष 2025 में कुल 41.41 लाख फर्जी राशन कार्ड खत्म किए गए।

कांग्रेस ने केरल के लिए 55 उम्मीदवार घोषित किए

- सतीशन, जोसेफ और मुरलीधरन को भी टिकट

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस ने नौ अप्रैल को होने वाले केरल विधानसभा चुनाव के लिए मंगलवार को 55 उम्मीदवारों की सूची जारी की जिसमें वी डी सतीशन, सनी जोसेफ, के. मुरलीधरन और कई अन्य वरिष्ठ नेताओं के नाम शामिल हैं। राज्य विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवारों की यह पहली सूची है।

पार्टी ने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वी डी सतीशन को परावूर से एक बार फिर उम्मीदवार बनाया है। वह वर्तमान में इसी सीट से विधायक हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के. मुरलीधरन को वट्टीयूरकाउ से उम्मीदवार बनाया गया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सनी जोसेफ को पेरावूर से टिकट दिया गया है। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के विधानसभा क्षेत्र धर्माधम से अब्दुल रशीद को प्रत्याशी बनाया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी के पुत्र चांडी ओमन को पुथुपल्ली से टिकट दिया गया है। वह वर्तमान में यहां से विधायक हैं। कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) ने मंगलवार को ही केरल के लिए इन उम्मीदवारों के नामों पर मुहर लगाई थी। केरल विधानसभा की सभी 140 सीट के लिए नौ अप्रैल को मतदान होगा। मतगणना चार मई को होगी। कांग्रेस महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने बताया कि पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने इन उम्मीदवारों के नाम का चयन किया है।

विमान की मरम्मत करने के बाद बेड़े में किया शामिल

नई दिल्ली। टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया का छह साल से सेवा से बाहर रहा (ग्राउंडेड) एक विमान वीटी-एएलएल मरम्मत और कई प्रणालियों को अद्यतन बनाने के बाद एयरलाइंस के सक्रिय बेड़े में शामिल हो गया है।

एयर इंडिया ने बताया कि साल 2022 में जब टाटा समूह ने सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी का दोबारा अधिग्रहण किया था उस समय एयरलाइंस के बेड़े में शामिल 133 विमानों में से 30 विभिन्न कारणों से ग्राउंडेड थे। वीटी-एएलएल के नाम से पंजीकृत इस बोइंग 777-300ईआर के साथ ही सभी 30 विमान मरम्मत और जरूरी अपडेट के बाद बेड़े में शामिल हो चुके हैं। यह विमान जुलाई 2007 में एयर इंडिया के बेड़े में शामिल हुआ था और कई सिस्टमों में खामियों के कारण फरवरी 2020 से ग्राउंडेड था।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष – आज आपको अधिक काम करना पड़ेगा। शेयर मार्केट के माध्यम से धन लाभ हो सकता है। अधिकारी आपको बड़ी जिम्मेदारी सौंप सकते हैं।

वृष – आज अपनी नौकरी से अत्यधिक प्रसन्न रहेंगे। फाइनेन्स से जुड़े मामलों के लिए दिन शुभ रहेगा। आपके उलझे काम सुलझ सकते हैं।

मिथुन – आज जीवनसाथी की बातें आपको कड़वी लग सकती हैं। छात्र उच्च शिक्षा को लेकर अत्यधिक सजग रहेंगे।

कर्क – आज अपनी प्रतिष्ठा की चिंता रहेगी। आपके काम अपेक्षानुसार पूरे नहीं होंगे। गूढ विद्याओं का अध्ययन करने के योग बन रहे हैं।

सिंह – आज दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा। नए रिश्तों की शुरुआत कर सकते हैं। बड़े व्यावसायिक अनुबंध होने के योग बन रहे हैं।

कन्या – आज आपके स्वभाव में नरमी और सहजता रहेगी। सामाजिक मामलों पर मुखर होकर अपनी राय रखेंगे। चुनौतियों का डटकर मुकाबला करेंगे।

तुला – आज नया वाहन खरीदने के योग बन रहे हैं। अपनी पुरानी गलतियों को ठीक करने का प्रयास कर सकते हैं।

वृश्चिक – आज आप अत्यन्त प्रसन्न रहेंगे। कुछ लोग आपका विरोध कर सकते हैं। स्वभाव में थोड़ा स्वार्थीपन लाने से बचें।

धनु – आज आपके विचार अत्यधिक सुलझे और रचनात्मक रहेंगे। व्यापार में बिक्री बढ़ने से आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

मकर – आज कार्यक्षेत्र में आपको बड़ा पद मिल सकता है। आपके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आयेगा। विदेश यात्रा की योजना बन सकती है।

कुंभ – आज नए कार्यों की शुरुआत कर सकते हैं। कलात्मक विषयों के प्रति आकर्षित रहेंगे। साझेदारी वाले व्यवसाय में आपको लाभ होगा।

मीन – आज राजनेताओं को अपनी प्रतिष्ठा की चिंता हो सकती है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों का फोकस कमजोर हो सकता है।

आज का पंचांग

-पं. मनोज कुमार द्विवेदी

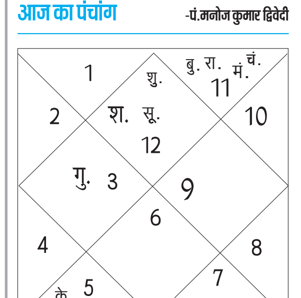

आज की ग्रह स्थिति : 18 मार्च, बुधवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- चैत्र, पक्ष-कृष्ण पक्ष, चतुर्दशी 08.25 तक तत्पश्चात अमावस्या।

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुम्भ।
ताराबल-भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- पूर्व भाद्रपद 19 मार्च 05.21 तक तत्पश्चात उत्तर भाद्रपद।

सुडोकू - 91 का हल

9	4	2	5	8	6	7	3	1
6	7	5	3	1	2	4	8	9
3	8	1	4	7	9	2	5	6
4	1	9	2	3	7	5	6	8
8	5	7	9	6	1	3	4	2
2	3	6	8	4	5	9	1	7
1	6	4	7	9	3	8	2	5
7	2	3	6	5	8	1	9	4
5	9	8	1	2	4	6	7	3

सुडोकू -92

				7				3
9		2					8	
	7		8			4		
5			3			8	9	
				6	1			2
		1			2			
						7	5	8
8	4			9				

पटकथा लेखक सलीम खान को अस्पताल से छुट्टी

मुंबई। दिग्गज पटकथा लेखक सलीम खान (90) को मंगलवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई और उन्हें घर ले जाया गया है। मस्तिष्काघात के बाद पिछले महीने 17 फरवरी को खान को बांद्रा के लीलावती अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया था। अस्पताल में भर्ती होने के एक दिन बाद चिकित्सकों ने बताया था कि खान को ब्रेन हैमरेज हुआ और उपचार के बाद उन्हें एहतियात के तौर पर वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है। एक सूत्र ने मंगलवार को बताया, उनका सफल इलाज किया गया है।

गंभीर संकट

संयुक्त राष्ट्र ने कहा- 4.5 करोड़ अतिरिक्त लोग हो सकते हैं प्रभावित

पश्चिम एशिया के संकट से दुनिया भर में भुखमरी का खतरा

रोम, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र के संगठन विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्लूयईपी) ने मंगलवार को एक गंभीर चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि यदि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और अधिक बढ़ता है, तो साल 2026 में वैश्विक खाद्य असुरक्षा अपने रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच सकती है।

डब्ल्यूएफपी की यहां जारी एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है। संगठन के नए विश्लेषण के अनुसार, युद्ध के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था में अस्थिरता आने से करोड़ों लोग 'गंभीर भुखमरी' की चपेट में आ सकते हैं।

चेतावनी में कहा गया है कि अगर यह संघर्ष साल के मध्य तक समाप्त नहीं होता और कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी रहती हैं, तो लगभग 4.5 करोड़ अतिरिक्त लोग खाद्य असुरक्षा के दायरे में आ जाएंगे। वर्तमान में दुनिया भर में 31.8 करोड़ लोग पहले से ही खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे हैं। नया संकट इस संख्या को यूक्रेन युद्ध के समय देखे गए 34.9 करोड़ के रिकॉर्ड स्तर के करीब ले जा सकता है। इसमें कहा गया है कि पश्चिम एशिया हालांकि मध्य पूर्व मुख्य रूप से 'एनर्जी हब' है न कि अनाज भंडार, लेकिन ऊर्जा की कीमतों में उछाल का सीधा असर परिवहन, खाद और खेती की लागत पर पड़ता है, जिससे खाद्य सामग्री महंगी हो जाती है। डब्ल्यूएफपी की रिपोर्ट के अनुसार, आयात पर निर्भर रहने वाले अफ्रीका और एशिया के देशों पर इसका सबसे बुरा असर पड़ेगा। अकेले एशिया में खाद्य असुरक्षित लोगों की संख्या में 24 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। जबकि पश्चिम और मध्य अफ्रीका में 21 प्रतिशत और पूर्वी और दक्षिणी अफ्रीका में 17 फीसदी की वृद्धि का पूर्वानुमान है।

पर्याप्त फंडिंग नहीं मिली तो करोड़ों लोगों की तबाही का कारण बनेगी जंग

डब्ल्यूएफपी के उप कार्यकारी निदेशक कार्ल स्काउ ने कहा, यह संघर्ष वैश्विक स्तर पर लोगों को प्रभावित करेगा और उन परिवारों को सबसे ज्यादा चोट पहुँचाएगा जो पहले से ही अपने अगले भोजन का खर्च उठाने में असमर्थ हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मानवीय सहायता के लिए पर्याप्त फंडिंग नहीं मिली, तो यह करोड़ों लोगों के लिए तबाही का कारण बन सकता है। उल्लेखनीय है कि हॉर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग में जहाजों की आवाजाही के लगभग रुक जाने और लाल सागर में बढ़ते जोखिमों ने पहले ही ईंधन और उर्वरक की कीमतों को बढ़ा दिया है। सूडान और सोमालिया जैसे देशों में महंगाई बढ़ गई है।

> रोहित शर्मा आईपीएल 2026 से पहले काफी फिट और पूरी तरह प्रतिबद्ध नजर आ रहे हैं तथा उन्होंने अपने कौशल पर जमकर काम किया है। मैं उनसे आगे बढ़कर नेतृत्व करने की उम्मीद कर रहा हूं।
>
> **- महेला जयवर्धने**

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हल्द्वानी, बुधवार, 18 मार्च 2026

हाईलाइट

आईपीएल के अधिकतर मैचों से बाहर रहेंगे हर्षित राणा

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के तेज गेंदबाज हर्षित राणा पिछले महीने हुई घुटने की सर्जरी से उबर रहे हैं और वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अधिकतर मैचों से बाहर रह सकते हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अभी तक उनकी वापसी के लिए कोई समयसीमा तय नहीं की है। राणा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत के टी20 विश्व कप के अभ्यास मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। वह अभी ''रिहैबिलिटेशन'' से गुजर रहे हैं और बीसीसीआई की चिकित्सा टीम ने उनकी वापसी के लिए कोई निश्चित तारीख तय नहीं की है। उस अभ्यास मैच में एक ओवर फेंकने के बाद राणा को चोट लग गई थी। उन्हें इसके लिए सर्जरी करानी पड़ी जिससे वह टी20 विश्व कप में नहीं खेल पाए थे।

ओलंपिक 2028 में चार दिन पहले शुरू हो जाएंगे फुटबॉल के मैच

लॉस एंजिलिस। लॉस एंजिलिस में 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों में पुरुषों और महिलाओं के फुटबॉल मैच उद्घाटन समारोह से चार दिन पहले शुरू होंगे और इन्हें अमेरिका के सात शहरों में आयोजित किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) ने जो कार्यक्रम तैयार किया है उसके अनुसार शुरुआत से ही टीमों को पिछले ओलंपिक की तुलना में विश्राम के लिए दो अतिरिक्त दिवस मिलेंगे। ओलंपिक में फुटबॉल के मैच 10 जुलाई से शुरू होंगे। इसके ग्रुप चरण और क्वार्टर फाइनल के मैच न्यूयॉर्क, कोलंबस, ओहियो, नैशविले, टेनेसी और सेंट लुई में खेले जाएंगे। नॉकआउट राउंड के बाकी मैच कैलिफोर्निया के सैन जोस, सैन डिएगो और पासाडेना में होंगे। स्वर्ण पदक के लिए होने वाला मैच रोज़ बाउल स्टेडियम में खेला जाएगा।

मीनाक्षी ने एशियाई चैंपियनशिप के लिए टीम में जगह बनाई

नई दिल्ली। मीनाक्षी गोयत ने आत्म-संदेह पर काबू पाकर बड़ा उलटफेर करते हुए अंतिम पंघाल को हराकर अगले महीने होने वाली एशियाई चैंपियनशिप के लिए भारतीय महिला टीम में जगह बना ली। दो बार की विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता अंतिम को घरेलू मैदान पर यह दुर्लभ हार झेलनी पड़ी। ट्रायल में इससे पहले तीन बार अंतिम से हार चुकी मीनाक्षी ने इस बार मजबूत रक्षात्मक खेल का शानदार प्रदर्शन किया और 6-2 की बढ़त लेने के बाद 'विन बाय फॉल' से जीत दर्ज की। एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता अंतिम, दिग्गज विनेश फोगाट के 53 किग्रा वर्ग छोड़ने के बाद इस वर्ग में दबदबा बनाए हुए थीं। मुकाबले के दौरान मीनाक्षी ने कई बार अंतिम के सिर पर मजबूत पकड़ बनाई और उन्हें आक्रामक खेल का प्रदर्शन नहीं करने दिया।

न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर शृंखला बराबर की

हैमिल्टन। सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे ने 60 रन की आकर्षक पारी खेली जबकि तेज गेंदबाज बेन सीयर्स और लॉकी फर्ग्यूसन ने तीन-तीन विकेट लिए जिससे न्यूजीलैंड ने मंगलवार को यहां दूसरे टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में दक्षिण अफ्रीका को 68 रन से हराकर पांच मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। कॉनवे की 49 गेंद की पारी में पांच चौके और दो छक्के शामिल हैं। उनके अलावा अन्य बल्लेबाजों ने भी उपयोगी योगदान दिया जिसमें जोश क्लर्कसन नाबाद 26 रन बनाकर दूसरे बड़े स्कोरर रहे। इससे न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 175 रन बनाए। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 15 .3 ओवर में 107 रन पर आउट हो गई।

पत्नी के सीधे-सरल सवाल ने बदल दिया सूर्यकुमार का करियर

साल 2018 में देविशा ने पूछा था- अगर आप भारत के लिए खेलना चाहते हैं तो क्या योजना है

पत्नी देविशा के सूर्यकुमार यादव।

नई दिल्ली, एजेंसी

उनकी पत्नी के सीधे सरल सवाल ने ही उन्हें राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के लिए कड़ी मेहनत करने को प्रेरित किया और अब जबकि सूर्यकुमार यादव विश्व कप विजेता कप्तान बन चुके हैं, तो वे अपनी 'बेहद निश्छल' पत्नी देविशा की जितनी भी प्रशंसा करें वह कम है क्योंकि उन्होंने ही उन्हें इस मुकाम पर पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। यह साल 2018 की बात है जब देविशा ने सूर्यकुमार से एक सरल सवाल पूछा, 'अगर आप भारत के लिए खेलना चाहते हैं, तो आपकी क्या योजना है? उस 'बेहद सादगीपूर्ण बातचीत' के आठ साल बाद सूर्यकुमार की अगुवाई में भारत ने टी20 विश्व कप में अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया।

सूर्यकुमार ने पीटीआई वीडियो के साथ एक पॉडकास्ट साक्षात्कार के दौरान उस बातचीत को याद करते हुए कहा हमारी शादी 2016 में हुई थी जब मैं केकेआर के लिए खेल रहा था। सब कुछ बहुत सहजता से आगे बढ़ रहा था। मैं अच्छा खेल रहा था, खेल का आनंद ले रहा था। जब मैं 2018 में मुंबई इंडियंस में शामिल हुआ तो वह तब तक के मेरे सफर और दिनचर्या को देखती रही। मुझे लगता है कि इसके बाद हमने चीजों को थोड़ा अलग तरीके से करना शुरू कर दिया था।

उन्होंने कहा उसने मुझसे कहा कि आपके साथ आयु वर्ग में खेलने वाले सभी खिलाड़ी अब भारत के लिए खेल रहे हैं। आपके मन में क्या है? मैंने कहा मुझे भी भारत के लिए खेलना है। उसने पूछा, कैसे खेलोगे?। इस 35 वर्षीय खिलाड़ी ने अपनी पत्नी के साथ उनके करियर को बदलने वाली बातचीत के बारे में कहा वह संक्षिप्त सी बातचीत थी। वह किसी तरह की बहस नहीं बल्कि संक्षिप्त चर्चा थी। लेकिन निश्चित तौर पर यह इस बारे में चर्चा थी कि आप अपने लक्ष्य की ओर एक कदम आगे कैसे बढ़ा सकते हैं। अगर मैं भारत के लिए खेलना चाहता हूं और भारत को जीत दिलाना चाहता हूं, तो मैं यह कैसे कर सकता हूं?

एक बार जब अंतिम लक्ष्य हासिल करने की दिशा में अतिरिक्त प्रयास करने का फैसला कर लिया गया तो उनकी जिंदगी में कुछ चुनौतियां भी सामने आई लेकिन सूर्यकुमार और देविशा ने एक जोड़े के रूप में उस रास्ते पर चलना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा हमें कई चीजों में कटौती करनी पड़ी। हमने इस तरह से शुरुआत की और 2018 में आईपीएल में मेरा प्रदर्शन (512 रन) बहुत अच्छा रहा तथा मैंने घरेलू क्रिकेट में भी अच्छा प्रदर्शन किया। सूर्यकुमार ने कहा उस साल मुझे मुंबई इंडियंस की तरफ से पारी की शुरुआत करने का भी मौका मिला और मैंने रन भी बनाए। हमने 2019 और 2020 में भी यही सिलसिला जारी रखा और मैं एक अलग ही मूड में था। कप्तान ने कहा कि देविशा पर्दे के पीछे रहकर उनकी ताकत बनी रहीं।

टी-20 विश्व कप 2024 में 'अनुभवी जोश' कारगर साबित हुआ, तो 2026 में 'गरम खून' ने किया कमाल

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टी-20 विश्व कप की दो चैंपियन टीमों की तुलना करते हुए कहा कि 2024 की टीम के खिलाड़ियों में आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) ट्रॉफी के लंबे समय से चले आ रहे सूखे को खत्म करने के लिए 'अनुभवी जोश' था, जबकि इस साल साल खिताब का बचाव करने वाली टीम के पास 'युवाओं का जोशीला जुनून' था। सूर्यकुमार ने पीटीआई के साथ एक विस्तृत पॉडकास्ट साक्षात्कार में ट्रॉफी जीतने वाली दोनों टीमों के बीच मामूली अंतर पर बात की। वह 2024 में रोहित शर्मा की कप्तानी में खेले थे। उस टीम में विराट कोहली और रविंद्र जडेजा जैसे दिग्गज खिलाड़ी भी शामिल थे। बारबाडोस में मिली जीत के बाद इन तीनों दिग्गज खिलाड़ियों ने खेल के सबसे छोटे प्रारूप से संन्यास ले लिया था। इसके बाद टीम की कमान निर्भीक सूर्यकुमार ने संभाली, जिन्होंने टी20 में भारत के खेल को अगले स्तर पर पहुंचाया। सूर्यकुमार ने दोनों टीमों की तुलना करते हुए कहा, दोनों टीमों में बस उन्नीस बीस का फर्क था। वो एक्सपीरियंस (अनुभव) वाला जोश था, इधर एकदम खून गरम था लड़कों का। भारत 2026 में अपने घरेलू मैदान पर खेले गए टूर्नामेंट में खिताब का प्रबल दावेदार था, लेकिन 2024 की टीम के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता, जिसे आईसीसी खिताब हासिल करने की राह में मानसिक चुनौतियों का भी सामना करना पड़ा। सूर्यकुमार से जब पूछा गया कि 2026 की टीम 2024 की टीम से थोड़ा बेहतर थी, उन्होंने कहा, 2024 में हमारे पास काफी अनुभव था। उस समय टीम के पास अनुभव था और कई अच्छे खिलाड़ी थे। उन्होंने कहा अब भी हमारे पास अच्छे खिलाड़ी हैं, लेकिन उस समय हमारी टीम के पास काफी अनुभव था और प्रत्येक खिलाड़ी अपनी भूमिका के लिए पूरी तरह से तैयार था।

पढ़ाई में तो अच्छे नंबर नहीं मिले, लेकिन क्रिकेट में 80 प्रतिशत अंक हासिल किए

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव को भले ही पढ़ाई में बहुत अधिक सफलता नहीं मिली लेकिन क्रिकेट के मैदान पर उन्होंने आखिरकार 80 प्रतिशत अंक हासिल कर लिए हैं। सूर्यकुमार की अगुवाई में भारत ने हाल में टी20 विश्व कप खिताब का सफलतावाक बचाव किया। इस जीत का भरपूर आनंद ले रहे सूर्यकुमार का भारतीय कप्तान के रूप में जीत का रिकॉर्ड 80 प्रतिशत है। मुंबई के रहने वाले सूर्यकुमार स्वाभाविक रूप से अपने इन आंकड़ों से बेहद खुश थे, क्योंकि शिक्षा ग्रहण करते समय वह कभी इतने अधिक नंबर लेकर नहीं आए थे। सूर्यकुमार ने 2024 में टी20 कप्तान का पद संभालने के बाद लगातार सफलता हासिल की। उनकी अगुवाई में भारत ने अभी तक जो 52 मैच खेले हैं उनमें से 42 मैच में उसे जीत मिली है।

स्क्वाश खिलाड़ियों की नजरें लॉस एंजिलिस ओलंपिक पर : अनाहत

मुंबई, एजेंसी

स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह। एजेंसी

भारत की शीर्ष रैंकिंग वाली स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह को उम्मीद है कि अगले दो वर्षों में हर खिलाड़ी का ध्यान मुख्य रूप से लॉस एंजिलिस 2028 खेलों पर होगा क्योंकि इन खेलों के दौरान स्क्वाश ओलंपिक में पदार्पण करेगा। अनाहत ने मंगलवार को यहां कहा कि ओलंपिक में पदक जीतना हर खिलाड़ी का सपना होता है।

जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन की टूर्नामेंट से पहले हुई प्रेस कांफ्रेंस के दौरान अनाहत ने कहा बेशक यह बहुत रोमांचक है। यह पहली बार है जब यह ओलंपिक का हिस्सा बन रहा है और सभी खिलाड़ी इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे थे।

उन्होंने कहा इससे पहले कोई भी खिलाड़ी अधिक से अधिक राष्ट्रमंडल खेलों में खेल सकता था लेकिन अब ओलंपिक भी है और बेशक, हर खिलाड़ी का सपना होता है कि वह ओलंपिक में जाए, खेले और पदक जीते। अनाहत ने कहा, अगले कुछ वर्षों में सभी का यही लक्ष्य रहेगा और दीर्घकाल में मेरे दिमाग में भी यही बात रहेगी कि मैं ओलंपिक तक ट्रेनिंग कर सकूं और संभवतः देश के लिए पदक जीत सकूं। जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन पीएसए कॉपर प्रतियोगिता है जो खिलाड़ियों को रैंकिंग अंक हासिल करने का मौका देगा और साथ ही इस साल के आखिर में होने वाले एशियाई खेलों के लिए लय बनाने में भी मदद करेगा। भारत के दूसरे सबसे बेहतर रैंकिंग वाले पुरुष खिलाड़ी रमित टंडन ने कहा कि इस खेल को ओलंपिक कार्यक्रम में शामिल किए जाने से कारपोरेट जगत भी इसकी ओर आकर्षित हुआ है। उन्होंने कहा, यह (ओलंपिक) दुनिया की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता है इसलिए वहां पहुंचना हर किसी का सपना होता है। इसके अलावा हमारे खेल को जेएसडब्ल्यू और अन्य कारपोरेट घरानों के जुड़ने से भी फायदा हुआ है जो ओलंपिक में शामिल होने के बाद ही संभव हो पाया है।टंडन ने कहा ओलंपिक में शामिल होने के बाद पूरे स्क्वाश पारिस्थितिकी तंत्र में बहुत बड़ा बदलाव देखने को मिला है। टंडन ने कहा कि इंडियन ओपन में खेलने से उन्हें कुछ राहत जरूर मिलेगी लेकिन स्क्वाश खिलाड़ी पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के हालात पर भी नजर बनाए हुए हैं।

उन्होंने कहा यह स्वदेश में ही हो रहा है इसलिए हमारे लिए बहुत सुविधाजनक है। इसके ठीक बाद मैं लंदन में अगला टूर्नामेंट खेलने जा रहा हूं। अभी तक उड़ान रद्द नहीं हुई है इसलिए यह इस बात पर निर्भर करता है कि युद्ध की स्थिति कैसी रहती है। टंडन ने कहा तैयारी के लिहाज से विश्व चैंपियनशिप काहिरा में है जो एक प्रभावित इलाका है। हमें पीएसए से ईमेल मिल रहे हैं जिनमें कहा गया है कि वे स्थिति पर कड़ी नजर रखे हुए हैं। वे तारीखों में थोड़ा-बहुत फेरबदल करने पर भी विचार कर रहे हैं।

मंधाना महिला वनडे रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार

दुबई। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर आईसीसी महिला एकदिवसीय रैंकिंग में एक स्थान के सुधार के साथ सातवें पायदान पर पहुंच गई हैं, जबकि उपकप्तान स्मृति मंधाना शीर्ष स्थान पर कायम हैं।

रैंकिंग में यह बदलाव न्यूजीलैंड की दिग्गज खिलाड़ी सोफी डिवाइन के दो स्थान फिसलकर नौवें नंबर पर आने के बाद हुआ। भारत की जेमिमा रोड्रिग्स 12वें स्थान पर बरकरार हैं। न्यूजीलैंड की बल्लेबाज मैडी ग्रीन ने जिम्बाब्वे के खिलाफ आईसीसी महिला चैंपियनशिप सीरीज के अंतिम मैच में 94 रनों की शानदार पारी खेलकर रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाई है। 33 वर्षीय ग्रीन की डुनेडीन में खेली गई 73 गेंदों की पारी की बदौलत उनकी टीम ने 200 रन से जीत दर्ज करते हुए सीरीज में 3-0 से सूपड़ा साफ किया। इस प्रदर्शन से वह पांच स्थान ऊपर चढ़कर 610 रेटिंग अंकों के साथ 17वें स्थान पर पहुंच गई हैं, जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। न्यूजीलैंड की हरफनमौला अमेलिया केर ने आखिरी वनडे में शानदार प्रदर्शन करते हुए 80 रन बनाने के साथ 22 रन देकर पांच विकेट झटके।

कुलदीप का ग्रैंड रिसेप्शन

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार व चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव का मंगलवार को राजधानी लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी में होटल सेंट्रम में रिसेप्शन कार्यक्रम हुआ। देर रात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और अखिलेश यादव भी शुभकामनाएं देने के लिए रिसेप्शन में पहुंचे। सीएम योगी ने बुके देकर वर-वधू को आशीर्वाद दिया। कुलदीप ने मसूरी में बचपन की दोस्त वंशिका के साथ शादी की है।

● अमृत विचार

धोनी शीर्ष छह में बल्लेबाजी करें : डिविलियर्स

नई दिल्ली, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने मंगलवार को बेबाक राय देते हुए कहा कि महेंद्र सिंह धोनी को आगामी आईपीएल में शीर्ष छह में बल्लेबाजी करनी चाहिए क्योंकि आठवें या नौवें नंबर पर आने से उनकी मौजूदगी के साथ न्याय नहीं होता। धोनी 44 साल के हो चुके हैं और 28 मार्च से शुरू हो रहे आईपीएल में अपनी फ्रेंचाइजी चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के लिए खेलेंगे और डिविलियर्स ने इस करिश्माई खिलाड़ी से पिछले कुछ वर्षों में बल्लेबाजी क्रम में बहुत नीचे खेलने की रणनीति को बदलने की अपील की। आगामी आईपीएल सत्र में सीएसके में धोनी की भूमिका पर बात करते हुए डिविलियर्स ने कहा यह बहुत मुश्किल है और सीधा-सीधा मामला नहीं है। ब्रांड बनने में वर्षों लगते हैं और सीएसके ने धोनी की शख्सियत के साथ कई वर्षों में यह साम्राज्य खड़ा किया है जो हमेशा से वहां मौजूद रहे हैं।

मन की बात | ऑस्ट्रेलिया के हालिया दौरे पर टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाली बल्लेबाज ने किया था शानदार प्रदर्शन

महिलाओं के लिए अधिक टेस्ट मैच होने चाहिए : प्रतिका

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के हालिया दौरे पर टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण पर अर्धशतक लगाने वाली भारतीय बल्लेबाज प्रतिका रावल ने महिलाओं के लिए अधिक टेस्ट मैच कराने की वकालत करते हुए इसे अपना पसंदीदा प्रारूप बताया है।

प्रतिका ने इस महीने की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खेले गए दिन-रात्रि टेस्ट की दूसरी पारी में 63 रन बनाकर भारत को पारी की हार से बचाने में अहम भूमिका निभाई थी।

दिल्ली खेल पत्रकार संघ (डीएसजेए) की मेजबानी में आयोजित भारतीय खेल पत्रकार संघ (एसजेएफआई) के सम्मेलन से इतर प्रतिका ने कहा टेस्ट क्रिकेट सबसे खूबसूरत प्रारूप है। बचपन से मेरे पिता और कोच कहते थे कि इस प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन करना बहुत जरूरी है। जब आपको उसी तरह तैयार किया जाता है तो स्वाभाविक रूप से यह आपका पसंदीदा प्रारूप बन जाता है। उन्होंने बताया कि उन्होंने विवियन रिचर्ड्स, सचिन तेंदुलकर, ब्रायन लारा और रिकी पोंटिंग जैसे महान खिलाड़ियों के टेस्ट मैचों के वीडियो देखकर खुद को इस प्रारूप के लिए तैयार किया है।

प्रतिका ने कहा मैंने इन महान बल्लेबाजों के कई वीडियो देखे हैं। टेस्ट क्रिकेट में जिस तरह वे खेलते थे, वह हमेशा प्रेरित करता रहा है। महिला टेस्ट मैचों की संख्या बढ़ाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि जितने अधिक टेस्ट मैच होंगे, उतना बेहतर होगा। उनके अनुसार टेस्ट क्रिकेट खेलने का अनुभव खिलाड़ी को न केवल बेहतर बनाता है, बल्कि एक व्यक्ति के रूप में भी उसे परिपक्व करता है।

एसजेएफआई के इस चार दिवसीय स्वर्ण जयंती राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन अवसर पर अरुण जेटली स्टेडियम में आयोजित पुरस्कार समारोह में दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष रोहन जेटली ने प्रतिका को 51 लाख रुपये की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया।

बीसीसीआई के पुरस्कार से मिली प्रेरणा

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के वार्षिक पुरस्कार समारोह 'नमन पुरस्कार 2026' को भी खास अनुभव बताया। उन्होंने कहा यह बीसीसीआई के साथ मेरा पहला पुरस्कार था और पूरी शाम बेहद शानदार रही। इस तरह की पहचान खिलाड़ियों को प्रेरित करती है। बीसीसीआई जिस तरह चैंपियनों को सम्मानित कर रहा है, वह भारतीय क्रिकेट के लिए बड़ा कदम है। पिछले सत्र में भारत की विभिन्न टीमों ने पांच वैश्विक ट्रॉफियां जीती हैं और देश में क्रिकेट लगातार आगे बढ़ रहा है। उन्होंने विश्व कप जीत को अपने करियर का सबसे यादगार पल बताते हुए कहा कि उसकी खुमारी अब तक बरकरार है।